शुक्रवार
19 जुलाई 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज



बिहार बनने जा रहा टेक्सटाइल हब, गारमेंट क्षेत्र में लोगों को मिलेगा बंपर रोजगार : गिरिराज

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

हादसा यूपी के गोंडा-गोरखपुर रेल मार्ग पर मोतीगंज से झिलाही बाजार के बीच पिकौरा गांव के हुआ समीप

चंडीगढ़ एक्सप्रेस के 14 डिब्बे पटरी से उतरे, चार की मौत, 31 घायल

केटी न्यूज/गोरखपुर

गोंडा रेलवे स्टेशन से गोरखपुर वाया डिब्रूगढ़ जा रही चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस (15904) की 14 बोगियां पटरी से उतरकर पलट गईं। इनमें दो एसी कोच रेल पटरी के बगल खंती में भरे पानी में पलट गये। इससे पहले तेज रफ्तार ट्रेन के दो कोच बेपटरी हो गये। हादसा गोंडा-गोरखपुर रेल मार्ग पर मोतीगंज से झिलाही बाजार के बीच पिकौरा गांव के पास हुआ है। इसमें चार यात्रियों की मौके पर मौत हो गई। दो अन्य मरणासन्न हालत में लखनऊ रेफर कर दिये गये। कुल 31 रेलयात्री घायल हैं। हादसे की प्रारंभिक वजह बारिश से पटरी के दोनों तरफ जलभराव होने से ट्रैक का बैठना बताया जा रहा है। बोगियों के बेपटरी होने से लगभग 500 मीटर ट्रैक उखड़ गया, जबकि इलेक्ट्रिक लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद डीएम नेहा शर्मा और एसपी विनीत जायसवाल के साथ अन्य अफसरों ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य तेज कराया। डीएम ने बताया कि दो शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, जबकि घायलों का बेहतर उपचार कराया जा रहा है। आसपास के ग्रामीणों ने पलटे एसी कोच के शीशे तोड़कर अंदर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। पूर्वोत्तर रेलवे की महाप्रबंधक सौम्या माथुर ने घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने दो रेल यात्रियों की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि इनकी शिनाख्त की जा रही है। हादसे में 31 रेल यात्री घायल हुए हैं, जिनमें दो गंभीर हैं। 26 घायलों को मनकापुर सीएचसी व तीन अन्य घायलों को सीएचसी काजीदेवर भेजा गया है। नौ घायलों को गोंडा मेडिकल कॉलेज लाया गया हैं। पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिये गये हैं। 24 बोगियों वाली ट्रेन के इंजन के बाद एसी की छह बोगियां लगीं थीं, जिसमें दो बोगी पटरी से उतरकर नीचे गिरीं, इसके बाद एसी की चार अन्य बोगियां भी पटरी से लटक गईं। गाड़ी की रफ्तार सौ किमी प्रतिघंटे से अधिक होने के चलते अचानक ब्रेक लगाना प्रमुख कारण रहा।



ट्रेन हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को मुआवजे का ऐलान : रेल मंत्रालय

गोंडा। गोंडा ट्रेन दुर्घटना में मृतकों के परिवार को 10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को 2.5 लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की गई है। सीआरएस जांच के अलावा, उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए गए है।

लखनऊ-बलरामपुर से भेजी गई एनडीआरएफ की टीमें

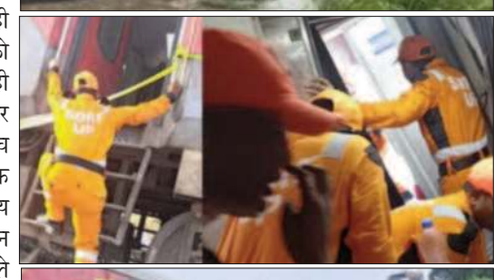
यूपी के राहत आयुक्त ने बताया कि लखनऊ और बलरामपुर से एनडीआरएफ की एक-एक टीम गोंडा भेजी गई। ट्रेन दुर्घटना में बचाव कार्य के लिए 5 एंबुलेंस तैनात की गई हैं, घटनास्थल पर और एंबुलेंस भेजने के आदेश दिए गए हैं। जिलों के सभी अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट मोड पर रहने को कहा गया है।

दो ट्रेन निरस्त, 16 के मार्ग में परिवर्तन

चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही एक्सप्रेस ट्रेन (15904) हादसे के बाद दो यात्री ट्रेनों को रेलवे विभाग ने निरस्त कर दिया। इसके अलावा 16 ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया है। डायवर्ट की गई ट्रेनों को अयोध्या-मनकापुर होकर चलाया जा रहा है। इस कारण रेलवे स्टेशन गोंडा पर यात्रियों को काफी दिक्कतें उठानी पड़ी। सैकड़ों श्रद्धालु माता वैष्णो देवी जाने से वंचित रह गए। टिकट घर में टिकटों का कैंसिल करने के लिए यात्रियों के भीड़ लगी रही। हादसे में गोंडा-गोरखपुर रेलवे लाइन की करीब 200 मीटर तक की लाइन भी उखड़ गई है। वहीं इलेक्ट्रानिक तार भी टूट गये हैं। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है।

हर तरफ बदहवासी, अपनों को ढूंढ़ते नजर आए लोग







गोंडा। पटरियों से कुछ दूरी पर लोगों की अटैचियां और सामान बिखरे पड़े थे। बोगियों से बचकर बाहर निकले कुछ लोग बदहवास से पटरियों के पास ही बैठे दिखे, तो कई लोग अपनों को ढूंढ़ते नजर आए। बच गए लोगों को बस एक ही फिक्र थी कि उसके अपने सुरक्षित हैं या नहीं। चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन की आठ बोगियों के गुरुवार को पटरी से उतर जाने की घटना के बाद मौके पर ऐसा ही दृश्य था। पूर्वोत्तर रेलवे के गोंडा-गोरखपुर रेल खंड पर मोतीगंज तथा झिलाही रेलवे स्टेशनों के बीच बृहस्पतिवार की दोपहर चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन में हादसा हुआ है। हादसे में 20 अन्य यात्री जख्मी हुए हैं। ट्रेन के कुछ यात्री दोपहर के भोजन के बाद आराम कर रहे थे, वहीं अन्य लोग आने वाले स्टेशन पर उतरने की तैयारी में थे। इसी दौरान मोतीगंज इलाके में यात्रियों को जोरदार झटका लगा और उसके आठ डिब्बे पटरी से उतर गए। चंडीगढ़ से सीवान जा रहे मणि तिवारी ने बताया कि हम लोग चंडीगढ़ से सीवान जा रहे थे। बोगी नंबर बी-1 में मेरी 10 और 16 नंबर सीट थी। यहां पर ट्रेन एकदम से पटरी से उतर गई, जिसकी वजह से ट्रेन पलट गई और अनेक लोगों को चोटें लगी हैं। हालांकि सभी को बेहतर इलाज के लिए भेज दिया गया है।

नीट पेपर : सीबीआई ने पटना से चार एमबीबीएस डॉक्टरों को किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/पटना



केंद्रीय जांच एजेंसी ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) प्रश्नपत्र लीक मामले के संबंध में पटना स्थित एम्स में पढ़ने वाले एमबीबीएस के चार विद्यार्थियों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एमबीबीएस के तीसरे वर्ष के तीन छात्रों चंदन सिंह, राहुल अनंत व कुमार शानू और दूसरे वर्ष के एक छात्र करन जैन को पूछताछ के बाद सीबीआई टीम ने गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि एम्स के वरिष्ठ संकाय सदस्यों की मौजूदगी में छात्रों को छात्रावास के उनके कमरों से ले जाया गया। उन्हें बताया गया था कि जांच के लिए छात्रों की जरूरत है। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने छात्रावास के उनके कमरों को भी सील कर दिया है। एम्स पटना के निदेशक जीके पॉल ने बताया कि सीबीआई एम्स पटना के चार छात्रों को अपने साथ ले गई है। चंदन सिंह, राहुल अनंत और कुमार शानू तीसरे वर्ष के छात्र हैं और करण जैन दूसरे वर्ष का छात्र है। उन्होंने कहा कि एक वरिष्ठ अधिकारी ने उन्हें छात्रों की तस्वीरें और मोबाइल नंबर भेजे हैं। पॉल ने बताया कि सीबीआई की एक टीम डीन, छात्रावास वार्डन और निदेशक के ओएसडी की मौजूदगी में छात्रों को ले गई है। अधिकारियों ने बताया कि इससे दो दिन पहले सीबीआई ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जमशेदपुर के 2017 बैच के सिविल इंजीनियर पंकज कुमार को मंगलवार को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि कुमार ने हजारीबाग में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसीके ट्रंक से नीट-यूजी का प्रश्नपत्र चुराया था। अधिकारियों के मुताबिक, बोकारो निवासी कुमार को पटना से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने राजू सिंह नामक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है, जिसने कथित तौर पर प्रश्नपत्र चुराने में कुमार की मदद की थी। सिंह को हजारीबाग से गिरफ्तार किया गया।

बिहार में एनडीए फिर से पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी : सम्राट चौधरी

- 2025 के चुनाव में बिहार की जनता के आशीर्वाद से 2010 से भी अधिक सीट जीतेंगे

केटी न्यूज/पटना

बिहार भाजपा ने लोकसभा चुनाव के बाद अपनी पहली कार्यसमिति की बैठक में अभिनंदन प्रस्ताव पास किया। बैठक में करीब सभी नेताओं ने अगले साल होने वाले चुनाव की चर्चा कर यह साफ संकेत दे दिए कि अब भाजपा की नजर अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव पर है। बैठक के बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने साफ कर दिया कि कार्यसमिति की बैठक में अगले साल होने वाले चुनाव को लेकर संकल्प लिया गया है। बैठक में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया गया। उन्होंने कहा कि पंडित नेहरू के बाद नरेंद्र मोदी ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने लगातार तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री पद संभाला है। बैठक में बिहार की जनता और कार्यकताओं का भी अभिनंदन किया गया। उन्होंने कहा कि कार्यसमिति की बैठक में यह भी संकल्प लिया गया कि 2025 के चुनाव में बिहार की जनता के आशीर्वाद से 2010 से भी अधिक सीट जीतेंगे और फिर से सरकार बनाएंगे। बिहार भाजपा के प्रभारी विनोद तावड़े और उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने भी बैठक को संबोधित करते हुए अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बहुमत की सरकार बनाने के दावे किए। विनोद तावड़े ने कहा कि अगले विधानसभा चुनाव में एनडीए पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। लोकसभा चुनाव में बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से 174 सीटों पर एनडीए ने बढ़त बनाई, जबकि राजद मात्र 34 सीटों पर आगे रही।

शौचालय की टंकी का सेंट्रिंग खोलने के दौरान चार मजदूरों की मौत, मचा बवाल

- अस्पताल में कुव्यवस्था पर स्थानीय लोगों का फूटा गुस्सा
- उपद्रवियों को हटाने के लिए पुलिस को चलानी पड़ी लाठियां,

केटी न्यूज/मोतिहारी



पूर्वी चंपारण के सिकरहना अनुमंडल के ढाका शहर में एक घर के शौचालय की टंकी की सेंट्रिंग खोलने के दौरान चार मजदूर अंदर बेहोश हो गए। इसके बाद सभी को अनुमंडल अस्पताल लाया गया। वहां चारों की मौत हो गई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने अनुमंडल अस्पताल में जमकर बवाल काटा। मोतिहारी का ढाका उस समय जल उठा जब लोगों को पता चला कि एक साथ चार लोगों की अनुमंडल अस्पताल में मौत हो गई है। दरअसल, एक घर में शौचालय की टंकी का सेंट्रिंग खोलने चार मजदूर अंदर बेहोश हो गए थे। लोगों का आरोप है कि जब चारों को अनुमंडल अस्पताल लाया गया तो वहां न डॉक्टर थे, न ऑक्सीजन। इस कारण चारों मजदूरों ने दम तोड़ दिया चारों मजदूरों की अस्पताल में मौत के बाद ढाका के स्थानीय लोगों ने वहां जमकर हंगामा किया। लोगों का आरोप था कि अस्पताल में इलाज में लापरवाही के कारण चारों की मौत हुई है। सैकड़ों की संख्या में आक्रोशित लोगों ने अनुमंडलीय अस्पताल में जमकर तोड़फोड़ की। वहां पर लाखों रुपये के समान व उपकरण नष्ट कर दिये। चारों मजदूरों की अस्पताल में मौत के बाद ढाका के स्थानीय लोगों ने वहां जमकर हंगामा किया। लोगों का आरोप था कि अस्पताल में इलाज में लापरवाही के कारण चारों की मौत हुई है। सैकड़ों की संख्या में आक्रोशित लोगों ने अनुमंडलीय अस्पताल में जमकर तोड़फोड़ की। वहां पर लाखों रुपये के समान व उपकरण नष्ट कर दिये।

कैबिनेट का बड़ा फैसला, चारधाम के नाम पर नहीं बनेगा कोई भी ट्रस्ट : सीएम धामी

केटी न्यूज/देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक राज्य सचिवालय में संपन्न हुई। बैठक शोक प्रस्ताव के साथ शुरू हुई। जिसमें उत्तराखंड के पांच जवानों के बलिदान पर श्रद्धांजलि दी गई। बैठक में कुल 22 प्रस्ताव रखे गए। बैठक में तय किया गया कि विधानसभा का सत्र अगस्त में आयोजित होगा। सीएम को तिथि और स्थान तय करने के लिए अधिकृत किया गया। वहीं, उत्तराखंड काष्ठ आधारित उद्योग स्थापना नियमावली 2024 पर मुहर लगी। साथ ही स्टांप ड्यूटी को लेकर भी निर्णय लिया गया। वहीं, निर्णय लिया गया कि किसी भी व्यक्ति या संस्थाओं द्वारा बदरीनाथ, केदारनाथ धाम के नाम से कोई ट्रस्ट आदि बनाया जाता है तो इससे राज्य सरकार कड़े विधिक प्रावधान लागू करेगी। मिलते जुलते नामों को लेकर भी कड़ा कानून बनेगा। दिल्ली में केदारनाथ धाम के प्रतीकात्मक मंदिर को बनाने को लेकर खड़े हुए विवाद के बाद सरकार ने यह निर्णय लिया है।

बोले सीएम हिमंत बिश्व... असम सरकार का बड़ा फैसला, मुस्लिम विवाह कानून रद्द

केटी न्यूज/गोवाहाटी



असम सरकार ने आज एक बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बताया कि राज्य में मुस्लिम विवाह कानून को रद्द कर दिया है। मुख्यमंत्री सरमा ने इस बात की जानकारी दी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने एक्स पर लिखा कि हमने बाल विवाह के खिलाफ अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करके अपनी बेटियों और बहनों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कैबिनेट की बैठक में हमने असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम और नियम 1935 को रद्द करने का फैसला लिया है। दरअसल असम सरकार ने तय किया था कि विवाह और तलाक के पंजीकरण के मामलों में समानता लाई जाएगी। आखिरकार गुरुवार को इस पर बड़ा फैसला लिया गया। मंत्रिमंडल की बैठक में असम रिपीलिंग बिल यानी असम निरसन अध्यादेश को मंजूरी दे दी गई। सीएम हिमंत का कहना है कि इस विधेयक का उद्देश्य असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम, 1935 को निरस्त करना है।

डिफेन्स टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण से आत्मनिर्भर भारत अभियान को मिलेगी गति

यूपी में डिफेंस टेस्टिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूती देगा मिधानि समूह

केटी न्यूज/लखनऊ



भारत के डिफेंस सेक्टर और स्पेस टेक्नोलॉजी इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत आधार देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की मंशा के अनुरूप मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार मिशन मोड में जुटी हुई है। गुरुवार को प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की मौजूदगी में यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड में डिफेंस टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने के लिए उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वेज इन्डस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) और मिधानि समूह के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस डिफेंस टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को एडवांस मैटेरियल (डिफेंस) टेस्टिंग फाउंडेशन नाम दिया गया है। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश रक्षा विनिर्माण और इनोवेशन का वैश्विक हब बनने के साथ ही देश के डिफेंस इंडस्ट्री इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। लखनऊ नोड डिफेंस कॉरिडोर का महत्वपूर्ण हिस्सा है, इस पर मैटेरियल टेस्टिंग फैसिलिटी स्थापित करने के लिए यूपीडा और मिधानि समूह के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रथम तथा देश में दूसरी बार डिफेन्स टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण से आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति मिलेगी। मैकेनिकल और सामग्री परीक्षण सुविधा न केवल भारत के रक्षा विनिर्माण बुनियादी ढांचे के निर्माण और नवाचार को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, बल्कि उत्तर प्रदेश को रक्षा के केंद्र के रूप में भी आगे बढ़ाएगा। इसका सीधा फायदा डिफेंस कॉरिडोर के अंतर्गत स्थापित हो रही इंडस्ट्रीज को अपने प्रोडक्ट को बेहतर बनाने और सर्टिफिकेटकेशन के बाद प्रोडक्ट की मार्केटिंग में मिलेगा। इसके अलावा मेटल के क्षेत्र में कार्य कर रहीं अलीगढ़ और मुरादाबाद की इंडस्ट्रीज व एमएसएमई इंडस्ट्रीज को भी इसका फायदा मिलेगा। बता दें कि डिफेंस टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का उद्देश्य मैन्युफैक्चरिंग, रिसर्च एंड डेवलपमेंट और टेक्नोलॉजी के लिए एक कॉमन फैसिलिटी के रूप में ग्रीनफील्ड डिफेंस टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करना है। डिफेंस टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को समय पर पूरा कराने और प्रभावी संचालन सुनिश्चित कराने के लिए इस योजना के तहत यूपीडा को इंप्लीमेंटेशन अथॉरिटी के रूप में नामित किया गया है।



सोमवार से शुरू हो रहा है विधान सभा का सत्र, अध्यक्ष ने दिए कई निर्देश

- सत्र में कुल पांच बैठकें होनी है, जिसमें प्रश्न, वित्तीय कार्य, गैर सरकारी संकल्प सहित अन्य महत्वपूर्ण विधायी कार्य को पूरा किया जायेगा

केटी न्यूज/पटना

सोमवार 22 जुलाई से बिहार विधान सभा का सत्र शुरू हो रहा है। इसको लेकर विधान सभा के कॉफ्रेंस कक्ष में बिहार विधान सभा के अध्यक्ष नन्द किशोर यादव की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक हुई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह सत्र छोटा किन्तु महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस सत्र में कुल पांच बैठकें होनी है, जिसमें प्रश्न, वित्तीय कार्य, गैर सरकारी संकल्प सहित अन्य महत्वपूर्ण विधायी कार्य को पूरा किया जायेगा।

विधान सभा बिहार की करोड़ों जनता की आकांक्षाओं का है प्रतिबिंब: विधान सभा बिहार की करोड़ों जनता की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। इसलिए सदन में जितना सार्थक विमर्श होगा, विधायिका उतना ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा



सकेगी। विधान सभा अध्यक्ष नन्द किशोर यादव ने कहा कि प्रश्नों के उत्तर सत्रावधि में ही ससमय प्राप्त हों, इसके लिए कार्यपालिका को और भी अधिक मुस्तैद और संवेदनशील होकर अपनी जिम्मेवारियों का निर्वहन करना होगा। इसके लिए उन्होंने मुख्य सचिव को आवश्यक कदम उठाने का निर्देश भी दिए। बिहार विधान सभा अध्यक्ष नन्द किशोर यादव ने विभिन्न विभागों द्वारा प्रतिनियुक्त नोडल पदाधिकारियों को भी प्रोएक्टिव रहने का निदेश दिया है। उन्होंने विधान सभा विधान परिषद् में लगे सीसीटीवी कैमरों, सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था, चिकित्सा, सफाई, पार्किंग सहित अन्य सभी व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद कर लेने का निर्देश दिया है। इस बैठक में बिहार विधान परिषद् के कार्यकारी सभापति अवधेश नारायण सिंह, संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, बिहार विधान सभा उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव, सरकार के मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा, अपर पुलिस महानिदेशक जितेन्द्र सिंह गंगवार सहित कई विभागों के पदाधिकारी जैसे पटना के डीएम चंद्रशेखर सिंह, एसएसपी राजीव मिश्रा सहित राज कुमार, सचिव, संयुक्त सचिव, ख्याति सिंह एवं राजकुमार झा, सचिव, बिहार विधान परिषद् उपस्थित थे।

प्रेस सलाहकार समिति की बैठक हुई : प्रेस सलाहकार समिति की भी बैठक हुई। जिसमें आगामी सत्र के सफल-संचालन सहित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श हुए । इसके अलावा प्रेस सलाहकार समिति के गठन, कार्यो एवं प्रेस पास निर्गत करने संबंधी नियमावली बनाने हेतु पूर्व में गठित उप समिति के कार्यकाल को 31 दिसम्बर, 2024 तक विस्तारित किया गया। नन्द किशोर यादव ने प्रेस प्रतिनिधियों को जानकारी देते हुए बताया कि सभा सचिवालय की रद्दी वस्तुओं की नीलामी और निष्प्रयोजित वाहनों की नीलामी की जाएगी।

खगड़िया में महिला किसान से कट्टा दिखाकर मांगा तीन लाख रुपये

केटी न्यूज/खगड़िया

खगड़िया का मामला जिले के पौरा थाना स्थित फुलवरिया गांव का है। जहां एक दबंग खुलेआम देशी कट्टा लहराकर लोगों में भय का माहौल बनाते दिख रहा है। जिसका वीडियो बनाकर पीड़ित महिला किसान के द्वारा स्थानीय और महिला थाना में शिकायत की गई है। वीडियो में अवैध कट्टा के साथ दिख रहे अपराधी की पहचान पौरा थाना क्षेत्र अंतर्गत रबीबाड़ गांव निवासी किरमीची यादव के पुत्र उत्तम यादव के रूप में की गई है। मामले में पौरा थानाध्यक्ष ने कहा कि उनके पास आवेदन दिया गया है। जिसे थाना पहुंच देखकर कार्रवाई की जायेगी। इस संबंध में पीड़ित महिला किसान पौरा थाना क्षेत्र अंतर्गत फुलवरिया गांव निवासी मन्नेलाल सिंह की पत्नी रामवती देवी ने बताया कि वह अपने खेत में साफ सफाई कर रही थी। इसी दौरान आरोपी और तीन वहां पहुंच गए। जहां पर उनके साथ मारपीट की गई और अवैध कट्टा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी गई। इस संबंध में स्थानीय थाना और महिला थाना को आवेदन और वीडियो देते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

पटना के नौबतपुर थाना क्षेत्र में हुई घटना, मौके पर दलबल के साथ पहुंचे थानाध्यक्ष रजनीश कुमार

पटना में अपराधियों ने दो युवकों को गोलियों से भून डाला, एक की मौत

- अपराधियों ने दोनों युवकों को खदेड़कर मारी गोली
- घटना में दूसरे घायल युवक को चल रहा है एम्स में इलाज

केटी न्यूज/पटना



पटना में अपराधियों ने दो युवकों को गोलियों से दिनदहाड़े भून डाला। इस घटना में एक युवक की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि एक युवक बुरी तरह घायल हो गया, जिन्हें इलाज के लिए पटना एम्स भेजा गया है। बताया जा रहा है कि चिंकू कुमार और पप्पू कुमार कोरावां गांव में एक जगह से लौट रहे थे। इसी क्रम में एक मोटरसाइकिल पर दो अपराधी दोनों के नजदीक पहुंचे और कमर से पिस्तौल निकाल कर दनादन उन पर गोलियां बरसानी शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि अपराधियों से बचकर दोनों युवक भागने का प्रयास करने लगे। लेकिन अपराधियों ने दोनों को खदेड़कर गोलियों से भून डाला। बताया जा रहा है कि चिंकू कुमार की मौत घटनास्थल पर ही हो गए। जबकि पप्पू कुमार को एक गोली लगी और वह घायल हो गए। इस बीच मौके का फायदा उठाकर अपराधी हथियार लहराते हुए मोटरसाइकिल से फरार हो गए। ग्रामीणों ने इसकी सूचना नौबतपुर थाने को दी। सूचना मिलते ही नौबतपुर थाना प्रभारी रजनीश कुमार केसरी मौके पर पहुंचे। इस मामले को लेकर नौबतपुर थाना प्रभारी रजनीश कुमार केसरी ने बताया कि मौके से पुलिस ने सात गोली के खोखे बरामद किए हैं। घटना से नाराज लोगों ने सड़क जामकर जमकर प्रदर्शन किया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरा को खंगालने में जुट गई है।घटना के बाद नाराज लोगों ने नौबतपुर पटना मसौढ़ी सड़क को जाम कर जमकर हंगामा किया। हंगामा कर रहे लोग अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग कर रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही नौबतपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने बुझाने में जुट गई है। मृतक युवक की पहचान चिंकू कुमार 24 वर्ष है, जबकि दूसरा घायल युवक पप्पू कुमार 32 वर्ष बताया गया है।

कोसी नदी की उपधारा में नाव हादसा, आठ लोग समेत दो बाइक डूबी, एक की मौत



पटना। कोसी नदी की उपधारा में नाव हादसा हो गया। बताया जाता है कि नाव पर 8 लोग सहित दो बाइक सवार गोलमाघाट बाजार जा रहे थे, इस दौरान कोसी नदी की उपधारा नाव का संतुलन बिगड़ जाने से यह हादसा हो गया और नाव सवार लोग कुछ समझ पाते तब तक सभी लोग बाइक सहित डूब गए। इस हादसे के बाद नाव सवार सात लोग खुद से तैरकर नदी से बाहर निकल कर अपनी जान बचाने में सफल रहे, जबकि इस हादसे में गोलमा निवासी बिंदेश्वरी राय के 23 वर्षीय पुत्र राजा कुमार लापता हैं। लापता युवक राजा अबतक नहीं मिला है। स्थानीय गोताखोरों के द्वारा राजा की तलाश की जा रही है। इधर मौके पर कुशेश्वस्थान के बीडीओ अशोक कुमार जिज्ञासु ने बताया कि कोसी नदी की उपधारा में एक नाव हादसा हो गया है, जिसमें नाव पर सात लोग तैरकर बाहर निकल गए, लेकिन एक युवक लापता है, जिसकी तलाश की जा रही है।

एक घर में इतने सांप और अंडे निकले कि भौंचक रह गए लोग

केटी न्यूज/ पटना

सरैया प्रखंड के खैरा गांव के निवासी संजीत महतो अपने घर में बीते दो दिनों से सांपों की आवाजाही को देख रहे थे। उन्हें पता नहीं था कि उनके घर में सांपों ने बसेरा बना लिया है। दर्जनों की संख्या में सांप पल रहे और इसके बाद इसकी जानकारी स्थानीय लोगों को दी गई। स्थानीय ग्रामीण किशोर कुणाल घर पहुंचे तो देखकर हैरान हो गए। इसके बाद इस मामले की जानकारी आपदा प्रबंधन विभाग और वन विभाग को दी गई। वन विभाग की टीम ने इस दौरान 3 घंटे से अधिक रेस्क्यू कर 16 सांपों को तीन कमरे से निकाला। सभी ने अपना ठिकाना बना रखा था। इस दौरान घर में 32 अंडे सांपों के मिले जो जल्द ही बाहर आने वाले थे। इस दौरान में मौके पर मौजूद वन विभाग के डॉ राजीव रंजन ने बताया कि एक सूचना मिली थी कि खैरा गांव में एक ग्रामीण के घर को सांप ने ठिकाना बनाया हुआ था। जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची और घर की जांच पड़ताल की तो देखा की कई बिल बने हुए हैं। सभी में सांप है और इस दौरान तीन कमरे में 16 सांप मिले हैं।

उचित मूल्य 9800197310 उत्तम व्यवहार
गीता प्रेस
पुस्तक की दुकान
सभी प्रकार की धार्मिक पुस्तकों के एकमात्र विक्रेता
सहयोगी प्रतिष्ठान
डॉ. रामप्रवेश राय (मुन्ना राय)
: 6299941536
लक्ष्मी पैलेस मेन रोड, बक्सर (नहर के पास)

बिहार बनने जा रहा टेक्सटाइल हब, गारमेंट क्षेत्र में लोगों को मिलेगा बंपर रोजगार : गिरिराज

- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए शासित बिहार में इन्वेस्टर मीट चल रहा है
- बोले मंत्री- बिहार एक टेक्सटाइल हब बनने की ओर अग्रसर

केटी न्यूज/आरा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए शासित बिहार में इन्वेस्टर मीट चल रहा है। इसको लेकर केंद्रीय मंत्री ने कहा बिहार टेक्सटाइल हब बनने जा रहा है। इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह इन्वेस्ट समिट में हिस्सा लेने पटना पहुंचे थे। इस दौरान राज्य में चल रहे इन्वेस्टर मीट को लेकर कहा, बिहार सरकार के इंडस्ट्री डिपार्टमेंट मंत्री नीतीश मिश्रा और भारत सरकार के टेक्सटाइल डिपार्टमेंट मिलकर एक इन्वेस्टर मीट का आयोजन कर रहा है। इस क्षेत्र में अपार संभावना है और बिहार एक टेक्सटाइल हब बनने की ओर जा रहा है। उन्होंने बताया, टेक्सटाइल हब में गारमेंट सबसे ज्यादा रोजगार देता है। जब हम एक करोड़ इन्वेस्ट करते हैं, तो 60-70 लोगों को रोजगार मिलता है। शुक्रवार को होटल ताज में सुबह 10 बजे इसको लेकर कार्यक्रम होगा।



इसमें देश के सभी इन्वेस्टर आएंगे। भारत सरकार के सचिव व एडिशनल सेक्रेटरी टेक्सटाइल भी इसमें शामिल होंगे और हम भी उसी में भाग लेने के लिए पहुंचे हैं। केंद्रीय मंत्री ने राजद द्वारा राज्य में अपराध को लेकर प्रतिरोध मार्च निकाले जाने पर कहा कि तेजस्वी जी जंगल राज की परिभाषा पिताजी से पूछ लें तो तो ज्यादा अच्छा होता, जब लोग शाम सात बजे से ही घर में चले जाते थे। जरा लालू जी से पूछ ले कि जंगल राज की परिभाषा क्या होती है। आज उस परिभाषा में बदलाव आ गया है। जो भी को दिख रहा है।

2098 कोडीन युक्त कफ सिरप के साथ कई आरोपी गिरफ्तार

पटना। सोनबरसा कचहरी ओपी, जलई ओपी और बनमा इटहरी पुलिस ने भारी मात्रा में कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद कर कई कारोबारी को हिरासत में लिया है। गुरुवार को जलई ओपी पुलिस ने 1300 बोतल कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किया है। ओपी प्रभारी ज्ञानरंजन ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि क्षेत्र अंतर्गत एक सफेद रंग की बोलेरो गाड़ी से तीन युवक भेलाही से सतौर की तरफ आ रहे हैं। जिनके पास भारी मात्रा में प्रतिबंधित कोडिन युक्त कफ सिरप है। प्राप्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु क्षेत्र अंतर्गत भेलाही हटिया के पास पहुंचे तथा बोलेरो गाड़ी का आने का इंतजार करने लगे। तभी देखा कि एक सफेद रंग की बोलेरो गाड़ी भेलाही हटिया की तरफ से आ रही है। गाड़ी के चालक कुछ दूर पहले ही गाड़ी रोक दिया जिसके कारण सवार सभी व्यक्ति भागने लगे।

S2 Mall
SCPL
RERA REG NO. - BRERAP00017-4/200/R-111/2018
APPROVED RERA PROJECT
ESCALATOR FOOD COURT SHOPPING
FINE DINE RESTAURANT KIDS ZONE MULTIPLEX
SHANTI CREATION PVT. LTD.
For Booking Contact : 9431019808, 9693777038
Reg H.O. : G-1, Vidya Vatika Apartment, East Boring Canal Road, Gorakh Nath Lane, Patna - 800001
E-Mail : shanticreationpvtltd@gmail.com | Web : www.scplpatna.in

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे विभाग ने एक दर्जन से अधिक चलाया स्पेशल ट्रेन

श्रावणी मेला पर पटना, पश्चिम बंगाल व उत्तर प्रदेश से आना हुआ आसान, कई ट्रेनों के मार्ग भी बदले

- जसीडीह स्टेशन पर कुछ ट्रेनों को छोड़कर अन्य सभी ट्रेनों का न्यूनतम ठहराव बढ़ाकर 05 मिनट किया गया

केटी न्यूज/पटना



श्रावणी मेला के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे ने पटना-आसनसोल, सियालदह-बनारस एवं गोरखपुर-देवघर के मध्य श्रावणी मेला स्पेशल का परिचालन शुरू कर रही है। साथ ही मेला अवधि के दौरान जसीडीह स्टेशन पर कुछ ट्रेनों को छोड़कर अन्य सभी ट्रेनों का न्यूनतम ठहराव बढ़ाकर 05 मिनट किया गया है। सुलतानगंज स्टेशन पर 01 जोड़ी ट्रेन का 02 मिनट का ठहराव किया जा रहा है। आसनसोल-पटना-आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन यह स्पेशल पटना और आसनसोल के बीच 22.07.2024 से 20.08.2024 तक सप्ताह में दो दिन परिचालित की जायेगी। आसनसोल-पटना श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन (03511) 22 जुलाई से 19 अगस्त तक सप्ताह में दो दिन - सोमवार और बुधवार को आसनसोल से 16.50 बजे खुलकर 18.34 बजे जसीडीह सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 23.55 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में पटना-आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल (03512) बनकर 23 जुलाई से 20 अगस्त तक सप्ताह में दो दिन यथा मंगलवार एवं गुरुवार को पटना से 01.15 बजे खुलकर 06.20 बजे जसीडीह रूकते हुए 08.30 बजे आसनसोल पहुंचेगी। इस गाड़ी में सामान्य श्रेणी के 08, द्वितीय श्रेणी चेयर कार के 04 कोच होंगे। अप एवं डाउन दिशा में यह स्पेशल चितरंजन, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, जमुई, किउल, लखीसराय, मनकट्ठा, बड़हिया, हाथीदह, मोकामा, बाढ़, बख्तियारपुर, खुसरूपुर, फतुहा, पटना साहिब राजेन्द्रनगर स्टेशनों पर रूकेगी। यह ट्रेन सप्ताह में दो दिन चलेगी। यह स्पेशल ट्रेन पटना और आसनसोल के बीच 23 जुलाई से 18 अगस्त तक सप्ताह में तीन दिन चलेगी। आसनसोल-पटना श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन (03549) 23 जुलाई से 17 अगस्त तक सप्ताह में तीन दिन यानी मंगलवार, गुरूवार और शनिवार को आसनसोल से 16.50 बजे खुलकर 18.34 बजे जसीडीह सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 23.55 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन पटना-आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल (03550) बनकर 24 जुलाई से 18 अगस्त तक सप्ताह में तीन दिन यानी बुधवार, शुक्रवार एवं रविवार को पटना से 01.15 बजे खुलकर 06.20 बजे जसीडीह रूकेगी।

राजपुर में दिनदहाड़े युवक को मारी गोली, हालत गंभीर; हिरासत में लिए गए छह

केटी न्यूज/बक्सर

- सिसराढ़ पुल के पास आधा दर्जन लोगों ने पूर्व के विवाद में युवक पर की फायरिंग



राजपुर थाना क्षेत्र के हेठुवा स्थित सिसराढ़ पुल के पास दिनदहाड़े दो बाइक पर सवार आधा दर्जन लोग पहुंचे व युवक को निशाना बना ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस गोलीबारी की घटना 32 वर्षीय युवक बुरी तरह घायल हो गया। इधर, फायरिंग करने के बाद गोलीबारी करने वाले फरार हो गए। इधर, गोली की आवाज सुन खेत मे काम कर रहे किसान भागने लगे। वही उसके परिजन पहुंच घायल युवक को उठा इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गए। जहा स्थिति चिंताजनक होने पर उसे वाराणसी रेफर कर दिया गया। वही सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची तथा मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों की मानें तो इस मामले में आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया गया है। जबकि एक घर से तीन रायफल, एक बंदूक, देशी कट्टा, पिस्टल तथा कारतूस भी पुलिस के हाथ लगे है।

मिली जानकारी के अनुसार बहुआरा गांव निवासी शिवशंकर सिंह के 32 वर्षीय पुत्र शिवम सिंह एवं परिवार के अन्य सदस्य खेत की सिंचाई के लिए ट्रांसफार्मर से बोरिंग तक तार बिछाने का काम कर रहे थे। सभी लोग अपने काम में व्यस्त थे तभी लगभग 12.00 बजे दिन में दो बाइक पर सवार लगभग आधा दर्जन लोग सिसराढ़ पुल के पास पहुंचे व शिवम को निशाना बना ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगे। इस घटना में शिवम को छाती, बांह एवं कंधे पर तीन जगह गोली लग गयी। जिससे वह बुरी तरह से घायल होकर गिर पड़ा। गोली की आवाज सुन खेत पर काम कर रहे लोगों के बीच अफरा तफरी का माहौल हो गया। कुछ लोग काम छोड़कर अपने घर की ओर भागने लगे। वही, शिवम के साथ घर के अन्य सदस्य व अन्य लोग वहां पहुंचे, जहा से उसे उठा इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां चिंताजनक हालात होने से बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया गया है।

इस घटना की जानकारी मिलते ही राजपुर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। और जांच शुरू कर दी। वही, जख्मी युवक के परिजनों से घटना के संबंध जानकारी ली, और गोली मारने वालों के धर-पकड़ के अभियान शुरू कर दिया। इसकी जानकारी पर एसडीपीओ धीरज कुमार भी पहुंच जांच पड़ताल शुरू की। पुलिस ने घटना में शामिल आधा दर्जन लोगों को पकड़ हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दिया है।

बताया जाता है कि इससे पहले भी इस गांव में लाल मोहर सिंह एवं शिव शंकर सिंह के परिजनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। जिसमें जमकर लाठी डंडे चला था। इस मामले में पहले प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। तब तक इस घटना ने एक बार फिर लोगों के बीच काफी चर्चा का विषय बना दिया है।

थाना अध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि इनलोगों के बीच नाली को लेकर पुराना विवाद चल रहा है। सात लोगों को हिरासत में लिया गया है। पकड़े गए लोगों के पास से राइफल का बैरल एवं बॉडी बरामद की गई है। अभी भी इनसे पूछताछ की जारी है। जिनके आधार पर कई जगहों पर छापेमारी की जाएगी।

एक नजर

स्कूल टाइम में बाहर घुमते पाए गए बच्चें तो पोषक क्षेत्र के शिक्षकों पर होगी कार्रवाई: निदेशक



डुमरांव। निदेशक प्राथमिक शिक्षा सह मध्याह्न भोजना योजना मिथलेश मिश्र ने गुरूवार को 6 विद्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में काफी खामियां पायी गई। बच्चे भी स्कूल में नामांकन से कम पाए गए। इस पर हेडमास्टरों को निदेशक ने टॉस्क दिया कि बच्चे क्यों नहीं स्कूल आ रहे हैं, उनके अभिभावक से मिल उनसे जानकारी लेते हुए उचित सलाह दिया जाए। उन्होंने कहा कि यदि निरीक्षण के दौरान किसी गांव में बच्चें स्कूल टाइम में बाहर खेलते पाए गए तो पोषक क्षेत्र या संबंधित स्कूल के शिक्षकों पर कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार निदेशक सबसे पहले कन्या मध्य विद्यालय एकौनी पहुंचे। पहुंचने के बाद उन्होंने बच्चियों के गृहकार्य कॉपी की जांच कर गृहकार्य की समीक्षा की। फिर उन्होंने विद्यालय के सभी कमरों का निरीक्षण किया गया। बच्चे अधिक और कमरा कम पाया गया। इसपर उन्होंने हेडमास्टर को आदेशित किया कि प्री फैब के माध्यम से अतिरिक्त कमरा का निर्माण कराए। निदेशक वहां से निकल प्राथमिक विद्यालय कुदरिया, प्राथमिक विद्यालय खैरहीं, प्राथमिक विद्यालय मुंगासी का निरीक्षण किये, जहां चहारदिवारी में कमी पायी गई। फिर उन्होंने हेडमास्टरों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए रिपोर्ट करने को कहा गया। मध्य विद्यालय पीड़िया में बचचों की कमी देख नामांकित बच्चों के अभिभावकों से मिल उनसे बच्चों को स्कूल भेजने के लिए उत्प्रेरित किया गया। फिर उन्होंने संबंधित स्कूल के हेडमास्टर और शिक्षकों से कहा कि सभी अपने पोषक क्षेत्र में घुम कर वैसे बच्चों को पता लगाए जो स्कूल नहीं आते हैं या जिनाका नामांकन नहीं हुआ है। पता चलने के बाद उनके अभिभावक से मिल उन्हें स्कूल भेजने के लिए उत्प्रेरित किया जाए, जिसस कोई भी बच्चा अनामित नहीं पाया जाए। फिर उन्होंने कनीय अभियंता से संपर्क कर चाहरदीवारी निर्माण करने और करने और टूटे-फूटे कमरों को मरम्मत करने के लिए आदेशित किया। इसके लिए बराबर स्कूलों का भ्रमण करते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य कराने के लिए आदेशित किया।

रेहियां में 6 एकड़ में बनेगा कूड़ा डम्पिंग याड



डुमरांव। नगर क चारोतरफ नहर का कटिंग हो, सूखी नहर हो, काव नदी का तट हो, नगर की संपर्क सड़कें हैं, हर जगहों पर शहर के कूड़े को फेक डम्फ कर दिया गया है। कूड़ा गिराये जाने से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को आने में परेशानी होने लगी है। इतना ही नहीं आवागन भी बाधित होने लगा है। इस कूड़े के अंबार को समाप्त करने के लिए विगत पांच सालों से जमीन की तलाश शुरू है। इसी तलाश में पूर्व एसडीओ पंकज कुमार ने रेहियां में 6 एकड़ जमीन की तलाश की थी। फिर उनका स्थानांतरण होने से मामला जहां था, वही रूक गया था। फिर चेयरमेन सुनीता गुप्ता की पहल पर नये एसडीओ और नये कार्यपालक ने इस दिशा में पहल शुरू किया है। गुरूवार को नप के टीम के साथ ईओ मनीष कुमार ने रेहियां के चिन्हित 6 एकड़ जमीन का निरीक्षण किया। अपने निरीक्षण में उन्होंने साइट को देख कूड़ा डम्फ करने के लिए उचित स्थान पाया। बता दें की कूड़े से खाद बनाने और अन्य उपयोगी समान बनाने की दिशा में भी नप पहल करेगी। लिहाजा ग्रामीण तबके के लोगों को यह बताया जा रहा है कि डम्पिंग यार्ड बनने से घबड़ाना नहीं है, आपको रोजगार और उपयोगी समान भी मिलेगा। ग्रामीणों में इस बात की जानकारी होने से अब कोई हस्तक्षेप नहीं कर रहा है।

बक्सर में हड़ताली संविदाकर्मियों ने किया प्रदर्शन

बक्सर। बिहार संविदा एएनएम संघर्ष मोर्चा गोप गुट जिला शाखा बक्सर के बैनर तले राज्य संघ के निर्णय अनुसार गुरूवार को हड़ताली संविदा कर्मियों ने बक्सर सिविल सर्जन डॉ. सुरेश चंद्र सिन्हा के समक्ष रोषपूर्ण प्रदर्शन किया। साथ ही, हड़ताली कर्मियों ने कार्यपालक निदेशक राज्य स्वास्थ्य समिति बिहार पटना को संबोधित एक मांग पत्र भी सिविल सर्जन को सौंपा। ज्ञात हो कि फेस अटेंडेंस वापस लेने, समान काम का समान वेतन देने, संविदा पर बहाल एएनएम की सेवा स्थाई करने सहित अन्य मांगों की पूर्ति के लिए बिहार संविदा एएनएम संघर्ष मोर्चा 8 जुलाई से अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार (हड़ताल) पर चल रहा है। इस अवसर पर जिले भर की तमाम संविदा एएनएम व एनएचएम कर्मियों ने स्थानीय सदर अस्पताल में एक जुलूस निकाला तथा अपनी मांगों के समर्थन में जमकर सरकार विरोधी नारे भी लगाए। सदर अस्पताल में प्रदर्शन के दौरान संविदाकर्मी काफी आक्रोशित थी तथा मांग पत्र प्राप्त लेने में देरी करने पर सिविल सर्जन मुदार्बाद, सिविल सर्जन होश में आओ, सिविल सर्जन हाय हाय का नारा भी बुलंद की। बाद में सिविल सर्जन के बुलाने पर एक शिष्टमंडल उनसे मिला। जिसमें महासंघ गोप गुट के जिलाध्यक्ष लव कुश सिंह, जिला सचिव महेंद्र प्रसाद, जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश कुमार, बिहार संविदा एएनएम संघर्ष मोर्चा की जिलाध्यक्ष ममता कुमारी, जिला सचिव सरिता कुमारी आदि शामिल थे।



खबरें फटाफट

प्रखंड परिसर से बाइक की चोरी

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र में बाइक चोरी की घटनाएं तेजी से बढ़ने लगी हैं। चोर घटना को अंजाम देकर आसानी से भाग निकलते हैं। चोरी की इन घटनाओं ने पुलिस की परेशानियां बढ़ा दी हैं। गुरुवार को बाइक चोरी की एक घटना फिर सामने आयी हैं। जहां चोरो ने प्रखंड परिसर में खड़ी एक बाइक की चोरी कर ली। पीड़ित कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के रेहियां गांव निवासी शिवलाल साह के पुत्र सोहन कुमार बताया जाता हैं। पीड़ित ने पुलिस को दिए गये आवेदन में बताया है कि वह अपनी अपाची बाइक लेकर काम के सिलसिले में प्रखंड कार्यालय आया था। उस्सने बाइक बाहर खड़ा किया था। जब बाहर निकला तो बाइक नदारद थी। पीड़ित ने काफी खोजबीन की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। स्थानीय थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने बताया कि पुलिस ने मामल दर्ज कर पड़ताल शुरू कर दी हैं।

अनियमित बिजली आपूर्ति के कारण लोग परेशान

केसठ। प्रखंड समेत ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की अनियमितता से किसान समेत उपभोक्ता परेशान हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली विभाग के अधिकारियों के उदासीन व लापरवाही के कारण विगत कई दिनों से बिजली की आंखमिचौली जारी है। जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है। उपभोक्ताओं का कहना है कि बिजली बिल जमा करने में देर हो जाती है, तो विभाग के कर्मचारी बिजली का कनेक्शन काट देने की धमकी देते हैं। सबसे अधिक परेशानी किसानों एवं पढ़ने वाले बच्चों को हो रही है। बच्चों की पढ़ाई के समय ही शाम को बिजली गायब हो जाती है। थोड़ा सा भी हवा पानी शुरू होते ही बिजली घंटे गायब हो जाती है। वहीं अनियमित बिजली से किसान परेशान है। किसानों का कहना है कि एक ओर मानसून दगा दे रहा है। वहीं, दूसरी ओर बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण धान की बुआई के लिए खेतों को पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है। मामले में केसठ के ग्रामीण मनोज यादव, टिंकू दूबे आदि ने कहा कि यदि बिजली आपूर्ति में सुधार नहीं किया गया तो किसान व ग्रामीण सड़क पर उतर धरना प्रदर्शन करेंगे।

जिलाधिकारी की मौजूदगी में कोरानसराय बाजार में खुला ग्रामीण हाट बाजार

क्षेत्र के किसानों व दुकानदारों के लिए वरदान साबित होगा का हाट: डीएम

- मुखिया व बीडीसी ने किया 100 दुकानों वाले हाट का उद्घाटन
- नडेप में किया जाएगा सड़े गले फल व सब्जी का निस्तारण, समिति करेगी ग्रामीण हाट की देखभाल, बढ़ेगा राजस्व

केटी न्यूज/बक्सर



कोरानसराय का ग्रामीण हाट आस पास के ग्रामीणों, किसानों तथा दुकानदारों के लिए वरदान साबित होगा। अब दुकानदारों को सड़क किनारे दुकान सजाने तथा मौसम की मार झेलने की नौबत नहीं आएगी। उक्त बातें बक्सर डीएम अंशुल अग्रवाल ने गुरूवार को कोरानसराय में ग्रामीण हाट बाजार के उद्घाटन के मौके पर कही। इसके पहले पंचायत की मुखिया कांति देवी व स्थानीय बीडीसी सरोज कुमार गोंड ने संयुक्त रूप से मनरेगा योजना से निर्मित इस ग्रामीण हाट का निर्माण किया। इस ग्रामीण हाट में पांच व छह फीट चौड़ाई तथा आठ फीट गहराई वाले 100 दुकानों का निर्माण किया गया है। जिसमें 20 दुकानें जीविका समूह से जुड़ी महिलाओं के लिए आरक्षित की गई है। शेष दुकानों का आवंटन कोरानसराय तथा आस पास के विक्रेताओं को नियमानुसार किया जाएगा। ग्रामीण हाट में दुकानदारों को पेयजल, शौचालय जैसी मुलभूत सुविधाओं के साथ ही नडेप का निर्माण भी किया गया है। नडेप में सडे. गले सब्जी एवं फल का निस्तारण किया जायेगा। जिससे कम्पोस्ट तैयार किया जायेगा। इससे भी रोजगार का सृजन होगा।

पंचायत के सामाजिक व आर्थिक विकास में सहायक होगा हाट : ग्रामीण हाट के निर्माण से आस-पास के पांच ग्राम पंचायतों के स्थानीय 100 दुकानदार तथा कृषक लाभान्वित होंगे। वहीं 2000 से अधिक ग्रामीण जनता इस हाट में क्रय विक्रय कर लाभ उठाएगी। यह योजना ग्रामीणों के आजीविका संबर्द्धन के लिये अत्यंत ही उपयोगी है। आने वाले समय से ग्राम पंचायत का सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास में इस ग्रामीण हाट का बड़ा योगदान होगा। इस ग्रामीण हाट से ग्राम पंचायत को राजस्व की भी प्राप्ति होगी।

सड़क किनारे दुकान सजाने से बना रहता था खतरा : जिला पदाधिकारी ने बताया कि कोरान सराय में सड़क किनारे एवं खाली मैदान में अव्यवस्थित तरीके से विक्रेता दैनिक बाजार लगाकर सामानों की बिक्री करते है। सड़क के किनारे फुटकर विक्रेता के द्वारा दुकान लगाने से यातायात भी प्रभावित होता है तथा हर समय दुर्घटना बना रहता था। इस बाजार में प्रतिदिन सामानों की बिक्री की जाती है, परंतु चतुबरा एवं शेड नहीं रहने के कारण बरसात के दिनों एवं धूप में स्थानीय क्रेताओं एवं बिक्रेताओं को काफी परेशानी का सामना करना पडता है। ग्रामीण हाट के रखरखाव के लिए समिति का गठन किया गया है जो ग्रामीण हाट का देखभाल करेगी। डीएम ने कहा कि हाट का निर्माण होने से दुकानदारों के साथ ही आस पास के ग्रामीणों को भी इसका बड़ा लाभ मिलेगा। बता दें कि कोरानसराय बाजार डुमरांव, चौगाईं व नावानगर प्रखंड के सीमा पर स्थित है तथा तीनों प्रखंडों के करीब एक दर्जन से अधिक गांवों के लोग यही नियमित बाजार करने आते है। उदघाटन समारोह में उप विकास आयुक्त डॉ. महेन्द्र पाल, डुमरांव एसडीओ राकेश कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी संदीप कुमार पांडेय, कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा, स्थानीय लाभुक एवं अन्य उपस्थित थे।

कार्यालय में अनुपस्थित रहने पर डीएम ने काटा वेतन

चौगाई। डीएम अंशुल अग्रवाल ने चौगाई प्रखंड व अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी उपस्थित नहीं थे एवं अंचल अधिकारी विलंब से उपस्थित हुए। बगैर किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने के संबंध में स्पष्टीकरण समर्पित करने का निर्देश दिया गया। उपस्थिति पंजी में डीएम ने देखा कि दीपक पाण्डेय व मुक्ति नारायण पाठक ने उपस्थिति दर्ज नहीं किया गया है एवं कार्यालय से बगैर किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित है। इस संबंध में संबंधित कर्मी का एक दिन का वेतन कटौती करते हुए शो-कॉज की मांग की।

तिरंगा लाइट से जगमग होगा शहर, 90 स्थलों का हुआ चयन

- तिरंगा लाइट के अलावा डुमरांव के वार्डों में लगेगा साइनेज बोर्ड

केटी न्यूज/डुमरांव



नगर के सौंदर्यीकरण के लिए नगर परिषद ने अभियान चला रखा है। इस अभियान में तिरंगा लाइट से लेकर तोरण द्वार तक बनाए जाएंगे। इतना ही नहीं हर वार्ड में साइनेज बोर्ड भी लगाया जाएगा। इसकी सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। इसकी जानकारी चेयरमैन सुनीता गुप्ता व ईओ मनीष कुमार ने देते हुए बताया कि शहर की खुबसूरती बढ़ाने के लिए शहर के रोड के मोड़ पर जितने गोलम्बर और पार्क हैं सभी जगह साइनेज बोर्ड लगया जाएगा।

पहले फेज में 10 स्थलों का चयन किया गया है। नगर के 90 स्थानों पर तिरंगा लाइट लगाया जाएगा। शहर के पार्क को खुबसूरत बनाने के लिए भी काम किया जएगा। विभिन्न प्रकार के फूलों और पौधे को लगाकर उसकी खुबसूरती बढ़ायी जाएगी। पहले फेज में शहर के सात स्थानों पर तोरणद्वार बनाया जाएगा। वहीं 10 स्थानों पर साइनेज बोर्ड लगाया जाएगाए जिसके स्थल का चयन नप कर चुका है। हालांकि इनका कहना है कि ऐसा कार्य हर वार्ड में करना है। उन्होंने बताया की शहर के रोड और गलियों को टेंडर के माध्यम से बनया जा रहा है। इस दिशा में कार्य शुरू कर दिया गया है। नगर के छठिया पोखरा और काली मंदिर का जोड़ने वाली सड़क के जीर्णोद्धार करने का काम शुरू कर दिया गया है। शहर में तिरंगा लाइटए लगनेए मोड़ों व वार्डों में साइनेज बोर्ड लगनेए तोरणद्वार बननेए रोड का निर्माण शुरू होने से नगरवासियों में काफी खुशी है।

डुमरांव अंचल में अवधि समाप्त होने के बाद भी नहीं हो रहा दाखिल खारिज वाद का निष्पादन

- अंचल कार्यालय में आपत्ती लेकर लटकाए जा रहे हैं दाखिल खारिज वाद के मामले

केटी न्यूज/डुमरांव



कभी अपने बेहतर कार्य के बदौलत राज्य सरकार के रैंकिंग में टॉप टेन में स्थान पाकर पांचवां स्थान लाने वाला डुमरांव अंचल से पब्लिक की शिकायत बढ़ी है। राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक काम के निष्पादन के लिए अवधि निर्धारित की गई है। ताकि आवेदक को अपने काम के लिए परेशानी न हो और बार-बार कार्यालय का चक्कर न लगाना पड़े। लेकिन डुमरांव अंचल कार्यालय पर राज्य सरकार के निर्देश का कोई असर नहीं पड़ रहा है।

सबसे खराब स्थिति दाखिल खारिज मामले की है। सरकार द्वारा 15 दिनों के निर्धारित अवधि में दाखिल खारिज के मामले का निष्पादन का निर्देश दिया है। अगर किसी दाखिल खारिज पर आपत्ति आती है तो ऐसे मामले को दोनों पक्षों को नोटिस कर सुनवाई के बाद 63 दिनों में निष्पादित करने का निर्देश दिया गया है। बावजूद डुमरांव अंचल कार्यालय सरकार के निर्देश को ताक पर रख काम कर रहा है। दाखिल खारिज वाद संख्या 6271, 6272, 6273, 6275 तथा 6276 पिछले वित्तीय वर्ष 2023 - 24 का मामला है। इस पर दूसरे पक्ष द्वारा आपत्ति डाली गई है। कार्यालय के अनुसार आपत्ति की सुनवाई कर ली गई है। सुनवाई के बावजूद दाखिल खारिज के इन मामले का निष्पादन अभी तक नहीं हुआ है। कार्यालय के अनुसार ऐसे दर्जनों वाद पेंडिंग में पड़े हैं जिनका निर्धारित तिथि खत्म हो गया है। कार्यालय सूत्रों का कहना है कि सेटिंग का कार्य पूरा नहीं होने के चलते दाखिल खारिज ऐसे कई मामले लटका कर रखे गए हैं। यही हाल परिमार्जन, जमीन की मापी कराने व अन्य मामलों की है। निर्धारित समय पर काम नहीं होने के चलते अंचल कार्यालय में दौड़ लगाने वालों की सूची लंबी हो गई है। हालांकि राज्य सरकार द्वारा हाल के महीने में अंचल कार्यालय की काम के आधार पर रैंकिंग जारी नहीं किया गया है। वैसे तय है कि राज्य सरकार की रैंकिंग में डुमरांव अंचल टॉप 10 के उपलब्धि वाले दायरे से बाहर जा चुका है।

जिलाधिकारी ने दलसागर में तालाब के किनारे 600 पौधरोपण की कराई शुरूआत, कहा-

पौधरोपण का लक्ष्य हर हाल में हो पूरा, पौधों का रखें ख्याल

- जल जीवन हरियाली योजना के तहत करया जा रहा है पौधरोपण

केटी न्यूज/बक्सर



गुरूवार को जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल के द्वारा बक्सर प्रखंड के ग्राम पंचायत दलसागर स्थित तालाब पर पौधरोपण किया गया। यह पौधरोपण जल जीवन हरियाली अभियान के तहत किया गया है। डीएम के नेतृत्व में इस जगह पर 600 पौधों का रोपण किया जा रहा है। इस मौके पर अपने संबोधन में डीएम ने कहा कि पौधे की सुरक्षा के लिए चारों तरफ कटीले तार से घेराबंदी की जायेगी। पौधों के सतत देखभाल एवं सुरक्षा के लिए छह वनपोषक को रखा जाएगा। जो पांच वर्षों तक लगातार पौधों की देखभाल करेंगे। मनरेगा योजना के तहत उन्हें प्रतिमाह आठ दिवसों का मजदूरी 1960 रुपए देय होगा।

इस बार 3 लाख 1400 पौधरोपण का रखा गया है लक्ष्य : मिली जानकारी के अनुसार बक्सर जिलें में मनरेगा योजना के अंतर्गत वितीय वर्ष 2024-25 में कुल 3 लाख 1400 पौधरोपण किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसमें प्रति पंचायत 2400 पौधा रोपित किये जायेंगे। बक्सर प्रखंड में 3200 पौधा मनरेगा से रोपित किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पौधे निजी भूमि पर, ग्रामीण सड़को के किनारे, जल संचयनों के किनारे एवं अन्य सरकारी भूमि पर रोपित किये जा रहे है। इसी क्रम में बक्सर प्रखंड के दलसागर स्थित तालाब पर जिला पदाधिकारी की उपस्थिति में 600 पौधे रोपित किये जाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस दौरान ग्रामीणों को जानकारी दी गई कि ग्राम पंचायतों में यदि कोई लाभुक जिनके पास अपना जमीन हो, पौधरोपण के लिए ग्राम पंचायत के मुखिया, रोजगार सेवक एवं कार्यक्रम पदाधिकारी से कार्यअवधि में सम्पर्क कर सकते है। हरित क्रांति समूह अंतर्गत निजी भूमि पर पौधरोपण के लिए कम से कम 10 कट्ठा भूमि की आवश्यकता होती है। जिनके पास कम से कम 10 कट्ठा का भूभाग है, वे अपनी निजी जमीन पर इस योजना के तहत पौधरोपण करवा सकते है। पौधरोपण के दौरान कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त डॉ.महेन्द्र पाल, बक्सर एसडीओ धीरेन्द्र कुमार मिश्र व जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित उपस्थित थे।

सैनिकों का दर्द सैनिक समझा है: विद्या सागर

केटी न्यूज/बक्सर



बिहार राज्य इंडियन एक्स सर्विसमैन मूवमेंट, बक्सर द्वारा जिलाध्यक्ष सूबेदार हरेंद्र तिवारी की अध्यक्षता में एक बैठक की गई। जिसमें सैकड़ों पूर्व सैनिक उपस्थित थे। इस बैठक में शरहद पर हर रोज हो रहे शहीदों के शहादत के बदले की मांग की गई। सर्व प्रथम सैनिकों ने शहीद स्मारक पर माल्यार्पण के बाद शहीदों के सम्मान में दो मिनट का मौन धारण किए और मीडिया के समक्ष अपने आक्रोश को जाहिर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शहीदों के बलिदान का बदला शीघ्र लेने की मांग की।

जिलाध्यक्ष सूबेदार हरेंद्र तिवारी ने प्रधान मंत्री से गुहार लगाई कि शहीदों के शहादत का बदला जल्द लिया जाय। जिला उपाध्यक्ष सूबेदार विद्या सागर चौबे ने कहा कि सैनिकों के दर्द को सैनिक ही समझते हैं। हर रोज हमारे सैनिक शहीद होते जा रहे हैं और शहीद परिवार में मातम ही मातम छाया हुआ है। उनके दर्द भरे आंसुओं को भारतीय सेना और देश के पूर्व सैनिक बर्दास्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि विश्व में भारत का परचम लहराने वाले प्रधानमंत्री आपने बोला था कि अब पाकिस्तान कोई भी कायराना हमला करता है तो हम उनके घरों में घुस कर मारेंगे। बैठक में पूर्व सैनिकों ने भारत माता की जय, वंदे मातरम, वीर शहीद अमर रहे, वीर शहीदों का बलिदान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान, भारतीय सेना जिंदाबाद, पाकिस्तान मुदार्बाद, शहीदों का बदला जल्द लिया जाय के गगनभेदी नारे भी लगाए। मौके पर उपाध्यक्ष सूबेदार मेजर जेपी सिंह, उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट आरबी ओझा, कोषाध्यक्ष सूबेदार मेजर आरबी सिंह, उप सभापति सूबेदार मेजर द्वारिका पांडेय, उप कोषाध्यक्ष पेटी ऑफिसर सुरेंद्र सिंह एवं सैकड़ो पूर्व सैनिक उपस्थित थे।

एक्सीस बैंक से दिनदहाड़े 17 लाख की लूट करने वाला माटस्र माइंड गिरफ्तार

केटी न्यूज/आरा

♦ अंतरराज्यीय गैंग का लुटरा बिहार एसटीएफ के मदद से गिरफ्तार



भोजपुर पुलिस ने नवादा थाना क्षेत्र के पकड़ी सर्किट हाउस रोड स्थित एक्सिस बैंक से दिनदहाड़े करीब 17 लाख रुपए की डकैती किए जाने के मामले में अंतरराज्यीय गैंग से जुड़े एक लुटेरे को बिहार एसटीएफ के मदद से गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया लुटेरा वैशाली जिला के महुआ थाना क्षेत्र के परमानंदपुर गांव निवासी धनोज साह का पुत्र सूरज कुमार है। पकड़ा गया सूरज पूछताछ के दौरान सूरज सिर्फ एक्सिस बैंक लूटकांड में अपनी संलिप्ता स्वीकार की है बल्कि 28 फरवरी को हुए दिनदहाड़े समस्तीपुर जिले के मोहनपुर इलाके में रिलायंस ज्वेलरी से करीब आठ करोड़ रुपए लागत की लगभग 10 किलों सोना-हीरा लूटकांड में शामिल था।

पकड़ा गया आरोपित सूरज जेएसएस गैंग का मुख्य सदस्य है। जिसका संचालन गैंग का शातिर लुटेरा कर्मवीर करता है। लूट की घटना को अंजाम देने से पहले गैंग के सदस्य अपने खुफिया ठिकाना पर षड्यंत्र रचते है। इसके बाद घटना को अंजाम देने के लिए अन्य जिलों के लड़कों को अपने टीम में शामिल करते हैं। लूट कांड में सभी की भागीदारी पहले से तय रहती है। इसके बाद घटना को कारित करने से पहले गैंग के सदस्य रेकी करते हैं। उसके बाद दिनदहाड़े वारदात को आराम से अंजाम देने के बाद फरार हो जाते हैं।

एक अपराधी की भोजपुर में आने की मिली थी सूचना : पुलिस अधीक्षक प्रमोद को ने बताया कि एक्सिस बैंक लूट कांड में शामिल सभी अपराधी वैशाली छपरा, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर आदि जिलों के निवासी हैं। एक्सिस बैंक लूट कांड मामले में शामिल एक अपराधी की भोजपुर में आने की सूचना मिली थी। इसके बाद अपराधी की गिरफ्तारी एवं लूटी गई पैसों की बरामदगी के लिए नवादा थानाध्यक्ष कमलजीत, बिहार सीटीएफ एवं डीआईयू टीम के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने बुधवार की रात करीब 10:30 बजे प्राइवेट बस स्टैंड के समीप घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने ने बताया कि पकड़ा गया अपराधी अपने किसी दोस्त से मिलने के लिए आरा आया हुआ था। किसी घटना को अंजाम देने के फिराक में रेकी करने आया था। हालांकि अपने दोस्त के बारे में अपराधी ने गलत जानकारी दी है, लेकिन उसे भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मास्टरमाइंड को दो से ढाई लाख रुपए मिले थे : एक्सिस बैंक से लूटे गए रुपयों में सूरज को करीब डेढ़ लाख रुपए मिले थे। जबकि मास्टरमाइंड को दो से ढाई लाख रुपए मिले थे। बता दे की बीते 6 दिसंबर 2023 को आरा शहर के एक्सिस बैंक में हथियारबंद अपराधियों ने सुबह 10:15 के आसपास बैंक कर्मियों को बंधक बनाकर 16 लाख 96 हजार 959 रुपए हथियार के बल पर लूट लिए थे। इसे लेकर ब्रांच के मैनेजर हजारीबाग जिला कॉलोनी नंबर 3 निवासी अशर काजी ने अज्ञात पांच अपराधियों के विरुद्ध प्राथमिक की कराई थी। भोजपुर पुलिस ने कांड में शामिल लुटेरा को फरवरी माह में वैशाली जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र के इमादपुर गांव का मूल निवासी सनी कुमार को सारण जिले के दरियापुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया था।

एक नजर

चक्की में चौपाल आयोजित कर परिवार नियोजन की दी गई जानकारी



चक्की। प्रखंड के जयपाल डेरा में गुरूवार को परिवार नियोजन पखवाड़ा के अंतर्गत परिवार नियोजन का चौपाल लगाया गय। जिसकी अध्यक्षता बीसीएम निभा कुमारी ने की। इस दौरान पीरामल फाउंडेशन के डीपीएचओ सिद्धार्थ गौतम गांधी, फेलो मोहम्मद रिजवान एवं बीसीएम निभा कुमारी, परिवार नियोजन परामर्शदाता संदीप कुमार, एएनएम उषा देवी आदि के द्वारा परिवार नियोजन के बारे में उपस्थित लोगों को विस्तार से जानकारी दी गई कि परिवार नियोजन क्या है एवं उसको अपनाने से हमें क्या-क्या फायदे होते हैं, उन सभी के बारे में विस्तार से बताया गया। पखवाड़ा कार्यक्रम में बताया गया कि परिवार नियोजन का मतलब परिवार की योजना बनाना है। यह एक प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत दंपति अपने परिवार के आकार और बच्चों के जन्म के समय के बारे में निर्णय लेते हैं। परिवार नियोजन के अंतर्गत कई विधियां और साधन आते हैं, जिनमें गर्भनिरोधक उपाय। इसमें गर्भावस्था की योजना, बच्चों के बीच अंतराल रखने के तरीके तथा सुरक्षित मातृत्व के उपाय शामिल होते हैं। पखवाड़ा के दौरान बताया गया कि परिवार नियोजन के तरीकों को अपनाने से महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार होता है। छोटा परिवार होने से आर्थिक बोझ कम होता है। देश की जनसंख्या पर नियंत्रण पाया जा सकता है। कम बच्चे होने से उनकी शिक्षा और परवरिश पर अधिक ध्यान दिया जा सकता है। संतुलित परिवार होने से जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है। परिवार नियोजन से न केवल व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर, बल्कि समाज और राष्ट्र स्तर पर भी लाभ होते हैं। अंत में सभी उपस्थित सदस्यों के साथ परिवार नियोजन अपनाने के लिए एक जागरूकता रैली भी निकाली गई। चौपाल में वार्ड सदस्य, जीविका सीएम एवं जीविका सदस्य, पिरामल टीम, विकास मित्र, उषा देवी, आशा फेसिलेटर शारदा देवी, आशा रुखमीना देवी, सेविका आशा देवी और ग्रामीण उपस्थित रहे।

डुमरांव में दुकानों के बल्ब से मुख्य सड़क पर रहती है रोशनी, अधिकतर स्ट्रीट लाइट खराब



डुमरांव। डुमरांव शहर में शाम होते यदि दुकानों और मकानों की रोशनी सड़क एवं गलियों में नहीं जाए तो अधिकांश इलाके में अंधेरा छा जाएगा। कारण यह है कि नगर परिषद के द्वारा वार्डों के मुख्य सड़क और गलियों में जो स्ट्रीट लाइटें लगाई गई थी उसमें अधिकांश खराब हालत में है। अंधेरे के कारण लोगों को डर के बीच बाजार, गली यहां तक की मुख्य सड़कों पर आवागमन करने में परेशानी महसूस होती है। अंधेरे के कारण लोग अपने साथ अनहोनी की आशंका से भयभीत रहते हैं। शहर के कुछ इलाके में तो हाई मास्ट लाइट के लगे कई बल्ब भी खराब है, जिसे सुधार करने की दिशा में कोई सार्थक प्रयास नहीं किया जा रहा हैं। पूर्व में नगर परिषद क्षेत्र में कई लाइटें लगाई गई लेकिन उसका रखरखाव नहीं किया गया। परिणाम यह है कि बड़ी राशि खर्च करने के बावजूद भी लाइट की व्यवस्था नहीं सुधरी। फिलहाल स्थिति यह है कि शहर से गुजरने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग 120 पर लगाई गई कई लाइटें खराब हालत में है। इनके अलावे मुख्य मंडी गोला रोड, चौक रोड, शहीद गेट, नया तालाब रोड, हाथीखाना रोड, जंगल बाजार के अलावे कई अन्य कॉलोनियों, सड़क व गलियों की लाइटें बुझ चुकी हैं यदि शाम में दुकानों में बिजली या इनवर्टर से जलने वाले बल्ब, सीएलएफ की रोशनी सड़क पर नहीं आए तो लोग अंधेरे में आवागमन करने पर विवश रहेंगे। कमोवेश यही स्थिति शहर के गली मोहल्ले की भी है। वार्ड 22 की निवासी महिला रूबी देवी बताया कि उनका मोहल्ला साफाखाना रोड के इलाके के अधिकांश लाइट खराब है। शाम के बाद अंधेरे की वजह से वे बाजार जाने या घर से बाहर निकलने में अपने को असुरक्षित महसूस करती हैं। आज के इस आधुनिक युग में भी बाजार से घर आने में अंधेरा रहने की वजह से मोबाइल की रोशनी का सहारा लेना पड़ता है। साथ ही छिनतई की घटना होने की संभावना बनी रहती है। वहीं शहर के रमेश कुमार, पिंटू जायसवाल, धीरज कुमार, अविनाश त्रिपाठी आदि ने बताया कि सबसे ज्यादा निराशाजनक तो यह है कि एक बार खराब होने के बाद कभी भी इन स्ट्रीट लाइटों को बनाया ही नहीं जा सका है। पूर्व के दिनों में वार्डवासी इसकी शिकायत भी दर्ज कराते थे लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं होने की स्थिति में सभी थक-हार कर मौन साध कर बैठ गए। वर्तमान हाल यह है कि मेंटेनेन्स का कार्य पूरी तरह बाधित है और कहीं कोई देखनहार तक नहीं है।

शहर के होटल में शराब पार्टी करते 23 लोग गिरफ्तार



बिक्रमगंज। स्थानीय शहर के सासाराम रोड स्थित शिव ग्रैंड होटल में शराब पार्टी करने के लिए जमा 23 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार लोगों में चार लोग बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के जबकि 19 लोग यूपी के विभिन्न स्थानों के है। पुलिस इनलोगों से पूछताछ करने के बाद जेल भेज दिया है। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ये सभी किस उद्देश्य से जाम हुए थे। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि होटल मालिक के विरुद्ध भी कार्रवाई होगी। थानाध्यक्ष ने बताया कि मोरौना निवासी मनीष कुमार मिश्र, दुगार्डीह निवासी अमित कुमार चौबे और मठिया निवासी धनजी सिंह को नशे की स्थिति में गिरफ्तार किया गया है। जबकि गाजीपुर निवासी अजित कुमार सिंह के पास से यूपी का लाइसेंसी राइफल और बुल्लू राम के पास जम्मू कश्मीर का लाइसेंसी राइफल बरामद हुआ। अजित ने जिला में इंट्री नहीं कराया था। वहीं बुल्लू राम ने अपने गृह जिला में भी इंट्री नहीं कराया है। इनलोगों के विरुद्ध लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन का आरोप है। इनके अलावा मानपुर निवासी चंद्रभूषण राय उर्फ गुड्डू, राय के अलावा यूपी के निवासी सुनील कुमार राय, नीरज यादव, अरबिंद कुमार, विवेक कुमार, राहुल शर्मा, धीरेंद्र कुमार, जितेन्द्र सेठ, अजित तिवारी, जनार्दन यादव, अभिषेक कुमार, उमेश साहनी, सर्वेश रघुवंशी, शैलेंद्र मोछ, कृष्णा कुमार, सुनील कुमार, राजेन्द्र कुमार, जितेंद्र कुमार को शराब पार्टी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार लोगों में 14 - 15 की संख्या में लोग यूपी के किसी सुरक्षा एजेंसी से जुड़कर बाउंसर का काम करते हैं। पुलिस सभी 23 लोगों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा है। थानाध्यक्ष ने बताया कि इन सभी लोगों के यहां आने के प्रयोजन की जांच में पुलिस जुटी हुई है।

खबरें फटाफट

करंट प्रवाहित तार से हाइवा चालक की हुई मौत

आरा। भोजपुर के चरपोखरी थाना क्षेत्र के धनौती गांव में बुधवार की शाम हाई वोल्टेज करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से एक हाइवा चालक की मौत हो गई। वह देवढ़ी गांव स्थित एक फैक्ट्री में हाइवा चालक का काम करता था। हादसे के संबंध में बताया जा रहा है कि बुधवार की शाम वह फैक्ट्री से निकली राख लेकर धनौती गांव गया था। वहां राख गिराने के दौरान उसकी हाइवा 11 हजार वोल्ट तार के संपर्क में आ गया, जिससे वह करंट की चपेट में और मौके पर उसकी मौत हो गई। इसके बाद आनन-फानन में स्थानीय ग्रामीणों की ओर से उसे पीरो ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक चरपोखरी थाना क्षेत्र के बड़हरा गांव वार्ड 10 निवासी रतन सिंह के 25 वर्षीय पुत्र रामचीज बाबू है। वह पेशे हाईवा चालक था। मृतक के चचेरे भाई अमरेंद्र कुमार ने बताया कि गड़हनी थाना क्षेत्र के देवड़ी गांव स्थिति बियर फैक्ट्री में हाईवा चलाने का काम करता है। बुधवार की देर शाम बियर फैक्ट्री का राख लेकर धनौती गांव गया हुआ था। जहां सड़क किनारे पहले से हाईटेंशन तार टूटकर गिरा था।

किसान की मौत

संझौली। बुधवार देर शाम को खेत में पटवन के दौरान विद्युत वायर की चपेट में आने से एक किसान की मौके पर मौत हो गयी। घटना संझौली थाना क्षेत्र के चैता बहोरी गांव की है। मृतक किसान की पहचान चैता बहोरी निवासी श्री सत्यनारायण चौधरी उम्र करीब 65 वर्ष बताया जाता है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मिली प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि वे बुधवार देर शाम में गांव स्थित बधार में विद्युत मोटर से खेत में पटवन के लिए गए हुए थे। इसी क्रम में विद्युत वायर की चपेट में आ गए। जिसके कारण उनकी मौके पर मौत हो गयी।

बाइक से देशी महुआ शराब लेकर जा रहे दो धंधेबाज गिरफ्तार

काराकाट। कछवां पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के सोहदा गांव के पास बाइक से देशी महुआ शराब लेकर जा रहे दो धंधेबाजों को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से 56 लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया सूचना मिली कि धंधेबाज बाइक से भारी मात्रा में देशी महुआ शराब लेकर जा रहे हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए धंधेबाजों को सोहदा गांव के पास गिरफ्तार कर लिया गया। इनके बाइक से 56 लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया गया। धंधेबाजों की पहचान काराकाट थाना क्षेत्र के हटिया निवासी प्रद्युम्न कुमार और नीतीश कुमार के रूप में की गई है। दोनों धंधेबाजों को मेडिकल जांच के बाद जेल भेज दिया गया। वहीं, उनकी बाइक जब्त कर ली गई है।

दोहरा हत्याकांड : घटना स्थल की जांच के लिए पटना से आई एफएसएल की टीम

बिक्रमगंज में बक्सर के युवक समेत दो की गोली मार कर अपराधियों ने की हत्या

♦ मौका-ए-वारदात से पुलिस ने बरामद की बाइक की चाभी व शराब के पैकेट
♦ पुलिस के अनुसार कहीं और से दोनों को लाकर की गई है यहां हत्या



केटी न्यूज/बिक्रमगंज

दोनों को बुला कर घटना को दिया गया अंजाम

बताया जाता है कि घटनास्थल से बरामद बाइक का नंबर बक्सर जिला का है। जो किसी महिला के नाम से रजिस्टर्ड है। पुलिस बाइक के नंबर के आधार पर मृतकों की पहचान की कोशिश कर रही है। सूचना मिलते ही एसडीपीओ कुमार संजय मौके पर पहुंच छानबीन में जुट गए। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों युवकों को यहां पर लाकर मारा गया है। उन्होंने कहा कि घटना को लेकर जांच के लिए टीम कुछ ही देर में आ जायेगी। साथ ही, उन्होंने कहा कि स्थानीय पुलिस हर एंगल से घटना की जांच कर रही है । इस घटना में जो भी दोषी होगा उसे बख्शा नही जायेगा। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

18 जुलाई गुरुवार की अहले सुबह बिक्रमगंज नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत धारुपुर ललकी पुल सूर्यमंदिर के समीप डुमरांव लाइन नहर के किनारे बने छठ पूजा घाट के पास अज्ञात अपराधियों ने दो युवक को गोली मार हत्या कर दी। मौके वारदात घटना स्थल पर ही दोनों युवक की मौत हो गई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार घटना की जानकारी सुबह में टहलने के वास्ते राहगीर व कुछ किसान अपने खेत की ओर जा रहे थे। इस दौरान उन्हें ललकी पुल के कुछ ही दूरी पर एक बाइक सड़क के किनारे खड़ी दिखी। वहीं, उससे 50 गज की दूरी पर छठ पूजा घाट की ओर दो लोग उन्हें जमीन पर पड़े हुए दिखे। जिन्हें देखने के लिए जैसे ही लोग वहां पहुंचे तो देखने उन्हें मौके पर दो युवकों की अलग-अलग जगह पर लाश पड़ी मिली। जैसे ही लोगों ने मौका-ए-वारदात पर दोनों लाशों को देखा, मामला पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गई।

घटना की जानकारी मिलते ही वहां लोगों की भीड़ जुटने लगी। दूसरी ओर स्थरानीय ग्रामीणों ने घटना की जानकारी स्थानीय थाना के पुलिस पदाधिकारी श्रीराम चौबे को दी। जिसके बादवो मौके पर दलबल के साथ पहुंचे। जहां पुलिस ने पाया कि ललकी पुल से कुछ ही दूरी पर मृतक लोगों की बाइक खड़ी थी। पुलिा ने पाया कि छठ पूजा घाट पर एक युवक का शव पड़ा है वहीं दूसरा शव घाट के किनारे डुमरांव लाइन नहर के किनारे शव पाया गया। जमीन पर पड़े शव के आसपास चार खोखा पाया गया। साथ ही, उसी युवक के पास बने घाट के बैठकी पर बाइक का चाबी व एक पॉलीथिन में शराब भी पाया गया। घटना को देख लोग अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा करने लगे।

बिहार में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ते जा रहा है, हत्याओं का दौर जारी है। जो थमने का नाम नही ले रहा है। वहीं हत्या की वजह क्या है, युवकों को क्यों गोली मारी गई मौके पर पहुंची पुलिस सभी बिंदुओं पर बारीकी से जांच कर रही है, जिसके लिए स्थानीय लोगों के साथ के साथ अन्य स्त्रोतों पूछताछ करने में जुटी।

शव के पास बरामद हुई बाइक : हत्या की जांच करने के लिए एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंच जांच शुरू कर दी । शव से कुछ ही दूरी पर एक बाइक भी बरामद की गई है ।बाइक पर लगे नंबर प्लेट से बताया जा रहा है कि वो बक्सर जिले की है ।

एक युवक की हुई शिनाख्त पर दूसरे की है जारी : पुलिस के मुताबिक अभी तक एक युवक की पहचान कर ली गई है । लेकिन दूसरे युवक की पहचान खबर लिखे जाने तक नही हो पाई थी । मृतक की पहचान 27 वर्षीय गंगा सागर उर्फ विनय कुमार पिता हृदया नंद यादव के रूप में की गई है । जो बक्सर जिला अंतर्गत मुरार थाना क्षेत्र के मनपा गांव के रहने वाले बताये जाते है । लेकिन उसी मामले में दूसरे युवक की शिनाख्त नही हो पाई है।

आरा में ट्रेन की चपेट में आने से बैंडेज फैक्ट्री संचालक की मौत

♦ दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर आरा रेलवे स्टेशन के पश्चिम साइड अप एवं डाउन लाइन के बीच बुधवार की रात घटी घटना

केटी न्यूज/आरा

दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर आरा रेलवे स्टेशन के पश्चिम साइड अप एवं डाउन लाइन के बीच बुधवार की रात ट्रेन की चपेट में आने से एक बैंडेज फैक्ट्री संचालक की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक बिहिया थाना क्षेत्र के झौवां गांव निवासी कामेश्वर सिंह के 54 वर्षीय पुत्र अजय कुमार सिंह है। वह वर्तमान में नवादा थाना क्षेत्र के जगदेव नगर मोहल्ले में कुछ वर्ष से अपना मकान बनाकर रहते थे एवं गीधा थाना क्षेत्र के गीधा गांव स्थित बैंडेज फैक्ट्री चलाते थे। इधर मृतक के साला सुनील कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार की देर शाम करीब सात बजे वह गीधा स्थित अपने बैंडेज फैक्ट्री से घर आने के लिए निकले थे। वह सवारी गाड़ी से आरा रेलवे स्टेशन आए। उसके बाद वह रेलवे ट्रैक पार कर जगदेव नगर आ रहे थे। उसी दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गए। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद पहचान वाले एक व्यक्ति द्वारा इसकी जानकारी उनके बेटे को मिली। जिसके बाद उसने इसकी सूचना परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन आरा रेल थाना पहुंचे। जिसके पश्चात पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने चार भाई व दो बहन में बड़े थे। उनके परिवार में पत्नी माया देवी व दो पुत्र और रोशन सिंह एवं रिशु सिंह है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी माया देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आरा में बाइक सवार हथियारबंद अपराधियों ने किराना व्यवसाई से की 4.30 लाख रुपए लूट

♦ कोईलवर थाना क्षेत्र के हरीपुर एवं चनपुरा गांव के बीच मानव सेवा धर्म संस्थान के समीप घटी घटना

केटी न्यूज/आरा



भोजपुर जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के हरीपुर एवं चनपुरा गांव के बीच मानव सेवा धर्म संस्थान के समीप बाइक सवार अपराधियों द्वारा हथियार के बल पर एक बाइक सवार किराना व्यवसाई से 4 लाख 30 हजार की लूट कर ली गई। लूट की घटना को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी छपरा की तरफ भाग निकले। वही अपराधियों की संख्या आठ से नौ बताई जा रही है। घटना को लेकर आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। उधर घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ सदर-टू रंजीत कुमार सिंह एवं कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन में जुट गए है। वहीं पुलिस घटनास्थल के आसपास के इलाके में लगे सभी सीसीटीवी कैमरे को भी खंगाल रही है। जानकारी के अनुसार उक्त भुक्तभोगी बड़हरा थाना क्षेत्र के बबुरा गांव निवासी विश्वनाथ प्रसाद का 25 वर्षीय पुत्र संजीव कुमार उर्फ मोनू है। वह पेशे से होलसेलर किराना व्यवसाई है एवं गांव में ही राहुल ट्रेडर्स के नाम से दुकान चलाता है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि वह बराबर अपने एक अन्य साथी के साथ बाइक से कोईलवर एवं बड़हरा क्षेत्र के सभी रिटेलर दुकानों के पास जाकर ऑर्डर लेता और पैसे का कलेक्शन करके वापस लौट जाता था। लेकिन उसके साथ जाने वाले साथी के घर में शादी थी। जिसके कारण गुरुवार की दोपहर वह बाइक से अकेले ही आर्डर लेने एवं पैसे का कलेक्शन कर ले निकला था। कोईलवर क्षेत्र के चार जगहो से पैसे का कलेक्शन कर बाइक से वापस लौट रहा था। उसी बीच हरीपुर एवं चनपुरा गांव के बीच के मानव सेवा धर्म संस्थान समीप तीन बाइक पर सवार आठ से नौ की संख्या में हथियारबंद अपराधियों द्वारा उसे घेर लिया गया और हथियार के बल पर उसके पास बैग में रहे 4 लाख 30 हजार रुपए लूट ली। इसके बाद सभी अपराधी बाइक से छपरा की तरफ भाग निकले वही मौके पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी फुटेज एवं वीडियो को खंगाल अपराधियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापेमारी कर रही है। वहीं इस मामले में सदर एसडीपीओ-टू रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित युवक कोईलवर क्षेत्र में तीन-चार जगहों से पैसे का कलेक्शन कर आ रहे थे।

डीजे संचालक व कमिटी के 16 लोगों पर केस

काराकाट। स्थानीय थाना क्षेत्र के चांदीपट्टी गांव में प्रशासनिक कारवाई की गई। सीओ रितेश कुमार व थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने मुहर्रम पर्व पर सशस्त्र बल के साथ विधि व्यवस्था नियंत्रण व सूचना के बाद चांदीपट्टी गांव पहुंच कर कारवाई की गई। सीओ रितेश कुमार ने मुहर्रम कमिटी के मो.रोजा अंसारी, जुबैर अंसारी, मेदू अंसारी, कुर्बान अंसारी, खुदीन अंसारी सहित सोलह लोगों पर एफआईआर दर्ज कराया है। और डीजे को भी जब्त किया गया है। थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने कहा की डीजे साउंड बक्स, जेनरेटर, म्यूजिक मिक्सर मशीन सहित कई समान और पिकअप बोलोरो चांदी पट्टी गांव से जब्त किया गया हैं। जब्ती के बाद काफी मशक्कत कर जब्त सभी समान को थाना लाया गया।

स्मार्ट मीटर लगवाते समय उपभोक्ता अपना मोबाइल नंबर अवश्य दर्ज कराएं

प्रीपेड मीटर में छुट्टी के दिन नहीं काटी जाती है बिजली

केटी न्यूज/बिक्रमगंज



विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज अंतर्गत पांच प्रशाखा है एवं सभी उपभोक्ताओ के परिसर मे स्मार्ट प्रीपेड मीटर अधिष्ठापित की जाएगी। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया की स्मार्ट प्रीपेड मीटर सभी उपभोक्ताओं के परिसर मे निःशुल्क लगाया जाता है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगवाते समय उपभोक्ता अपना मोबाइल नंबर अवश्य दर्ज करा लेंगे।

सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज के द्वारा आगे बताया गया की उपभोक्ताओं के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर पहली बार मीटर रिचार्ज करने हेतु मैसेज प्राप्त होने के बाद दो दिनों का समय दिया जाता है तथा बैलेंस शून्य अथवा निगेटिव होने पर उपभोक्ता को एसएमएस एवं कॉल के माध्यम से रिचार्ज करने हेतु सुचना दी जाती है। उपभोक्ता द्वारा रिचार्ज नहीं करने पर वे दो दिनों तक बिजली का उपभोग कर सकते हैं, इसके बाद भी रिचार्ज नहीं करने पर तीसरे दिन केवल कार्य दिवस को सुबह 10 बजे से दिन के 1 बजे के बीच ही बिजली स्वतः काट जाती है साथ ही साथ रिचार्ज होने के बाद बिजली स्वतः चालू हो जाती है। बता दें की राज्य सरकार द्वारा निर्धारित छुट्टी एवं रविवार के दिन बिजली नहीं काटी जाती है एवं रात मे भी विद्युत विभाग द्वारा बिजली नहीं काटी जाती है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर एवं नॉर्मल मीटर का टैरीफ एक सामान है व प्रीपेड उपभोक्ता का ऑनलाइन रिचार्ज करने पर 3 प्रतिशत की अतिरिक्त छुट मिलती है। स्मार्ट मीटर से सम्बंधित एप्प के माध्यम से उपभोक्ता दैनिक, साप्ताहिक एवं मासिक बिजली खपत की जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगे हुए उपभोक्ता को बिजली बिल जमा करने हेतु बिजली कार्यालय काउंटर पर जाने की आवश्यकता भी नहीं है, उपभोक्ता ऑनलाइन के माध्यम से बिजली बिल जमा कर सकते हैं।

दुर्घटना : बारात से लौट रही पिकअप पेड़ से टकराई, एक की मौत; तीन घायल

केटी न्यूज/बलिया

♦ मैरिटार से बसन्तपुर गई हुई थी बारात, अनियंत्रित होने के बाद हुआ हादसा

जनपद के सुखपुरा थाना क्षेत्र के बेरूआरबारी- बांसडीह मार्ग स्थित देल्हुआ गांव के सामने गुरूवार की सुबह बरात से वापस लौट रही एक अनियंत्रित पिकअप सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। जिसमें 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि तीन अन्य बराती घायल हो गये। सभी घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। बता दें कि बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के मैरीटार गांव निवासी दीनबंधु पासवान के लड़के की बरात सुखपुरा थाना क्षेत्र के बसंतपुर गांव में बुधवार को गई हुई थी। गुरूवार की सुबह बरात से वापसी के दौरान पिकअप पर सवार होकर दीनबंधु का साढू खेजुरी थाना क्षेत्र के विषहर गांव निवासी 55 वर्षीय रामाश्रय पासवान अन्य बरातियों के साथ मैरीटार जा रहे थे। जैसे ही देल्हुआ ईंट भट्ठे के पास पिकअप पहुंची, अनियंत्रित होकर



एक पेड़ से टकरा गई। जिसके बाद पिकअप में सवार रामाश्रय पासवान सड़क पर गिर गया तथा पीछे से आ रहे एक अन्य वाहन की चपेट में आ गया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि मैरीटार गांव निवासी 60 वर्षीय दीनबंधु पासवान, 25 वर्षीय अर्जून पासवान तथा हरपुर गांव निवासी 35 वर्षीय अनिल पासवान घायल हो गए। सभी घायलों को पीएचसी बेरूआरबारी में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

रेलवे पुल पर सहेली संग सेल्फी लेने के चक्कर में सरयू नदी में गिरी युवती, नहीं मिली लाश

बलिया। बुधवार को छपरा-बलिया रेलखण्ड पर मांझी पर बने नए रेलवे पुल पर अपनी सहेली संग सेल्फी लेने गई एक युवती पैर फिसलने के बाद सरयु नदी में गिर गई और देखते ही देखते नदी की तेज धारा में बह गई। घटना के बाद उसकी बदहवास सहेली मौके से भाग गई। घटना की जानकारी होते ही आसपास के लोग एवं मल्लाह युवती की तलाश की। समाचार लिखे जाने तक युवती का पता नहीं चल सका था। बता दें कि सरयु नदी में डूबी युवती की पहचान बिहार प्रांत के मांझी थाना क्षेत्र के छोटकी माड़ीपुर निवासी रमाशंकर सिंह की 17 वर्षीय पुत्री रागिनी कुमारी के रूप में की गई। सूचना पर घटना स्थल पर पहुंचे परिजनों ने बताया कि युवती इंटरमीडिएट परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उतीर्ण हुई थी। वह तीन भाई व तीन बहनों में सबसे छोटी थी। युवती के नदी में डूबने की सूचना पाकर रामघाट पहुंचे मांझी के सीओ अभिषेक रंजन और मांझी नगर पंचायत के उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि कृष्णा सिंह पहलवान के नेतृत्व में मोटरचालित नाव के सहारे युवती की खोजबीन शुरू की गई। लेकिन देरशाम तक युवती का पता नहीं चल सका था।

एक नजर

कांग्रेस के नवनियुक्त पदाधिकारी को दिलाई गई शपथ



बलिया। जिला कांग्रेस कमेटी के सभागार में गुरुवार को जिला कांग्रेस के नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष उमाशंकर पाठक ने किया। शपथ ग्रहण समारोह में सम्बोधित करते हुए श्रीपाठक ने कहा कि आज तो शपथ ग्रहण हुआ है। इसमें अगले कुछ दिनों में 100 दिन का कार्यक्रम लेकर हम सबको चलना पड़ेगा। जिससे कांग्रेस जन-जन तक पहुंच सके। कहा कि संगठन जब तक गांव गांव तक नहीं पहुंचता तब तक संगठन का कोई मतलब नहीं है।उन्होंने अपना सौ दिन के कार्यक्रम नवनियुक्त पदाधिकारियों के समक्ष रखा। शपथ ग्रहण समारोह में बोलते हुए विशिष्ट अतिथि पूर्व अध्यक्ष सच्चिदानंद तिवारी ने कहा कि संगठन बिना कार्यकताओं के रीढ़ विहिन हड्डी के समान है। आज लोकसभा चुनाव में कांग्रेस छह सीट जीती है और आठ से दस ऐसे सीट रहे हैं जहां हम कम वोटो के अंतर से हारे हैं। 2027 के होने वाले चुनाव में हम अपने मेहनत और लगन के बल पर गठबंधन में अधिक सीटों के लिए दबाव बना सकते हैं। यह संगठन के बल पर हो सकता है। सभा को संबोधित करने वालों में श्री पुनीत पाठक प्रदेश प्रवक्ता मकसूद आलम प्रदेश सचिव, जैनेंद्र पांडेय प्रदेश सचिव, अभिनव तिवारी गोलू अध्यक्ष युवक कांग्रेस, लल्लू सिंह, हीराराम पूर्व प्रधान आदि रहे। इस मौके पर सिद्धनाथ तिवारी, रामेश्वर तिवारी, शंकर शरण, सूर्यकांत यादव, इस्लाह, रहमान, अबुल फैज इत्यादि लोग उपस्थित रहे। संचालन अभिजीत तिवारी सत्यम ने किया।

वन कैडेट वन प्लांट के तहत पीजी कालेज में किया गया सघन वृक्षारोपण

गाजीपुर। स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर में एनसीसी कैडेट्स ने गुरुवार को वन कैडेट वन प्लांट वृक्षारोपण अभियान के तहत परिसर में



वृक्षारोपण किया। वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ०) राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने आम का वृक्ष रोपित करके किया। इस अवसर पर डॉक्टर पाण्डेय ने छात्र - छात्राओं को वृक्षारोपण एवं वृक्ष संरक्षण के बारे में विस्तार से बताया। डॉक्टर पाण्डेय ने बताया कि पर्यावरण संतुलन के लिए हर विद्यार्थी को न्यूनतम एक पौधा लगाना ही नहीं बल्कि उसके संरक्षण का भी संकल्प लेना चाहिए। शहरों में रहने वाले लोग गमले में भी पौधरोपण कर सकते हैं। वैश्विक पर्यावरण और असंतुलन को रोकने के लिए वृक्षारोपण से बेहतर कोई कारगर उपाय नहीं है। इसी मनसा से प्रदेश सरकार भी अलग-अलग संस्थाओं के माध्यम से वृक्षारोपण अभियान संचालित कर रही है। वहीं एनसीसी अधिकारी डॉक्टर रविशेखर सिंह ने बताया कि वन विभाग की ओर से उन्हें बच्चों को वितरित करने के लिए और महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण के लिए पौध उपलब्ध कराए गए हैं। योजनाबद्ध तरीके से पौधों का रोपण कराया जा रहा है। वृहद वृक्षारोपण अभियान आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा। लक्ष्य के सापेक्ष वृक्षारोपण महाविद्यालय की ओर से एनसीसी कैडेट के माध्यम से सुनिश्चित किया जाएगा।

नगर पालिका ईओ का छात्रों ने किया घेराव

बलिया। नगर पालिका परिषद बलिया के उदासीनता के कारण पूरे शहर में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। नालिया व नाले बजबजा रहे है और गंदा



पानी ओवर फ्लो होकर सड़क पर बह रहा है। जिसके विरोध में छात्रों ने छात्रनेता व सामाजिक कार्यकर्ता रिपुंजय रमण पाठक रानू के नेतृत्व में नपा के अधिशासी अधिकारी का घेराव किया। रानू पाठक ने बताया कि नगर की स्थिति दयनीय हो चुकी है, चारों तरफ कूड़े का अंबार लगा हुआ है। नालियां ओवर फ्लो होने के बाद बजबजाती हुई दिखती है। नगर पालिका प्रशासन आखिर क्यों मौन है ? जिम्मेदार पलड़ा झाड़ते नजर आ रहे है। छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष रोहित चौबे ने कहा कि जापलिनगंज स्थित राजवैद्य भाखर चौराहे पर पास में ही दुर्गा मंदिर व साथ ही विद्यालय संचालित होता है, जहां कूड़े का ढ़ेर लगा रहता है। जिससे विद्यालय के बच्चे बीमार होते है और मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अधिवक्ता कृष्ण प्रताप यादव गोलू ने शहर के तमाम वार्डो की स्थिति को लेकर ईओ से कहा कि व्यवस्था में सुधार नहीं किया जा रहा, बल्कि इसे और बढ़ाया जा रहा है। सभासद अमित कुमार दुबे ने बताया कि सभी वार्डों में नरक की स्थिति बनाई गई है न डोर टू डोर कलेक्शन है न ही नियमित साफ सफाई व्यवस्था है। सभी सभासद नियमित तौर पर लगातार नगर पालिका को आगाह कराते रहते है तब भी पालिका प्रशासन इस मुद्दे पर गंभीर नहीं है। चेताया कि समस्या नहीं सुधरी तो आम जनमानस के साथ आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इस मौके पर रामबहादुर यादव धवन, ऋषि विवेक, भीम यादव, मोहित गुप्ता, कृष्णा जायसवाल, रंजीत चौहान, रमेश कुमार, राहुल मिश्रा, अमित मिश्रा, गोल्डी शर्मा, बबलू यादव आदि रहे।

डूबने से बचाव हेतु सुरक्षा उपायों को लेकर अपर जिलाधिकारी ने जारी की एडवाइजरी

मऊ । बारिश की दृष्टिगत डूब क्षेत्र में डूबने से होने वाले मौतों से बचाव हेतु सुरक्षा उपायों को लेकर जिला प्रशासन ने एडवाइजरी जारी की है। इस संबंध में अपर जिलाधिकारी सत्यप्रिय सिंह ने कहा कि जल स्रोतों में डूबने के कारण जनहानि होती है। इसलिए सतर्कता बरतने और जागरूकता फैलाने का हर संभव प्रयास करें। उन्होंने जनपद के समस्त ग्राम प्रधानों एवं नागरिकों से अपील की है कि नदियां, तालाबों अथवा अन्य जल स्रोतों के पास बच्चों को न जाने दे। इसके अलावा यदि तैरना ना आए तो नदी, नहर,नाले, तालाब आदि में कदापि न जाए एवं अपने स्वजन को भी जाने से रोके।बच्चों को पुलिया एवं ऊंचे टीलों से पानी में कूद कर स्नान करने से रोके। अति आवश्यक हो तो ही पानी में उतरे एवं गहराई का ध्यान रखें।

खबरें फटाफट

डीएम ने की भूलेख, कम्प्युटर कक्ष, संग्रह कार्यालय का निरीक्षण

गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने बृहस्पतिवार को सदर तहसील का स्थलीय निरीक्षण किया। जांच के दौरान भूलेख कम्प्युटर कक्ष, संग्रह कार्यालय, अभिलेखागार, तहसीलदार कोर्ट, एवं अन्य पटलों की बारीकी से निरीक्षण कर पत्रावलियों /अभिलेखों की जांच की गई। जांच में पत्रावलियों का रख रखाव, कक्षों, अलमारियों की साफ-सफाई व अन्य व्यवस्थाएं संतोषजनक मिली। उन्होंने उपजिलाधिकारी सदर तहसीलदार सदर को निर्देश दिया कि आगे भी इसी तरह की व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित रहे। पटलों पर पत्रावलियां लंबित न रहें तथा निश्चित समयांतराल में उसका निस्तारण हो। अभिलेख कम्प्युटर कक्ष में किसी भी बाहरी व्यक्ति के माध्यम से कार्य न लिया जाए न ही किसी प्रकार की अवैध वसूली का सूचना प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि लेखपालों को रोस्टर के अनुसार प्रत्येक ग्राम सचिवालय पर उपस्थिति के संबंध में नाम व मो0नं0 का अंकन किया जाए जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में निचले स्तर पर समस्या का सामाधान किया जा सके। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर प्रखर उत्तम, तहसीलदार सदर, नायब तहसीलदार व अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

सबको अपनी बात रखने का संविधान ने दिया है अधिकार : रामगोविंद

बलिया। अभिषेक पासवान की सड़क दुर्घटना में मौत के पश्चात अक्रोशित जनसमुदाय द्वारा मैरिटार चौराहे पर विरोध प्रदर्शन करने पर बासडीह कोतवाली पुलिस द्वारा मैरीटार गांव के 24 लोगों के खिलाफ नामजद और 35 से 40 अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की घटना शर्मनाक और अलोकतांत्रिक हैं। यह बाते पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामगोविन्द चौधरी ने गुरुवार को प्रेस को जारी अपने बयान में कही। कहा कि पिछले गुरुवार को अभिषेक पासवान की मृत्यु सड़क दुर्घटना में हो गई, उसके अगले दिन शुक्रवार को मृतक दलित युवक के परिवार को आर्थिक सहायता के लिए लोग प्रदर्शन कर रहे थे जो कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत था।

गाजीपुर के मरदह थाना क्षेत्र में ताजिया जुलूस में शामिल शरारती तत्वों ने मचाया उपद्रव

ताजिया जुलूस के दौरान युवकों ने की मारपीट, महिला समेत तीन जखमी

♦ ग्रामीण एसपी व आला अधिकारियों ने कराया मामला शांत
♦ पीड़ित के बयान पर छह लोगों पर नामजद व दो अज्ञात पर प्राथिमिकी दर्ज

केटी न्यूज/गाजीपुर

जनपद के मरदह थाना अंतर्गत नसीरुद्दीनपुर गांव में गुरुवार की देर रात ताजिया ले जाते समय जुलूस में शामिल कुछ शरारतीतत्वों द्वारा विभिन्न स्थानों पर मारीट की गई। जिसमें सबसे पहले जुलूस मार्ग और दूसरी बार बाउंड्री के अंदर जाने के दौरान रोके जाने पर शरारतीतत्वों ने बुजुर्ग महिला समेत तीन लोगों के साथ मारपीट की गई। घटना में एक घर के दो युवक और एक 60 वर्षीय महिला बुरी तरह से घायल हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही कई थाने की पुलिस



सहित जिले के आलाधिकारी मौके पर पहुंच गए। घटना को लेकर बिगड़ते माहौल को देखते हुए पुलिस के अधिकारियों ने घायलों को अस्पताल भेजा और ताजिया को दफन कराया गया।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि नसीरुद्दीनपुर गांव में देर रात जुलूस लेकर गांव से निकल रहे थे कि बिरनो थाना क्षेत्र के बिहरा गांव के ताजिया का मिलन हुआ। उसके बाद दफन के लिए जुलूस आगे बढ़ा। इसी दौरान जुलूस में शरारतीतत्वों ने जामुन के पेड़ की दो टहनी काट दी। आगे शीशम के पेड़ का टहनी काटकर तोड़ डाली। पेड़ के मालिक गांव निवासी राकेश पांडेय उर्फ पुकार के मना करने लगे उसके बाद भी वह नहीं माने। उनका हौसला इतना बुलंद था कि शरारती लोग खेत में घुस गए। मना करने पर पीड़ित को मारने-पीटने लगे। जब छोटा भाई आकाश पांडेय बचाने गया तो उसकी पिटाई कर डाली। इस दौरान 60 वर्षीय पीड़ित की मां हंसराजी देवी जब गई तो शरारतीतत्वों ने उसे भी धकेल दिया। जिससे वह चोटिल हो गई।

समझा-बुझाकर मामले को कराया शांत : दो समुदाय के बीच मामला बिगड़ता देख गांव में माहौल बिगड़ने लगा, इसकी भनक पुलिस प्रशासन को लगते ही मरदह, कासीमाबाद, बिरनो थानों की पुलिस बल सहित जिले के पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत चौधरी, सीओ कासीमाबाद चोब सिंह आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने समझा-बुझाकर मामले को शांत कराया और ताजिया के जुलूस को दफन के लिए ले गए। तब जाकर प्रशासन ने राहत की सांस ली। पीड़ित ने थाने में शरारती तत्वों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र पांडेय ने बताया कि मामले में छह नामजद और दो अज्ञात के खिलाफ पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों में जसीम अहमद, फैजी उर्फ फहीम निवासी बिहरा थाना मरदह व क्यूम हासमी, हलीम उर्फ सलीम, इस्माईल अंसारी, मोहम्मद तसौउर निवासी नसीरुद्दीनपुर को गिरफ्तार कर चालान कर दिया गया। गांव में माहौल शांतिपूर्ण बना हुआ है। सुरक्षा की दृष्टि से गांव में पुलिस बल तैनात हैं।

बजरंग दल व विहिप ने की कार्रवाई की मांग

गाजीपुर। ग्राम प्रधान सीताराम यादव ने आपसी भाईचारे का हवाला देकर मामले को काफी हद तक शांतिपूर्ण स्थिति में पहुंचा दिया था, लेकिन घटना की जानकारी रात में फैलते ही मौके पर आक्रोशित बजरंग दल व विश्व हिन्दू परिषद के दर्जनों कार्यकर्ता मौके पर पहुंचकर कड़ी कार्रवाई की मांग पर अड़ गए। इसके बाद पुलिस ने पूरे गांव को छावनी में तब्दील कर चिन्हित आरोपियों के लिए जाल बिछा दिया। तकरीबन तीन घंटे के बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्त में ले लिया।इस दौरान नसीरुद्दीनपुर गांव सहित पड़ोसी गांव पृथ्वीपुर, अविसहन, उच्चौर, बिहरा, बरेंदा सहित कई अन्य गांवों में सुबह चार बजे तक भारी गहमागहमी की स्थिति बनी रही। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत चौधरी की सूझबूझ से मामले को शांत कर लिया गया। इसकी चर्चा पूरे जिले में जोर -शोर से चल रही है।

गाजीपुर: जल संचयन एवं संरक्षण के लिए जागरूकता रैली निकाली गई

गाजीपुर। शासन के निर्देश पर ब्लाक अंतर्गत गुरुवार को भूगर्भ जल के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। जिसमें परिषदीय विद्यालयों में जल संचयन एवं उसके संरक्षण के लिए जागरूकता रैली निकाली गई। बीईओ अशोक कुमार गौतम ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। छात्रों के बीच विषय कैच द रेन रखा गया है। जिसमें जल संरक्षण पर नौनिहालों एवं अन्य आमजन के बीच जन सभा आयोजित कर विभिन्न प्रतियोगिताएं भी कराई गई।

जल संरक्षण एवं उसके संचयन को लेकर आयोजित यह जागरूकता रैली ब्लाक के सभी विद्यालयों में आयोजित किया गया। जिसमें छात्र - छात्राएं हाथों तख्ती लिखा हुआ था। जिस पर जल संरक्षण व संचयन को लेकर विभिन्न तरह के स्लोगन लिखे हुए। यह जागरूकता रैली, विद्यालयों से शुरू होकर विभिन्न मार्गों, कस्बों गली मोहल्ले से विद्यालय परिसर में



आकर समाप्त हुई। इस मौके पर बीईओ अशोक कुमार गौतम ने कहा कि जल की प्रत्येक बूंद मानवता के लिए जरूरी है। इसको बढ़ाने का हमें भरसक प्रयास करना चाहिए। कहा कि इसको लेकर दूसरों को भी जागरूक करें। औद्योगीकरण तथा शहरीकरण के कारण तमाम तालाब, कूंए की संख्या कम होती जा रही हैं । कहा कि जल के बेवजह दोहन के चलते ही भूजल स्तर काफी तेजी से कम हो रहा है, जो गम्भीर विषय है। कहा कि अगर यही स्थिति रही तो भविष्य में भीषण जल संकट से सभी को जूझना पड़ सकता है। इससे बचने के लिए इसका संरक्षण व संचयन जरूरी है। पृथ्वी पर सभी के जीवन के लिए पानी आवश्यक है। उद्योग विस्तार, बढ़ते विकास, जनसंख्या वृद्धि और जलवायु संकट के कारण बढ़ते दबाव के कारण पानी की कमी एक वैश्विक चिंता बन गई है। इस अवसर पर भगवती प्रसाद तिवारी, सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, जयप्रकाश, डेजी शर्मा, सुनील कुमार, जयप्रकाश राय ,नेहा सिंह, मंजू पाल, कृष्णा नन्द, खालिद अली, आशीष कुमार, अशोक कुमार आदि मौजूद रहे।

कोतवाली पुलिस ने लूट का किया अनावरण, दो आरोपी गिरफ्तार

केटी न्यूज / बलिया

♦ नकदी के साथ सैमसंग का मोबाइल व बाइक बरामद
♦ बलिया रोडवेज के पास घटना को दिया था अंजाम

शहर कोतवाली पुलिस ने लूट के मामले में दो आरोपियों को गुरुवार को रामपुर उदयभान आईटीआई कालेज के पीछे बाग के पास से गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों का नाम सन्तोष सिंह पुत्र रविकांत सिंह निवासी जजौली थाना भीमपुरा व उदय सिंह पुत्र भीमल सिंह निवासी पटखौली थाना सुखपुरा है। दोनों आरोपियों के पास से 1200 रुपए नगद, एक मोबाइल सैमसंग व बिना नंबर प्लेट टीवीएस राइडर मोटसाइकिल बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों आरोपियों को संबंधित धाराओं में न्यायालय भेज दिया। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि दोनों आरोपियों में से संतोष सिंह के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट सहित जनपद के अलग-अलग थानों में लूट, धोखाधड़ी सहित दर्जनों मुकदमे दर्ज है।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि बीते 12 जुलाई को बलिया रोडवेज के पास मिड्ढा गांव की रहने वाली प्रमिला देवी जब ई-रिक्शा से उतर रही थी, तभी बदमाशों ने लूट की घटना को अंजाम दिया था।

पुलिस द्वारा महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करने के बाद शिद्दत से तफ्तीश में जुट गई थी। नतीजन गुरुवार को कोतवाली पुलिस ने रामपुर उदयभान आईटीआई कालेज के पीछे बाग के पास से गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों के पास से 1200 रुपए नगद, एक मोबाइल सैमसंग व बिना नंबर प्लेट टीवीएस राइडर मोटसाइकिल बरामद हुआ। इसके बाद दोनों को संबंधित धाराओं में न्यायालय भेज दिया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक आयोजित, दिए सख्त नर्देश

गाजीपुर में लगाए जाएंगे 41 लाख 80 हजार पौधे : डीएम

♦ पौधारोपण का विभागवार लक्ष्य व उसके सापेक्ष खुदे गढ्ढों की समीक्षा

केटी न्यूज/गाजीपुर

राइफल क्लब सभागार में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने पौधारोपण की विभागवार लक्ष्य व उसके सापेक्ष खुदे गढ्ढों की समीक्षा की गई। जनपद के अधिक लक्ष्य वाले विभाग ग्राम विकास, कृषि, उद्यान व अन्य विभागों के द्वारो गढ्ढा खुदान व पौध प्राप्ति के संबंध में जानकारी लेते हुए जिन विभागों द्वारा अभी पौधों का उठान नहीं हुआ है वह तत्काल नर्सरी से पौधों का उठाव करने के सख्त निर्देश



दिए। इसके साथ ही उन्होंने वृहद पौधरोपण अभियान को अधिक से अधिक जन सहभागिता के साथ सफल बनाने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि वृहद स्तर पर लोगों को पौध रोपित करने के लिए जागरूक किया जाए। वृहद पौधरोपण अभियान 2024 के अंतर्गत 20 जुलाई 2024 को जनपद में लगभग 41 लाख 80 हजार पौधरोपण किया जाएगा। इसी क्रम में वृक्षारोपण अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। जिसमें विभिन्न विभागों, शिक्षण संस्थाओं एवं आम जनमानस के साथ समन्वय स्थापित कर वृहद वृक्षारोपण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के आह्वान पर 20 जुलाई को प्रत्येक व्यक्ति अपनी मां के नाम एक वृक्ष अवश्य रोपित करें। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य, डीएफओ गाजीपुर जिला विकास अधिकारी सुभाष चन्द्र सरोज, परियोजना निदेशक राजेश यादव, डीसी मनरेगा एवं समस्त जनपद स्तरीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

@गाजीपुर : वन कैडेट वन प्लांट के तहत पीजी कॉलेज में लगाए गए पौधे

स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर में एनसीसी कैडेट्स ने गुरुवार को वन कैडेट वन प्लांट पौधरोपण अभियान के तहत परिसर में पौधरोपण किया। पौधरोपण अभियान की शुरूआत प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ०) राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने आम का पौधे लगाए। इस अवसर पर डॉ. पाण्डेय ने छात्र - छात्राओं को पौधरोपण एवं पौधा संरक्षण के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. पाण्डेय ने बताया कि पर्यावरण संतुलन के लिए हर विद्यार्थी को न्यूनतम एक पौधा लगाना ही नहीं बल्कि उसके संरक्षण का भी संकल्प लेना चाहिए। शहरों में रहने वाले लोग गमले में भी पौधरोपण कर सकते हैं। वहीं एनसीसी अधिकारी डॉ. रविशेखर सिंह ने बताया कि वन विभाग की ओर से उन्हें बच्चों को वितरित करने के लिए और महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण के लिए पौध उपलब्ध कराए गए हैं।

चंदौली के चहनियां ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ बीबीसी ने खोला मोर्चा,दिया आवेदन

केटी न्यूज / चंदौली

- जिलाधिकारी के समक्ष उपस्थित हो कर दिया अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस



जिले के चहनिया ब्लॉक में ब्लॉक प्रमुख की कुर्सी पर खतरा अभी भी मंडरा रहा है। भारतीय जनता पार्टी का समर्थक होने का दावा कर रहे 72 बीडीसी सदस्यों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर जाकर अरुण जायसवाल के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है और कहा है कि ब्लॉक प्रमुख मनमानी करते हैं और बिना बीडीसी के अनुमोदन के कार्य योजनाएं पास करवा ली जाती हैं और ब्लॉक में मनमाना काम कराया जाता है। इसलिए ब्लॉक प्रमुख पद की कुर्सी से उन्हें हटाया जाना चाहिए। चहनिया ब्लॉक प्रमुख की कुर्सी को लेकर फिर गहमा गहमी गुरुवार को देखने को मिली। जिलाधिकारी कार्यालय पर चहनिया ब्लॉक प्रमुख को हटाने के लिए कुल पांच बीडीसी सदस्यों ने अधिवक्ता के माध्यम से 72 क्षेत्र पंचायत सदस्यों के शपथ पत्र को पेश करते हुए ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिए जिलाधिकारी को पत्र सौंपा।

आपको बता दें कि चंदौली जनपद के चहनियां ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ लंबे समय से क्षेत्र पंचायत सदस्यों का आक्रोश देखने को मिल रहा है जिसका नतीजा है कि फिर से 72 क्षेत्र पंचायत सदस्यों के समर्थन वाला शपथ पत्र ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिए जिलाधिकारी को पांच क्षेत्र पंचायत सदस्यों की टीम ने अधिवक्ता के माध्यम से सौंपा है। शिकायत कर रहे क्षेत्र पंचायत सदस्यों का आरोप है कि चहनियां ब्लॉक में कुल 105 क्षेत्र पंचायत सदस्य निर्वाचित हैं, जिसमें से 72 क्षेत्र पंचायत सदस्य ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ हैं।

ब्लॉक प्रमुख द्वारा व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया है और बिना हम लोगों के अनुमोदन व सिग्नेचर के ही वहां कार्य योजनाएं पास कर दी जाती हैं। ऐसे ब्लॉक प्रमुख को पद से हटाना जरूरी है, जिससे चहनिया विकासखंड का विकास कार्य सुचारू रूप से हो सके। वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के अरुण जायसवाल ब्लॉक प्रमुख हैं और उनको हटाने के लिए अधिकतर क्षेत्र पंचायत सदस्य मुखर हैं, जिसका परिणाम है कि ब्लॉक में आए दिन गहमा गहमी रहती है। सबसे बड़ी बात है कि जहां भाजपा के ब्लॉक प्रमुख को हटाने के लिए क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने भाजपा का गमछा पहनकर अपने आप को भाजपाई बताते हुए उनको हटाने के लिए गुहार लगायी है। अब गेंद फिर से जिलाधिकारी के पाले में है। वह कब तक इस शपथ पत्र का परीक्षण करवाकर क्षेत्र पंचायत के सभी सदस्यों के परेड का समय देते हैं, यह देखने वाली बात होगी।

एक नजर

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी बदमाश घायल, गिरफ्तार

जौनपुर। थाना बक्शा, बदलापुर व थाना सुजानगंज की संयुक्त पुलिस टीम के साथ मुठभेड़ में अन्तर्जनपदीय 25 हजार का इनामियां बदमाश पुलिस मुठभेड़ में घायल। गोली से घायल बदमाश को पुलिस अभिरक्षा में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके कब्जे से पुलिस ने अवैध पिस्टल,लूट के आभूषण, नगदी एक अपाची मोटरसाइकिल बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक अजयपाल शर्मा के निर्देशन में अपराधियों पर लगातार शिकंजा कसता जा रहा है। अपराधिओं के विरूद्ध गिरफ्तारी के लिए चलाये जा रहे अभियान के तहत निरीक्षक बक्शा, निरीक्षक सुजानगंज व थानाध्यक्ष बदलापुर की पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर बुधवार की देर रात्रि में ग्राम गढा सैनी पुल के पास बदमाशों से हुई मुठभेड़ में आत्मरक्षार्थ पुलिस टीम द्वारा की गयी फायरिंग से एक अपराधी 25 हजार का इनामियां बदमाश अतुल गौड उर्फ राजा गौड पुत्र लहुरी गौड निवासी भूपियामऊ डिहवा थाना कोतवाली सिटी जनपद प्रतापगढ हाल पता भुईधरा बेलसडा थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर(27 वर्ष) के पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे तत्काल पुलिस अभिरक्षा में ईलाज के लिए अस्पताल भेजा गया तथा उसका एक साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने पकड़े गए बदमाश के कब्जे से एक 32 बोर पिस्टल व 03 खोखा कारतूस, 01 जिन्दा कारतूस, 02 सोने की चेन, 11400/- रुपया नगद लूट का व 01 अपाची मोटरसाइकिल बरामद किया है। एसपी ग्रामीण शैलेन्द्र कुमार सिंह द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार अभियुक्त 25 हजार रुपया का इनामियाँ अपराधी है तथा उसके विरुद्ध जनपद के थानों पर 30 मुकदमें पंजीकृत है।

सीएमओ ने शहरी क्षेत्र में संचारी एवं दस्तक अभियान किया निरीक्षण



जौनपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. लक्ष्मी सिंह नें शहरी क्षेत्र के मंडी अहमद खान मोहल्ले में आयोजित टीकाकरण सत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने सत्र पर उपलब्ध वैक्सीन, ड्यू लिस्ट तथा लॉजिस्टिक्स इत्यादि का निरीक्षण किया। एएनएम द्वारा ड्यू लिस्ट को अपडेट किया गया था तथा ड्यू लिस्ट के अनुसार बच्चों को टीका लगाया जा रहा था एवं विटामिन ए की खुराक दिया जा रहा था। निरीक्षण के समय कुल पांच बच्चों को टीका लगाया गया था तथा विटामिन ए की खुराक दिया गया था। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने मोहल्ले में भ्रमण कर जनपद में चलाए जा रहे संचारी एवं दस्तक अभियान का स्थलीय निरीक्षण किया। मोहल्ले में साफ-सफाई अच्छी थी एवं एंटी लारवा का छिड़काव कराया गया था। नगर पालिका कर्मी द्वारा एक स्थान पर कूड़ा डंपिंग को लेकर उन्होंने निर्देशित किया कि कूड़ा की डंपिंग शहर के बाहर करें तथा तत्काल डंप किए गए कूड़े को हटवाया जाय। आशा द्वारा घर-घर भ्रमण कर दिमागी बुखार एवं डेंगू, मलेरिया, फाइलेरिया, क्षय रोग, कुष्ठ रोग एवं कालाजार रोग के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा था। आशा द्वारा मच्छरों के प्रजनन स्थलों की जांच किया जा रहा था तथा लोगों को मच्छर प्रजनन स्थलों जैसे कूलर, टिन के पात्र, गमले, टायर, टूटे-फूटे बर्तनों इत्यादि में जमा हुए पानी को सप्ताह में एक दिन बदलने के लिए जागरूक किया जा रहा था। परिवार के सभी लोगों की आभा आईडी आशा द्वारा बनाई जा रही थी। स्टॉप डायरिया कैपेन के अंतर्गत दस्त के लक्षण वाले 5 साल से छोटे बच्चों को चिन्हित किया जा रहा था। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने निर्देशित किया कि आवश्यकता अनुरूप ओ0आर0एस0 पैकेट एवं जिंक की टेबलेट लोगों को अवश्य उपलब्ध कराएं ताकि डायरिया के प्रसार को रोका जा सके। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने आम जनमानस से अपील किया है कि वह संचारी एवं दस्तक अभियान में सहयोग देकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायता करें। इस अवसर पर अर्बन पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पवन कुमार यादव, सहायक जिला मलेरिया अधिकारी संजीव कुमार मिश्रा, एनएचएम कोऑर्डिनेटर प्रवीण पाठक एवं यूनिसेफ से डीएमसी गुरदीप कौर उपस्थित रहे।

खबरें फटाफट

20 तक 5370283 पौधों का रोपण कार्य अवश्य पूरा करें : जिलाधिकारी

जौनपुर। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में वृक्षारोपण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने समस्त विभागों से वृक्षारोपण के लिए आवंटित पौधों के संदर्भ में लक्ष्य के सापेक्ष अब तक रोपे गए पौधों की जानकारी ली और वृक्षारोपण के लिए नोडल अधिकारियों को नामित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को इसमें लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए और सख्त निर्देश दिये कि लापरवाही बरतने पर सम्बन्धित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जायेगी। वृक्षारोपण के लिए गड्ढा खोदान की जानकारी ली और कहा कि जहाँ भी वृहद स्तर पर पौधे लगाए जाएंगे उन वाटिकाओं के नाम शहीद/स्वतंत्रत सेनानियों के नाम पर रखे जाएं। उन्होंने 23 जुलाई से 25 जुलाई तक पौधारोपण का सत्यापन कर लेने के निर्देश दिये और कहा कि इनके जियो टैगिंग भी कर ली जाए। 20 जुलाई तक सभी आवंटित लगभग 5370283 पौधा का रोपण कर लेने के निर्देश सम्बन्धित विभागों को दिए गये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, डीएफओ प्रवीर खरे, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी यादव, डीसी मनरेगा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पादरी बाजार और औरंगाबाद में सीएफसी खोलने की प्रक्रिया जारी

सीएम योगी स्वयं बने टेराकोटा शिल्प के सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर

- ओडीओपी में शामिल होने के बाद टेराकोटा शिल्प को मिली संजीवनी
- सीएफसी से और परवान चढ़ेगा टेराकोटा शिल्प का कारोबार
- टेराकोटा कारीगरों के लिए सिडबी भी बना रहा कॉमन फैसिलिटी सेंटर

केटी न्यूज/ गोरखपुर



गोरखपुर की खास पहचान में टेराकोटा शिल्प के उत्पाद भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सात साल पहले टेराकोटा को ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) योजना में शामिल किए जाने के बाद से ही मिट्टी के इस शिल्प का कारोबार दिनोंदिन आगे बढ़ रहा है। अब कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) के जरिये टेराकोटा कारोबार और परवान चढ़ेगा। जिला उद्योग केंद्र की तरफ से दो सीएफसी पहले से प्रकिया में हैं और अब सिडबी (भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक) के साथ मिलकर एक स्वयंसेवी संस्था सेफ सोसायटी ने भी इसके लिए पहल की है। सिडबी की तरफ से गुलरिहा के भरवलिया में सीएफसी खोले जाने पर काम शुरू हो चुका है। इससे टेराकोटा कारीगरों को काफी सहूलियत मिलेगी। जिला उद्योग केंद्र की तरफ से पादरी बाजार और औरंगाबाद में सीएफसी खोलने की प्रक्रिया जारी है। भरवलिया में बन रहे टेराकोटा के कॉमन फैसिलिटी सेंटर के इस माह के अंत तक चालू हो जाने की उम्मीद है। यहां शिल्पकारों को हर तरह के काम के लिए सिंगल प्वाइंट ऑफ कॉन्टैक्ट होगा। सेफ सोसायटी के चेयरमैन वैभव शर्मा ने बताया कि टेराकोटा को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जो पहल की है, उसी से प्रेरित होकर सीएफसी बनाई जा रही है। इस सीएफसी पर पर इलेक्ट्रिक भट्ठी, कारीगरों को प्रशिक्षण और तैयार माल को बाजार उपलब्ध कराने की सुविधा मिलेगी।

सिडबी लखनऊ रीजन के जनरल मैनेजर मनीष सिन्हा का कहना है कि टेराकोटा की सीएफसी खुलने से नए तरीके की ट्रेनिंग, नई तकनीक से उत्पाद को तैयार करने में सहूलियत होगी। यही नहीं कम लागत और कम समय में ज्यादा माल तैयार हो सकेगा। मिट्टी के बर्तन या अन्य उत्पाद को पुराने तरीके से पकाया जाता है तो तकरीबन 18 घंटे से ज्यादा समय लगता है और यदि इसे सीएफसी के टनलभट्ठी में पकाया जाता है तो एक ट्राली टेराकोटा तीस मिनट में पककर तैयार हो जाता है। उन्होंने बताया कि सीएफसी से काम कर रहे शिल्पकारों को कारोबारी लाभ होगा तो इस क्षेत्र में नए लोग भी ट्रेनिंग लेकर कारोबार से जुड़ सकेंगे। मनीष सिन्हा ने बताया कि सीएफसी का संचालन दो साल तक सिडबी की तरफ से किया जाएगा। इसके बाद एसपीवी (स्पेशल पर्पज व्हीकल) बनाकर इसे लाभार्थी शिल्पकारों को हैंडओवर कर दिया जाएगा। सात साल पहले तक रंगत खो रहे टेराकोटा शिल्प को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी ओडीओपी योजना की संगत मिली तो इस मिट्टी का रंग और चटक होता गया। कभी अक्सर खाली बैठने वाले टेराकोटा शिल्पकारों के पास अब सालभर काम की भरमार है। दीपावली जैसे पर्व पर उन्हें छह माह पहले गई ऑर्डर मिल जाते हैं।

उद्यम में बदल गया टेराकोटा शिल्प

टेराकोटा शिल्प को उद्यम में बदलने के लिए सीएम योगी ने इसे बहुआयामी और महत्वाकांक्षी ओडीओपी योजना में शामिल किया। ओडीओपी में शामिल होने के बाद टेराकोटा शिल्पकारों को संसाधनगत, वित्तीय व तकनीकी मदद तो मिली ही, सीएम की अगुवाई में ऐसी जबरदस्त ब्रांडिंग हुई कि इसके बाजार का अपार विस्तार हो गया। मुख्यमंत्री खुद तमाम मंचों से टेराकोटा की ब्रांडिंग करते हैं। एक तरह से इसके ब्रांड एम्बेसडर खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं। इलेक्ट्रिक चाक, पगमिल, डिजाइन टेबिल आदि मिलने से शिल्पकारों का काम आसान और उत्पादकता तीन से चार गुना हो गई।

तीस फीसदी से अधिक नए लोग जुड़े टेराकोटा के कारोबार से

वर्तमान में टेराकोटा के मूल गांव औरंगाबाद के साथ ही गुलरिहा, भरवलिया, जंगल एकला नंबर-2, अशरफपुर, हाफिज नगर, पादरी बाजार, बेलवा, बालापार, शाहपुर, सरैया बाजार, झुंगिया, झंगहा क्षेत्र के अराजी राजधानी आदि गांवों में टेराकोटा शिल्प का काम वृहद स्तर पर चल रहा है। ओडीओपी में शामिल होने के बाद बाजार बढ़ने से करीब 30-35 फीसद नए लोग भी टेराकोटा के कारोबार से जुड़े हैं।

हजरत हुसैन ने करबला में भी नमाज नहीं छोड़ा: मौलाना मजहर उल हक

जौनपुर। नगर के मोहल्ला केरारकोट बलुआघाट में स्थित मस्जिद ए सहाबा में अंजुमन रसूलिया की ओर से दस मोहर्रम के अवसर पर ऐतिहासिक शहादतनामा जलसा फजाएल ए सहाबा के आयोजन बुधवार की रात को किया गया। जिसकी शुरूआत मौलाना मोहम्मद अजवद कासमी ने तिलावत ए कुरआन से किया। जलसे का अध्यक्षता नूरुद्दीन अंसारी ने की और नात ए पाक का नजराना शायर मोनिस जौनपुरी ने पेश किया। इसके अतिरिक्त शायर अकरम जौनपुरी,अहमद अजीज गाजीपुरी,शहजाद जौनपुरी,कारी महमूद बलियावी ने नात व मनकबत के अशआर प्रस्तूत किये जिससे श्रोताओं ने भरपूर आनंद लिया और वाह वाह,सुब्हान अललाह की सदाओं से मस्जिद का प्रांगण गूंज उठा। जलसा को संबोधित करते हुए मौलाना मजहर उल हक कासमी ने कहा कि हजरत हुसैन रजि जो नवास ए रसूल हैं उन्होंने मैदान ए करबला में हक की खातिर अपनी और अपने घर वालों की कुरबानी दे दी मगर जुलम व जबर के सामने अपने स ्को नहीं झुकाया। मौलाना ने कहा कि हजरत हुसैन रजि ने मैदान ए कर्बला में भी नमाज से रिश्ता नहीं तोड़ा हम उनसे मोहब्बत का दम भरते हैं तो हमें भी चाहिए कि हम पांच वक़्त की नमाज की पाबंदी करें। प्रोग्राम का संचालन अजवद कासमी ने किया। इस अवसर पर आरिफ हबीब खान, मजहर आसिफ, लाल मोहम्मद राईनी, कमालुद्दीन अंसारी, अजीज फरीदी, कमर जौनपुरी, मुख़्तार मंसूरी, साहिल खान, मोहम्मद तबरेज, अंसार इदरीसी, शहजादे खान समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

दो महीने से बिजली न आने से परेशान सैकड़ो ग्रामीण पहुंचे डीएम कार्यालय

केटी न्यूज/ जौनपुर

दबंगो की दबंगई से नाराज सैकड़ो लोग कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे। गांव के सरोज बस्ती की बिजली काटने की शिकायत लेकर सैकड़ो महिला पुरुष डीएम कार्यालय पहुंचे।गांव के ही दबंग प्रधान प्रतिनिधि व प्राइवेट लाइन मैन के खिलाफ सीडीओ को शिकायती पत्र दिया है। तहसील मड़ियाहूं के थाना सिकरारा क्षेत्र के गांव बरौली के सैकड़ो महिला पुरूष डीएम कार्यालय पहुंचे।ग्रामीणों का आरोप है कि गांव की प्रधान जगपति देवी है।उनके ही दबंग प्रतिनिधि बृजमोहन यादब के सह पर प्राइवेट लाइन मैन संतोष कुमार यादव सरोज बस्ती की बिजली काट देता है।और बिजली जोड़ने के नाम पर 500 रुपये प्रति घर से लेता है।ऐसा वह बार बार करता है।रुपये न देने पर पिछले दो महीने से सरोज बस्ती की बिजली काट दी गयी है तथा ग्रामीणों का आरोप है कि प्रधान प्रतिनिधि बृजमोहन यादव द्वारा ट्रांसफार्मर को बिजली विभाग से मिलकर हटवा दिया है।जिसकी शिकायत गांव वालों ने थाना सिकरारा में दिया है ।लेकिन सात दिन बाद भी कोई कार्यवाही नही हुई। फिलहाल सभी ग्रामीण सीडीओ साई तेजा सीलम से मिले है।

बोल बम का नारा लगाते कांवरिये चले बाबा बैद्यनाथ धाम

केटी न्यूज / चंदौली



बोल बम का नारा है,बाबा एक सहारा है। बाबा नगरिया दूर है, जाना जरूर है।" वर्ष 2024 के श्रावण मास की शुरूआत होने को है। ऐसे में कांवर लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम जाकर भोलेनाथ को जलाभिषेक के लिए जाने वाले कांवरियों के जाने की शुरूआत हो गई है। अभी से कांवरिये बाबाधाम के लिए जाने लगे हैं। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर कांवरियों के पहुंचने का सिलसिला जारी हो गया गया। दूर दराज से कांवरिये भगवा रंग के कपड़े और कांवर लिए स्टेशन पहुंच रहे हैं। विदित हो कि श्रावण मास में बाबा भोलेनाथ पर जलाभिषेक की परंपरा है। जिसके तहत लाखों की संख्या में कांवर लेकर शिवभक्त झारखंड के बाबा बैद्यनाथ धाम जाते हैं। इसके लिए विभिन्न रेलवे स्टेशनों से ट्रेन पकड़ कर पहले सुल्तानगंज जाया जाता हैं। जहां से उत्तरवाहिनी गंगा से जल लेकर उसे कांवर के दोनों तरफ लटकाकर कांवर को कंधे पर लेकर लगभग 90-95 किलोमीटर पैदल यात्रा करनी होती है। जिसके बाद कांवरिये बाबा के दरबार में पहुंचकर जलाभिषेक करते हैं। सोमवार को जलाभिषेक का खास महत्व है। ऐसे में 2024 के श्रावण मास का पहला सोमवार 22 जुलाई को पड़ रहा है। पहले सोमवार को जलाभिषेक के लिए कांवरिये अभी से सुल्तानगंज के लिए निकलने लगे हैं।



भ्रमण पथ मार्ग में रामायण काल के पौधे भी लगाएं जाएंगे

सरयू में स्नान कर सीधे रामलला के मंदिर पहुंच सकेंगे भक्त

- इसी साल बनकर तैयार हो जाएगा भ्रमण पथ
- विश्वनाथ धाम की तर्ज पर सरयू नदी से सीधे जुड़ जाएगा श्रीराम मंदिर

केटी न्यूज/ अयोध्या



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप सरकार ने नव्य-भव्य श्रीराम मंदिर तक पहुंचने वाले जन्मभूमि पथ, रामपथ और भक्ति पथ के बाद अब भ्रमण पथ का एक चौथाई कार्य पूरा कर लिया गया है। ये भ्रमण पथ अब काशी में गंगा और विश्वनाथ धाम को जोड़ने की तर्ज पर सरयू नदी से राम मंदिर को जोड़ेगा। इसके बन जाने के बाद रामभक्त सरयू स्नान के बाद सीधे रामलला के दर्शन के लिए पहुंच सकेंगे। इस योजना पर लगभग 23.38 करोड़ रुपए खर्च हो रहा है। यह पथ सरयू नदी के घाटों से होते हुए राजघाट तक, राजघाट से भगवान श्रीराम के मंदिर तक बनाया जा रहा है। इस पथ में हेरिटेज टाइल्स, पत्थरों की परत के साथ मार्ग की दीवारों पर भगवान राम के जीवन चरित्र के प्रसंगों को पेंटिंग के माध्यम से उकेरा जा रहा है। सुंदरीकरण और जीर्णोद्धार का यह कार्य यूपी प्रॉजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।हेरिटेज टाइल्स को सुरूचि पूर्ण और टिकाऊ माना गया है। यह भारत के प्रमुख वास्तुकारों की पहली पसंद है। यह टाइल्स मजबूत बोर्ड लाइन और निश्चित आकार के लिए प्रसिद्ध है। अनोखा लुक और एक विशिष्ट क्षेत्र को उजागर करने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। इसी के साथ पत्थरों का प्रयोग बाहरी और अंदर की दीवारों पर किया जाता है। इसके लगाने से पत्थर से ढकी मजबूत चहारदीवारी दिखाई पड़ती है। यह दीवार को धूप, बारिश, हवा, बढ़ते और घटते तापमान के साथ प्रदूषण से भी बचाती है। इसी के बीच-बीच में भगवान राम के जीवन चरित्र के प्रसंग को पेंटिंग के माध्यम से चित्रित किया जा रहा है।

अन्य मार्गों पर दबाव होगा कम

पर्यटन विभाग की योजना है कि श्रद्धालु और पर्यटक सरयू नदी में स्नान करने के बाद कई मार्गो से मंदिर तक पहुंच सकें। इससे भीड़ का दबाव भी एक मार्ग पर कम हो जाएगा। अभी तक की योजना में राम पथ होते हुए भक्ति और जन्मभूमि पथ के जरिए श्रद्धालु और पर्यटक जा रहे हैं, लेकिन भ्रमण पथ बन जाने के बाद सरयू नदी में स्नान करने के बाद सीधे राम जन्मभूमि परिसर तक जाया जा सकेगा। जानकारी के मुताबिक इसके बीच में कुछ मीटर पंचकोसी परिक्रमा मार्ग भी पड़ता है।

सुभाषितम्

हम अपनी आशा के अनुसार मनुष्य के ज्ञान का न्याय करते हैं। - राल्फ वाल्डो इमर्सन

उत्तर प्रदेश भाजपा में मचा बवाल मंत्रिमंडल और संगठन में फेरबदल?

उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी में इन दिनों घमासान मचा हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुलाकात राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से हुई है। वहीं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को दिल्ली बुलाया गया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी लंबी बातचीत हुई है। लोकसभा चुनाव के बाद जिस तरह की स्थिति उत्तर प्रदेश भाजपा में देखने को मिल रही है उसमें मुख्यमंत्री पद को लेकर घमासान होने की बात सामने आ रही है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। वह लगातार दिल्ली में सक्रिय रहकर मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए दावा कर रहे थे। इसके लिए भाजपा के कई केंद्रीय नेताओं का उन्हें समर्थन भी मिल रहा था। यही कारण रहा है कि वह बहुत उत्साहित नजर आ रहे थे। उन्होंने सीधे-सीधे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ बगावत शुरू कर दी थी। वहीं दूसरी तरफ सीएम योगी आदित्यनाथ किसी भी कीमत में मुख्यमंत्री का पद छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं। योगी के हठ को देखते हुए केंद्रीय नेतृत्व ने भी उनके सामने हथियार डाल दिए हैं। अब हद यह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केशव प्रसाद मौर्य को मंत्रिमंडल से हटाने की जिद पकड़ ली है। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में जिस तरह से केशव प्रसाद मौर्य ने सरकार से बड़ा संगठन है, कहकर सियासी संग्राम को आर-पार की स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है। उत्तर प्रदेश में सरकार और संगठन के बीच में जो रस्सा-कसी देखने को मिल रही है। उसके बाद यह माना जा रहा है, कि मुख्यमंत्री के पद पर तो योगी आदित्यनाथ बने रहेंगे, लेकिन केशव प्रसाद मौर्य उत्तर प्रदेश के मंत्रिमंडल से हटाए जाएंगे। उन्हें संगठन में लाया जा सकता है। यह भी हो सकता है, कि उन्हें उत्तर प्रदेश की राजनीति से हटाकर केंद्रीय राजनीति में सक्रिय किया जाए। इस राजनीतिक उठापटक के बीच ही उत्तर प्रदेश में जल्द ही 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना हैं। इनमें से 9 सीटों पर भाजपा काबिज थी। यह उपचुनाव भारतीय जनता पार्टी के लिए जीतना बहुत जरूरी हो गया है। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो इसका असर तीन राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में पड़ना तय है। भविष्य में भी भाजपा के उत्तर प्रदेश में कमजोर होने से राष्ट्रीय स्तर पर भी पार्टी को नुकसान उठाना पड़ेगा। संभवतः इस वजह से भी केशव प्रसाद मौर्य पद और प्रतिष्ठा की इस लड़ाई में अलग-थलग पड़ गए हैं। इसमें उन्हें अपने राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा नुकसान होने जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई में जिस तरह का घमासान मचा हुआ है। आने वाले उपचुनाव में इसका खामियाजा भारतीय जनता पार्टी को भुगतना पड़ सकता है। केंद्रीय नेताओं ने अब जाकर इसे समझा है। पर इससे क्या, क्योंकि राजनीतिक गलियारे में तो इसे लेकर जमकर घमासान हो चुका है और उसे न सिर्फ राज्य ने बल्कि पूरे देश ने भी देखा और पढ़ा है। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों को देखते हुए भाजपा देश की राजनीति को उत्तर प्रदेश पर केंद्रित करना चाह रही थी, लेकिन उसके बाद जो हुआ वह कहीं से भी पार्टी के हित में नहीं था। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा पहले इस विवाद की आग में घी डालने का काम किया गया था। अब आग बुझाने के प्रयास किये जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में चल रहे इस विवाद में किस हद तक भाजपा सरकार और संगठन को हुए नुकसान होने से बचा पाती है। इसका फैसला भविष्य ही तय करेगा।

चिंतन-मनन

सुख की उपेक्षा क्यों?

मेरे पास लोग आते हैं। जब वे अपने दुख की कथा रोने लगते हैं, तो बड़े प्रसन्न मालूम होते हैं। उनकी आंखों में चमक मालूम होती है। जैसे कोई बड़ा गीत गा रहे हों! अपने घाव खोलते हैं, लेकिन लगता है जैसे कमल के फूल ले आए हैं। सुख की तो कोई बात ही नहीं करता। और ऐसा नहीं है कि सुख नहीं है; हम सुख पर पर ध्यान नहीं देते हैं। हम दुःख-दुख चुन लेते हैं; हम सुख की उपेक्षा कर देते हैं। फिर जिसकी उपेक्षा कर देते हैं, स्वभावतः धीरे-धीरे वह दूर चला जाता है और जिसमें हम रस लेते हैं वह पास होता चला जाता है। संतों की बात तुम्हें तभी जमेगी, रुचेगी, भली लगेगी, प्रीतिकर मालूम होगी-जब तुम दुख को पकड़ना छोड़ दोगे; जब तुम जागोगे और सुख की सचेष्ट खोज शुरू करोगे। तुम्हारे भीतर अगर अभी भी दुख को पकड़ने का आयोजन चल रहा है, तो संतों के वचन तुम्हारे कानों में गूजेंगे और खो जाएंगे। तुम्हारे हृदय तक नहीं पहुंचेंगे। क्योंकि संतों के वचनों में बड़ा सुख भरा है। तुम सुखोन्मुख हो जाओ, तुम आनंद की खोज में लग जाओ; तो ये एक-एक शब्द ऐसे जाएंगे तुम्हारे भीतर जैसे तीर चले जाएं। और ये एक-एक शब्द तुम्हारे भीतर ऐसे-ऐसे हजार-हजार फूल खिला देंगे, जैसे कभी न खिले थे। तुम्हारे भीतर बड़ी रोशनी होगी। ये छोटे-छोटे शब्द हैं। मगर ये बड़े सार्थक शब्द हैं। सुनो-ह्यबोलू हरिनाम तू छोड़ि दे काम सब, सहज में मुक्ति होई जाय तेरी।काम यानी कामना। काम यानी वासना। काम यानी इच्छा, तृष्णा। यह मिले वह मिले-कुछ मिले! जब तक हम मिलने की दौड़ में होते हैं, हम भिखमंगे होते हैं। और जब तक हम भिखमंगे होते हैं, तब तक परमात्मा नहीं मिलता। परमात्मा भिखमंगों को मिलता ही नहीं। परमात्मा सम्राटों को मिलता है। परमात्मा उनको मिलता है जो अपने मालिक है। परमात्मा उनको मिलता है जो कुछ मांगते ही नहीं। असल में वे ही परमात्मा को मांगने में कुछ सफल हो पाते हैं, जो और कुछ नहीं मांगते। जिन्होंने कुछ और मांगा, वे परमात्मा को कैसे मांगेंगे। वह जबान फिर परमात्मा को मांगने के योग्य न रह गई। वह जबान अपवित्र हो गई।

क्या यह हिंदुत्ववादी राजनीति के दौर का अन्त है?

-प्रो प्रदीप माथुर

जो लोग हिंदुत्व और हिन्दू धर्म में क्या अंतर है यह नहीं जानते उनके लिए पहले दोनों शब्दों का अर्थ समझना बहुत आवश्यक है। भारत की बहुसंख्या जनता का सनातन धर्म जिसे हम हिन्दू धर्म कहते है मानवता के समस्त मूल्यों और जीवन के उच्च आदर्शो को अपने में समाहित करता है। वैचारिकता, बौद्धिकता और आध्यात्मिक चिंतन उसके अभिन्न अंग है। वह मानव मात्र को समान मानता है और वसुधैव कुटुम्ब यानि विश्व एक परिवार समान है उसका उदारवादी, सहिष्णु और सर्वग्राहों चरित्र परिभाषित करता है। इसके ठीक विपरीत हिंदुत्व एक अबौद्धिक, अतार्किक और पूर्वग्राही मानसिकता का प्रतीक है। वह सनातम धर्म का सकीर्ण साम्प्रदायिक रूढ़िवादी और क्रूर रूप से आक्रमक एक विकृत स्वरूप है। वास्तव में हिंदुत्ववादी मनोवृत्ति सनातन हिन्दू धर्म का उसी तरह हानि पहुंचा रही है जैसे तालिबानी विचारधारा इस्लाम धर्म की छवि गिरा कर उसका नुकसान कर रही है। एक राजनीतिक रणनीति के रूप में हिंदुत्ववादी विचारधारा को अपनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भाजपा आज भारत में राज्य सत्ता के शीर्ष पर है। 2024 के चुनावों से पहले बड़ा सवाल यह था कि क्या हिंदुत्व मोदी को अगला कार्यकाल दिलाने में मदद करेगा? यह सवाल दो कारणों से महत्वपूर्ण था। पहला, मोदी, अमित शाह और गुजरात लॉबी के उनके साथियों के हाथों में हिंदुत्व जादू की छड़ी की तरह काम कर रहा था। दूसरा यह कि गुजरात लॉबी देश की आर्थिक प्रगति और मोदी सरकार के कार्यकाल में बढ़ी भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि के बारे में जो भी दावे करती रही हो, हर कोई जानता था कि भाजपा अंततः चुनाव जीतने के लिए सांप्रदायिक प्रचार पर निर्भर करेगी, जैसा कि उसने कर्नाटक और अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों में किया था। इसमें कोई संदेह नहीं कि चुनाव जीतने के लिए हिंदुत्व पार्टी का सबसे विश्वसनीय और घातक हथियार रहा है। इसलिए, हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों के नतीजों का आकलन करते समय, यह जानना स्वाभाविक है कि क्या हिंदुत्व अभी भी एक सफल रणनीति है या इसने जनता के बीच अपनी अपील खो दी है। यह सवाल इसलिए और भी प्रासंगिक है क्योंकि अयोध्या और उसके आसपास भाजपा की करारी हार हुई है और हिंदुत्व के केंद्र वाराणसी में मोदी के लिए विजय का अंतर काफी कम हो गया है। फिर प्रधानमंत्री को निकट सहयोगी स्मृति इरानी तो चुनाव हार ही गयी। लगभग 26 विपक्षी दलों के इंडिया नाम के संयुक्त मोर्चे में शामिल होने के बाद, मोदी की बीजेपी के लिए चुनौती पिछले दो लोकसभा चुनावों की तुलना में कहीं ज्यादा कठिन थी। मोदी को यह पता था, लेकिन फिर भी उनका मानना था कि, बहुसंख्यक हिंदुओं को उनकी आस्था के आधार पर भावनात्मक कार्ड खेलकर आसानी से बहकाया जा सकता है। लगभग सभी राजनीतिक पर्यवेक्षकों और विश्लेषकों का मानना था, और यह सही भी था कि बीजेपी नेतृत्व 2024 के चुनावों में भी जीत हासिल करने के लिए एक नया सांप्रदायिक कार्ड लेकर आएगा। और बीजेपी ने यही किया था। पर राम मंदिर का उद्घाटन, जो भाजपा की चुनावी मदद के लिए सही समय से पहले किया गया था, काम नहीं आया। मतदाताओं द्वारा राम मंदिर उद्घाटन को अस्वीकार किए जाने से हैरान मोदी और वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने चुनाव प्रचार के दौरान कई अन्य सांप्रदायिक कार्ड खेले और चुनाव आयोग मुह फेर कर बैठा रहा। राम मंदिर के बाद कृष्ण जन्मभूमि में ईदगाह मस्जिद, समान नागरिक संहिता और ज्ञानव्यापी मस्जिद का मुद्दा उठाया गया और बिहार के सीतामढ़ी में सीता माता के एक बड़े मंदिर के निर्माण की बात हुई। यह भगवान राम की पत्नी का जन्म स्थान माना जाता है। यह स्पष्ट था कि भाजपा हिंदुत्व के मुद्दे पर चुनाव लड़ रही थी। भाजपा के अंदर और बाहर मोदी के अंधभक्तों को यकीन था कि यह कामयाब होगा और उनका साथ देने के लिए मोदी समर्थक राष्ट्रीय मीडिया और मुखर लेकिन राजनीतिक रूप से अनभिज्ञ, शिक्षित मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग के लोग मौजूद थे। लेकिन दुर्भाग्यवश भाजपा के लिए कुछ भी काम नहीं आया।

मोदी भक्त चुनाव परिणामो से निराश हुए क्योंकि वे तथ्यों के आधार पर नहीं, बल्कि अंध विश्वास के आधार पर मोदी की अजेयता के बारे में आश्वस्त थे। वास्तविकता यह है कि वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव भाजपा को कुल पड़े वोटों का सिर्फ 37.46 और 37.25% वोट ही मिला था। मोदी सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर असंतोष के रहते, सांप्रदायिक कार्ड के खुलेआम इस्तेमाल के बावजूद 2024 के चुनावों में यह आंकड़ा घटकर 36.56 प्रतिशत रह गया। कठोर तथ्य यह है कि भाजपा को 80% में से सिर्फ 37 % हिन्दू वोट ही मिले, जो हिंदुओं ने अपनी आनुपातिक आबादी के हिसाब से डाले होंगे। इसका मतलब यह है कि हिंदुत्व कार्ड के बावजूद 2014 और 2019 के चुनावों में करीब 43% हिंदुओं ने भाजपा को वोट नहीं दिया था। वर्ष 2024 के चुनावो में भाजपा को वोट न देनेवालो की संख्या और भी बढ़ गयी। पर वर्ष 2024 के चुनाव में भाजपा का हिंदुत्व कार्ड क्यों काम नहीं आया? दरअसल हिंदुत्व एक चुनावी रणनीति है जो भावनाओं को आकर्षित करती है। अब इसमें दो समस्याएं हैं। भावनाओं को कुछ समय के लिए बहुत उकसाया जा सकता है। लेकिन ऐसी भावनाएं मानव मन की स्थायी पूंजी नहीं होती हैं। एक बार जब ऐसा कोई व्यक्ति शांत हो जाता है तो वह तर्कसंगत सोच पर वापस आ जाता है। वर्ष 2013 में, पश्चिमी यूपी के जिलों में सांप्रदायिक की आग भड़क उठी थी, जिसके कारण हिंदुओं और मुसलमानों के बीच बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। वर्ष 2021 में, दोनों समुदायों ने तीन कृषि कानूनों के विरोध में हाथ मिलाया और आठ साल पहले एक-दूसरे के खिलाफ लड़ने के तथ्य पर सार्वजनिक रूप से खेद व्यक्त किया। अल्पसंख्यकों के खिलाफ भाजपा नेताओं के लगातार नफरत भरे अभियान के बावजूद, तमाम लोग जिनमे भाजपा के कुछ कार्यकर्ता भी है अब कह रहे हैं कि नफरत भरा अभियान बंद होना चाहिए। इसके अलावा, अब इससे भाजपा को चुनावी लाभ मिलना भी बंद हो गया है जैसा कि हमने कर्नाटक सहित कई राज्यों के चुनाव और उप चुनावो में देखा। वर्ष 2024 के चुनावी नतीजों से यह स्पष्ट हो गया है कि हिंदुत्व कार्ड अब कोई प्रभावी हथियार नहीं रहा है। साथ ही साथ यह भी स्पस्ट हो गया की न ही मोदी अजेय हैं और न ही वह भारतीय राजनीति के कोई युग पुरुष हैं यह कहना भी सही नहीं है कि आरएसएस की महान संगठनात्मक ताकत ही जीत का कारण है। सच तो यह है कि न तो हिंदुत्व और न ही मोदी की छवि कोई जादू की छड़ी है। विपक्ष की कमजोरी, भ्रम और आपसी कलह की वजह से ही मोदी इस मुकाम पर पहुंचे कि उन्हें महानायक की छवि हासिल हो गई। नेपोलियन बोनापार्ट ने कहा था कि उन्हें फ्रांस का ताज जमीन पर पड़ा मिला और उन्होंने उसे उठा लिया। इसी तरह मोदी को भी प्रधानमंत्री पद थाली में सजाकर विपक्ष ने 2014 में दिया था। दरअसल पिछले दो चुनावों में भाजपा की जीत विपक्षी खेमे में गहरी फूट और कांग्रेस द्वारा किसी अनुभवी नेता के नेतृत्व में निर्णायक लड़ाई लड़ने में विफलता के कारण हुई है। इसके अलावा उत्तर भारत में विपक्षी दलों ने गठबंधन बनाने और चुनाव प्रचार के मुद्दे उठाने में रणनीतिक गलतियां भी कीं अपनी गलतियों का एहसास होने और हर तरह की बेइज्जती और दबाव झेलने के बाद विपक्षी नेता अब संयमित हो गए हैं। उन्होंने अपने अहंकार और महती महत्वकांक्षाओं को दबा लिया है। कांग्रेस को भी अब नेहरू गांधी परिवार से बाहर का एक अध्यक्ष मिल गया है, जिससे भाजपा को अपने मुख्य विपक्षी दल पर हमला करने का सुविधाजनक मंच नहीं मिल पाया है। और इसके अलावा, 26 पार्टियां भाजपा सरकार को सत्ता से बाहर करने के एक सूत्री एजेंडे पर यही यह भाजपा के हिंदुत्ववादी एजेंडे के अंत का शंखनाद है।

यूपी ने बजा दी भाजपा की पीपी

- राकेश अचल



पहले कहावत थी कि - माया महा ठगिनी हम जानी अब कहा जाता है कि - सत्ता महा ठगिनी हम जानी। यूपी यानी हमारा प्यारा उत्तर प्रदेश एक बार फिर महारथियों के गले की हड्डी कहिये या गले की फांस बन गया है। 2024 के आम चुनाव में इसी यूपी में चारों खाने चित हुई भाजपा की समझ में नहीं आ रहा है कि वो देश की सत्ता के इस प्रवेश द्वार का चौकीदार बदलें या रहने दें ? यूपी में आने वाले दिनों में एक साथ विधानसभा की 10 सीटों के उप चुनाव भी होना है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को नाथने के लिए मोशा की जोड़ी ने पिछले 7 साल में क्या कुछ नहीं किया। यूपी के एक राजपथ पर नमो ने मुख्यमंत्री योगी को सार्वजनिक रूप से अपनी जीप के पीछे कदमताल कराई थी। देश के इतिहास में देश के सबसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री की ये पहली सार्वजनिक बेइज्जती थी ,लेकिन योगी जी योगी ठहरे। शिवभक्त हैं इसलिए अपमान का ये घूँट भी अमृत समझकर पी गए। बाद में मोशा की जोड़ी ने योगी जी को छकाने के लिए उनके दाएं-बाएं एक-एक उपमुख्यमंत्री नत्थी कर दिया लेकिन बात नहीं बनी। योगी को नाथने में मोशा कामयाब नहीं हुए। आपको पता है कि योगी आदित्यनाथ नाथ सम्प्रदाय से आते हैं। उन्हें उनके गुरु ही नाथ पाए हैं ,दूसरा और कोई नही। लोकसभा चुनाव में प्रदेश में भाजपा का 400 पार का सुन्दर सपना टूटा तो योगी विरोधी एक बार योगी पर राशन-पानी लेकर पिल पड़े। बेचारे लखनऊ से दिल्ली की दौड़ लगा-लगाकर थक गए किन्तु योगी को मुख्यमंत्री पद से विदाई नहीं दिला पाए। योगी जी का सिंघासन हिला पाना उनके विरोधियों के लिए आसान नहीं है। आप इसे टेढ़ी खीर समझिये। योगी को सत्ताच्युत करने का मन मोशा की जोड़ी का भी है लेकिन वे साहस नहीं कर पारहे हैं। उन्हें पता है कि इस समय उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में भाजपा का हिंदुत्ववादी एजेंडा चलाने वाला कोई दूसरा नेता भाजपा के पास नहीं है। कम से कम उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य तो कतई नहीं हैं। दूसरे उप मुख्यमंत्री की हैसियत भी योगी के मुकाबले शून्य है। दोनों उपमुख्यमंत्री लोकसभा चुनावों में अपने-अपने इलाकों में नाकाम साबित हो चुके हैं। भाजपा यदि जम्मू-कश्मीर के उप राज्य पाल मनोज सिन्हा को भी उत्तर प्रदेश में योगी का विकल्प नहीं बना सकती। भाजपा का ही नहीं बल्कि संघ का हाईकमान भी जानता है कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को वैसे नहीं बदला जा सकता जैसे कि गुजरात में मुख्यमंत्रियों को बदला जाता है। यूपी, गुजरात नहीं है यूपी है। यहां गुजराती मॉडल कामयाब होने वाला नहीं है। दो दिन के लम्बे विचार विमर्श के बाद योगी जी के प्रमुख प्रतिद्वंदी उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य लखनऊ वापस लौटे लेकिन खाली हाथ। उन्हें मोशा की जोड़ी योगी को हटाने का आश्वासन नहीं दे पायी। दे भी नहीं सकती,क्योंकि योगी इस समय भाजपा की मजबूरी बन गए है। बिना योगी के यूपी में भाजपा को अपने पांव जमाये रखने में बहुत समस्या हो सकती है। मोशे की जोड़ी जानती है कि जिस तेजी से यूपी में भाजपा की मुठ्ठी से जनसमर्थन बालू की तरह खिसक रहा है उसे देखते हुए नेतृत्व परिवर्तन का जोखिम नहीं लिया जा सकता।

योगी आदित्यनाथ के पास सियासत करने के लिए अभी बहुत समय है। वे अभी कुल 52 के हुए है। योगी हवाई जहाज से राजनीति में नहीं उतरे। वे विधायक रहे ,फिर संसद बने और फिर मुख्यमंत्री। योगी ने सबसे ज्यादा समय तक मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का सम्पूर्णानन्द का कीर्तिमान भंग कर दिया है। वे 2017 से लगातार यूपी के मुख्यमंत्री हैं। उन्हें भाजपा ने पहली बार अपनी जरूरत के हिसाब से और दूसरी बार मजबूरी में मुख्यमंत्री बनाया था। अब भाजपा को ये तय करना है कि लोकसभा चुनाव में पार्टी को मिली करारी हार के बावजूद योगी जी को आगे भी मुख्यमंत्री पद पर रखा जाये या नहीं? आपको ध्यान देना होगा कि योगी आदित्यनाथ भाजपा के ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो संघ दीक्षित नहीं है। उन्होंने दीक्षा अपने चाचा महंत अवैद्यनाथ से ली थी। इसलिए योगी जी को न भाजपा नाथ पा रही है और न आरएसएस। वे सबसे अलग हैं। योगी चार बार के सांसद हैं। उनकी अपनी हिन्दू वाहिनी है जो बजरंग दल या विहिप जैसी नहीं है। यानि योगी भाजपा की कृपा से राजनीति में नहीं हैं। वे जिस पार्टी के मंच से राजनीति करेंगे अपना वजूद बनाये रखेंगे। योगी जी पिछले एक दशक में भी बदले नहीं है। वे पहले भी मुस्लिम विरोधी राजनीति करते थे और आज भी कर रहे हैं। 2008 के योगी और 2024 के योगी में कोई फर्क नहीं है। वे उस समय भी दंगावीर थे और आज भी ये हैसियत रखते हैं लेकिन संविधान उन्हें ऐसा करने से रोके हुए है।

आने वाले दिनों में योगी जी अपने पद पर रहेंगे या जायेंगे इसकी भविष्यवाणी तो नहीं की जा सकती ,लेकिन अनुमान लगाया जा सकता है। मेरा अपना अनुभव कहता है कि योगी आदित्यनाथ को घर बैठना भाजपा के बूते की बात नहीं है। योगी न तो वसुंधरा राजे सिंधिया हैं और न शिवराज सिंह चौहान। वे आनंदी बाई पटेल भी नहीं हैं। उन्हें उत्तराखंड के त्रिवेंद्र सिंह रावत की तरह भी नहीं समझा जा सकता। जाहिर है कि योगी जी तभी मुख्यमंत्री पद से हटेंगे जब वे खुद ऐसा चाहें। उन्हें दबाकर,डराकर ,धमकाकर मुख्यमंत्री पद से हटाना भाजपा के लिए आसान नहीं है। भाजपा के लिए बेहतर होगा कि वो सब्र से काम ले और योगी जी को तब तक झेले जब तक की वे खुद अपने मठ में वापस लौटने की इच्छा प्रकट न कर दें। क्योंकि आज की परिस्थितियों में एक योगी आदित्यनाथ ही हैं जो राहुल - अखिलेश की जोड़ी का सामना कर सकते है। भाजपा के तरकश में योगी से ज्यादा प्रभावी कोई दूसरा तीर मुझे तो नहीं दिखाई देता।

भारतीय परम्पराओं के अनुपालन से देश बढ़ रहा आगे

-प्रहलाद सबनानी

भारत जो किसी वक्त में सोने की चिड़िया रहा है जिसका किसी वक्त में वैश्विक अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा योगदान रहा है, उस भारत के गुलाम होने के बाद उसकी अर्थव्यवस्था को मुगलों ने एवं अंग्रेजों ने तहस-नहस किया है। भारत का सनातन चिंतन जितना अधिक शक्तिशाली था गुलामी के उस दौर में उस पर किए गए आक्रमण उसे कमजोर बनाने में कामयाब रहे। परंतु, अब समय आ गया है कि भारत के प्राचीन आर्थिक चिंतन को गंभीरता के साथ देखते हुए वर्तमान आर्थिक विकास की दृष्टि को उसके साथ सामंजस्य स्थापित करना चाहिए तभी जाकर आर्थिक विकास की दृष्टि से भारत के वैभवकाल को पुनः प्राप्त किया जा सकेगा। भारत में प्राचीन ऋषियों और मनीषियों की परंपरा एक गृहस्थ परंपरा रही है और उस गृहस्थ परंपरा में आध्यात्म के साथ-साथ सामाजिक,राजनीतिक एवं आर्थिक चिंतन भी जुड़ा रहा है। अपने राज्य के ऋषियों के जीवन यापन की चिंता जहां राजा की प्राथमिकता में रहता था वहीं राजा को राज्य चलाने के लिए उचित मार्गदर्शन देने का सांस्कृतिक कार्य उन ऋषि-मुनियों द्वारा किया जाता था। इसलिए उन मनीषियों का चिंतन आर्थिक दिशा में भी सदैव बना रहता था। राजा अपने राज्य का विस्तार करने के साथ-साथ उसे आर्थिक रूप से और अधिक समृद्ध कैसे बनाएं इसके बारे में ऋषि-मुनियों के साथ बैठकर ही राज दरबार में चिंतन होता था और राज्य आर्थिक रूप से सशक्त बन जाते थे। इसलिए भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। प्राचीन भारत में धार्मिक आयोजनों एवं धार्मिक पर्यटन का भारत के आर्थिक विकास पर पूर्ण प्रभाव रहा है। प्राचीन भारत में धार्मिक आयोजनों से अर्थव्यवस्था को बल मिलता रहा है इसलिए उस कालखंड में धार्मिक आयोजन निरंतर होते रहे हैं। भारत की ऋषि परंपरा ने जन सामान्य को उन सबके साथ जोड़ कर रखा था। त्यौहारों की निरंतरता और उन्हें मनाए जाने का उत्साह भारत की तत्कालीन अर्थव्यवस्था को गति देता रहा है। आज के वक्त में भी धार्मिक पर्यटन के चलते भारतीय पर्यटन उद्योग में रोजगार के नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। वर्तमान केंद्र सरकार के द्वारा भी पिछले 10 वर्षों में भारत में विभिन्न तीर्थस्थलों को विकसित किया जा रहा है। अभी तक जो तीर्थस्थल विकसित हो चुके हैं,वहां का पर्यटन एकदम से कई गुना बढ़ गया है। वहां की आर्थिक समृद्धि बढ़ गई है। वहां के लोगों का जीवन स्तर बढ़ गया है। वहां संपत्तियों के दाम बढ़ गए हैं। इसलिए इस दिशा में सरकार अब आगे और कार्य करने जा रही है तथा कई नवीन धार्मिक कारीडोर बनाने जा रही है,क्योंकि इससे रोजगार के लाखों नए अवसर उत्पन्न होंगे। भारत की कुटुंब व्यवस्था अपने आप में एक अनूठी कुटुंब व्यवस्था है। भारत के संयुक्त परिवार विश्व के लिए आश्चर्य का विषय रहे हैं। इन दिनों संयुक्त परिवार विघटित अवश्य होते जा रहे हैं,लेकिन बावजूद उसके आपातकाल में एक दूसरे के लिए सबके एकत्र होने की जो जिजीविषा उन सबके भीतर है वह भारत में कुटुंब व्यवस्था का अनूठा स्वरूप है, तथा यह स्वरूप देश की अर्थव्यवस्था को भी आगे बढ़ाने का काम करता है। एक परिवार में दो हाथ कमाने जाते हों और वहीं दस हाथ कमाने जाते हों, दोनों बातों का फर्क होता है। इसलिए कुटुंब व्यवस्था में एक दूसरे के लिए आपस में खड़े होने का जो व्यवहार होता है,वह व्यवहार आर्थिक चिंतन के साथ भी जुड़ कर परिवार को आगे बढ़ाने का काम करता है।

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में चुनौतियां बढ़ सकती हैं। सांयकाल के समय कोई रूका काम बनने की संभावना है।	**तुला** आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी।
वृषभ आज का दिन संतोष और शान्ति का है। राजनीतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी।	**वृश्चिक** चुनौती का सामना करना पड़ेगा। खासकर बिजनेस में किसी पार्टी से बात बिगड़ सकती है।
मिथुन आज नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। मूल्यवान वस्तु के चोरी होने का भय बन रहेगा।	**धनु** विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा।
कर्क आज भाव में उत्तम संपत्ति का संकेत कर रहा है। आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।	**मकर** मामलों में सफलता मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे।
सिंह वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगा।	**कुंभ** आज स्वास्थ्य सुख में व्यवधान आ सकता है। राशि का स्वामी शनि अब मार्गी चल रहा है।
कन्या रोजगार व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी।	**मीन** कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। बहनोई और साले से आज लेन-देन न करें।

विशेष

योगी के खिलाफ साजिश

लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद से यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हटाए जाने की खबर सुर्खियों में हैं। लखनऊ में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की उपस्थिति में प्रदेश भाजपा की जो बैठक हुई है। उसमें उत्तर प्रदेश के नेताओं ने एक दूसरे के ऊपर जहर बुझे वाणों के साथ एक दूसरे के ऊपर प्रहार किये। सत्ता और संगठन में कौन बड़ा है। इसकी भी चर्चा हुई। उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य का बार-बार दिल्ली दरबार में हाजिरी देना। योगी आदित्यनाथ के लिए मुसीबत बन रहा है। नौकरशाही और बुलडोजर के बहाने योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधे जा रहे हैं। कितने समय तक योगी आदित्यनाथ बचते हैं, यही देखना बाकी रह गया है। जिस तरह के हालात बने हैं। उसको देखते हुए उनका मुख्यमंत्री पद से जाना तय माना जा रहा है।

उपचुनावों पर नजर

उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। भाजपा के 9 विधायक सांसद बन गए हैं। एक सीट सपा के विधायक इरफान सोलंकी की खाली हुई है। इन 10 सीटों को जीतना बीजेपी और मुख्यमंत्री के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। हाल ही में 7 राज्यों में 13 विधानसभा सीटों के लिए जो उपचुनाव हुए थे। उसमें से भारतीय जनता पार्टी केवल दो सीटों पर विजय प्राप्त कर पाई है। एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार जीता है। 10 सीट इंडिया गठबंधन ने जीती हैं। उसके बाद से भाजपा के केंद्रीय और प्रादेशिक नेतृत्व में भारी दबाव बन गया है। उत्तर प्रदेश में किसके नेतृत्व में 10 विधानसभा सीट का उपचुनाव लड़ा जाएगा।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1296: अलाउद्दीन खिलजी दिल्ली का सुल्तान बना. 1640: रूस के जार बसिल शुइस्की हटाए गए. 1742: ब्रिटेन और फ्रांस में संधि हुई. 1763: अंग्रेजों ने कटवा में मीर कासिम को बुरी तरह पराजित किया. 1870: फ्रांस ने पूसिया के खिलाफ जंग का ऐलान किया. 1948: सिडनी रौलट ने भारत में राजनीतिक गतिविधियों पर पाबंदी लगाने वाली रिपोर्ट सरकार को सौंपी. 1943: मित्र राष्ट्रों की वायुसेना ने द्वितीय विश्व युद्ध में रोम पर पहली बार हमला किया. 1967: पीडमान्ट बोइंग 727 और 30 हवा में टकराकर हैंडरसॉनविले, नार्थ कैरोलिना, अमेरीका में नष्ट होने से 82 लोगों की मृत्यु. 1969: सरकार ने चौदह बड़े बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया. 1975: अमरीका और सोवियत संघ के अंतरिक्षयात्रियों के जुड़े हुए अंतरिक्ष यानों को अलग किया.

दैनिक पंचांग

19 जुलाई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति	
सूर्य	कर्क में
चंद्र	धनु में
मंगल	वृष में
बुध	कर्क में
गुरु	वृष में
शुक्र	कर्क में
शनि	कुंभ में
राहु	मीन में
केतु	कन्या में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कर्क	05.13 बजे से
सिंह	07.33 बजे से
कन्या	09.45 बजे से
तुला	11.56 बजे से
वृश्चिक	14.10 ब.से
धनु	16.26 बजे से
मकर	18.32 बजे से
कुंभ	20.18 बजे से
मीन	21.51 बजे से
मेष	23.21 बजे से
वृष	01.01 बजे से
मिथुन	03.00 बजे से

शुक्रवार 2024 वर्ष का 201 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 19.42 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 02.55 बजे रात्र को समाप्त।
योग इन्द्र 02.41 बजे प्रातः को समाप्त।
करण कौलव 08.19 बजे तदनन्तर तैतिल 19.42 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 13.0 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 47'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872045
जूलियन दिन 2460510.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना मोहर्रम **तारीख** 12
विशेष विजया पार्वती, मंगला तेरस, डॉ. खूबचंद बघेल जयंती।

दिन का चौघड़िया		
चर	05.55 से 07.23	बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51	बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19	बजे तक
काल	10.19 से 11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15	बजे तक
रोग	01.15 से 02.43	बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10	बजे तक
चर	04.10 से 05.38	बजे तक

रात का चौघड़िया		
रोग	05.38 से 07.1	बजे तक
काल	07.11 से 08.43	बजे तक
लाभ	08.43 से 10.15	बजे तक
उद्वेग	10.15 से 11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से 01.19	बजे तक
अमृत	01.19 से 02.51	बजे तक
चर	02.51 से 04.23	बजे तक
रोग	04.23 से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore



बिना डिग्री के इन फील्ड में बना सकते हैं अपना करियर

कई बार पैसों की तंगी के कारण कई लोग अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते हैं। ऐसे में आप बिना किसी डिग्री या कोर्स के इन नौकरियों को कर सकते हैं। इन फील्ड में नौकरी कर आप हर महीने अच्छी कमाई कर सकते हैं।

हर इंसान की यही चाहत होती है कि कॉलेज खत्म होने के बाद उनको एक अच्छी सी जॉब मिल जाए। ताकि वह अपने सपनों को पूरा कर सकें। लेकिन कई बार ऐसा नहीं हो पाता है। वहीं कुछ परिस्थितियों के कारण हम आगे की पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। जिसके कारण अच्छी नौकरी मिलने में दिक्कत होती है। अगर आप भी ऐसी ही किसी समस्या से परेशान हैं तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज हम आपको कुछ ऐसी नौकरियों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आप बिना किसी डिग्री के भी पा सकते हैं।

मेकअप आर्टिस्ट

आज के दौर में हर कोई अच्छा दिखना चाहता है। ऐसे में लोग मेकअप का सहारा लेते हैं। वहीं मेकअप आर्टिस्ट की डिमांड भी तेजी से बढ़ रही है। बता दें कि मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए किसी तरह की डिग्री की जरूरत नहीं होती है। हालांकि आप कुछ ऑनलाइन कोर्सेज जरूर कर सकती हैं। इन ऑनलाइन कोर्स की मदद से आप मेकअप की हर बारीकी को अच्छे से समझ सकती हैं। मेकअप के बारे में अच्छी जानकारी होने के बाद आप बतौर मेकअप आर्टिस्ट अपना करियर शुरू कर सकती हैं। इसके अलावा चाहे तो खुद का सैलून भी खोल सकती हैं। इसमें आपको कमाई के अच्छे अवसर मिलेंगे।

स्टाइलिस्ट

अगर आपको भी डिजाइन में रुचि है तो आप स्टाइलिस्ट को बतौर करियर शुरू कर सकती हैं। बता दें कि यह फील्ड ऐसा है, जहां आपको डिग्री से ज्यादा काम करना आना चाहिए। इस तरह आप वॉरड्रोब स्टाइलिस्ट और फैशन स्टाइलिस्ट बन अपने करियर को नई उड़ान दे सकती हैं। भले ही यह प्रोफेशन थोड़ा अलग है, लेकिन इस फील्ड में आपको शानदार सैलरी दी जाती है।

सेलिब्रिटी मैनेजर

हर एक सेलेब्स अपने काम को मैनेज करने के लिए मैनेजर रखते हैं। क्योंकि अक्सर सेलेब्स को एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम करना होता है। इस नौकरी के लिए किसी डिग्री की जरूरत नहीं होती है। इस तरह बिना डिग्री के आप आसानी से सेलिब्रिटी मैनेजर बन सकती हैं। इस फील्ड में सैलरी सुन आप दंग हो जाएंगी।

वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी

अगर आपको भी फोटोग्राफी का शौक है तो वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी को बतौर करियर चुन सकते हैं। इसके लिए किसी डिग्री या कोर्स की आवश्यकता नहीं होती है। बेहतरीन फोटोग्राफी कर आप सोशल मीडिया पर इस फोटोज को सेल कर सकती हैं।

प्रोफेशनल ब्लॉगर

आपने भी कई ब्लॉगर को देखा होगा। जो अलग-अलग विषयों के बारे में जानकारी देते हैं और लोग उनके काम को खूब पसंद भी करते हैं। बता दें कि ब्लॉगिंग आपके लिए एक बेहतरीन ऑप्शन साबित हो सकता है। इस फील्ड में आप बिना किसी डिग्री व कोर्स के लाखों रुपए कमा सकते हैं।



लॉ से ग्रेजुएशन करने के बाद छात्रों के पास कई सारे करियर विकल्प होते हैं। उनमें से सबसे अच्छे ऑप्शंस के बारे में हमनें इस आर्टिकल में बताया है। अगर आपने भी लॉ की है और इनके बारे में जानने में इंटरेस्ट रखते हैं, तो यह आर्टिकल जरूर पढ़ें। आप अपने इंटरेस्ट के अनुसार इनमें से एक ऑप्शन चुन सकते हैं।

ये हैं लॉ ग्रेजुएट्स के लिए सबसे ज्यादा सैलरी वाली नौकरियां

लॉ के छात्रों के पास वैसे तो कई सारे करियर ऑप्शन हैं, पर अपने इंटरेस्ट के अनुसार एक ऑप्शन चूज करना बहुत महत्वपूर्ण होता है। परंपरागत रूप से कानून के छात्रों से ग्रेजुएशन स्तर की पढ़ाई पूरी करने के बाद मुकदमेबाजी की प्रैक्टिस करने की अपेक्षा की जाती थी। हालाँकि, समय के साथ लॉ में करियर के अवसर बढ़े हैं, जिसने युवाओं को भारत में लॉ को करियर विकल्प के रूप में चुनने के लिए प्रेरित किया है। आइए जानते हैं इनके बारे में।

जज

वकील के अलावा छात्रों के पास जज बनने का भी एक बेहतरीन अवसर होता है। जज बनने के लिए आपको उस राज्य में होने वाली जुडिशरी की परीक्षा को पास करना होता है। यह एक बहुत ही प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। न्यायाधीश के रूप में आपके ऊपर क़ानूनी व्यवस्था को सँभालने और उसे लागू करने, महत्वपूर्ण कानूनी निर्णय लेने की जिम्मेदारी होती है।

कॉर्पोरेट वकील

अगर आपको बड़े कॉरपोरेट हाउस में काम करने का मन है, तो आप कॉरपोरेट लॉयर बनकर अपना सपना पूरा कर सकते हैं। कॉर्पोरेट वकील व्यवसायों को उनके कानूनी अधिकारों, दायित्वों और लेनदेन पर सलाह देते हैं। वे सीधे निगमों के लिए या कॉर्पोरेट कानून में विशेषज्ञता वाली कानून फर्मों के लिए काम कर सकते हैं। आपके अनुभव के अनुसार इसमें आपको सैलरी भी काफी अच्छी मिलती है।

लिटिगेशन/ट्रायल वकील

अगर आप कोर्ट में जाकर अपनी वकालत प्रेक्टिस करना चाहते हैं तो आप ट्रायल वकील बन सकते हैं। ट्रायल वकील सिविल और क्रिमिनल मुकदमों में क्लाइंट का प्रतिनिधित्व करते हैं और अदालत में उनकी ओर से वकालत करते हैं। हाई-प्रोफाइल मामलों को संभालने से आपको पैसे और शोहरत दोनों मिलती हैं। कोर्ट में प्रैक्टिस शुरू करने से पहले आपको अपनी रूरुक्ष खत्म करने के बाद ऑल इंडिया बार काउंसिल की परीक्षा पास करनी होती है और फिर उसके बाद अपने संबंधित राज्य में उसके बार काउंसिल में रजिस्ट्रेशन कराना होता है।

सरकारी वकील

सरकारी वकील सरकार की तरफ से केस लड़ते हैं। वे स्थानीय, राज्य या संघीय स्तर पर विभिन्न सरकारी एजेंसियों के लिए काम करते हैं। वे कानूनी मामलों पर सलाह देते हैं और मुकदमेबाजी में सरकार का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अल्टरनेटिव डिस्प्यूट रेजोल्यूशन

अल्टरनेटिव डिस्प्यूट रेजोल्यूशन एक तरीका है जिसमें विवादों को सुलझाने के लिए कोर्ट के बाहर के विकल्पों का उपयोग किया जाता है। इसमें कोर्ट की लंबी प्रक्रिया और लागत से बचा जा सकता है। इसके तहत कई प्रकार के तरीके शामिल होते हैं, जैसे मीडिएशन और आरबिट्रेशन। इसका उद्देश्य विवाद को जल्दी से सुलझाना होता है। इसमें आप एक मिडिएटर के रूप में काम कर सकते है।

कंटेंट राइटर

अनुभव और एक मजबूत पोर्टफोलियो वाले कानून के छात्रों के लिए लीगल कंटेंट राइटिंग एक प्रोमिसिंग और डायनामिक करियर ऑप्शन है। इसमें आपको काफी हाई पेइंग जॉब्स मिल जाते हैं जो आपके एक्सपीरियंस के अनुसार बढ़ती रहती है। आप सब्जेक्ट मैटर एक्सपर्ट बन सकते हैं। इसके साथ-साथ आप लीगल कंसलटिंग और जर्नलिज्म में भी काम कर सकते हैं।

लीगल एडवाइजर

लीगल एडवाइजर के रूप में आप व्यवसायों और संगठनों को कानूनी मामलों पर एक्सपर्ट एडवाइस प्रदान करते हैं। आप इंडिपेंडेंट या कंसल्टेंसी फर्म के जरिए काम कर सकते हैं। लीगल एडवाइजर्स की आज के टाइम में बहुत ज्यादा डिमांड है। सभी बिजनेस को विभिन्न कानूनी मुद्दों पर विशेष ज्ञान और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

लॉ प्रोफेसर

लॉ प्रोफेसर लॉ स्कूलों में पढ़ाते हैं और लीगल रिसर्च करते हैं। टीचिंग हमेशा से एक नोबल प्रोफेशन रहा है और आप एक लॉ टीचर बन के छात्रों के साथ हमेशा जुड़े रह सकते हैं और उन्हें सही मार्गदर्शन दे सकते हैं। सरकारी कॉलेज में टीचर की सैलरी पैकेज भी बहुत अच्छे होते हैं।



जज एडवोकेट जनरल अधिकारी

यदि आपका सपना इंडियन आर्म्ड फोर्सज ज्वाइन करने का है तो आप लॉ की पढ़ाई के बाद भी इसे ज्वाइन कर सकते हैं। आप जज एडवोकेट जनरल बनकर सेना में शामिल हो सकते हैं। भारतीय सेना का JAG अधिकारी मेजर होता है जो सेना के कानूनी और न्यायिक प्रमुख के रूप में कार्य करता है। एक JAG अधिकारी सैन्य कानून या नीतियों की व्याख्या और उन्हें लागू करने में कोर्ट-मार्शल के पीठासीन अधिकारियों की मदद करता है।



बीटेक कंप्यूटर साइंस या आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस कौन-सा कोर्स बेहतर है

अगर आप भी करना चाहते हैं इंजीनियरिंग तो यह खबर आपके लिए है। बीटेक कंप्यूटर साइंस या आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस किस कोर्स को करना बेहतर होगा। किस इंजीनियरिंग सेक्टर मे सबसे ज्यादा सैलरी है आइए जानते हैं।

12वीं पास छात्र इंजीनियरिंग में करियर बनाने का सपना देख रहे हैं। लेकिन समझ नहीं आ रहा किस ब्रांच का चुनाव करना सही है। चिंता छोड़िए और हम आपको बताएंगे कि बीटेक कंप्यूटर साइंस या आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस किस कोर्स को करना बेहतर होगा। बीटेक कंप्यूटर साइंस के साथ अब बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स भी मार्केट में काफी डिमांड में है। किस इंजीनियरिंग सेक्टर मे सबसे ज्यादा सैलरी है आइए जानते हैं।

बीटेक कंप्यूटर साइस

अगर आप इंजीनियरिंग में करियर बनाना चाहते हैं तो आप कंप्यूटर एप्लीकेशन, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और डेटा बेस एनालिसिस के लिए बीटेक कंप्यूटर साइस कोर्स कर सकते हैं।

बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

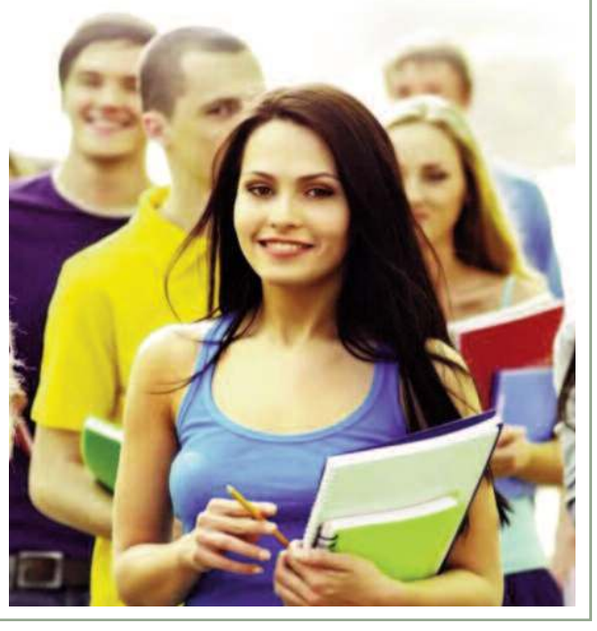
जब से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आया तब से इसकी काफी डिमांड हो गई है। आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस के जरिए लोग फोटो, लिखना और वॉइस आवाज निकाल रहे हैं। इसकी मांग काफी बढ़ रही है। कई टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स जैसे कोर्स शुरु किए गए हैं।

किस कोर्स में सबसे ज्यादा कमाई

आज के समय को देखा जाए तो बीटेक कंप्यूटर साइंस डिग्री वालों को हाई सैलरी पर नौकरी मिलती है। वहीं, आने वाले समय में बीटके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की डिमांड बढ़ने वाली है। आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस की जानकारी रखने वाले को लाखों का पैकेज मिल सकता है।

कौन कोर्स बेस्ट?

12वीं के बाद छात्रों को टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटके कंप्यूटर साइंस या आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस का कोर्स कर सकते हैं। जानकारी के लिए बता दें कि आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस के कई शॉर्ट टर्म कोर्स भी शुरु किए हैं। जिसे आप कर सकते हैं और आपको नौकरी मिल जाएगी।





दुनिया में हर प्रकार का प्राणी हैं। कई लोग मेहनती होते हैं तो कुछ महा-आसली होते हैं। वहीं, कई तो लोग नौकरी के लिए ऑफिस का हर काम करने के लिए तैयार रहते हैं तो कुछ ऑफिस जाने के नाम से ही जी चुराने लगते हैं। अगर आप भी भागदौड़ वाली नौकरी नहीं करना चाहते तो आप घर बैठे इन नौकरियों से कमा सकते हैं लाखों रुपये।

भागदौड़ वाली नौकरी नहीं करना चाहते तो घर बैठे कमा सकते हैं लाखों रुपये

कोरोना काल के बाद से वर्क फ्रॉम होम का कल्चर काफी चल गया है। तब से वर्क कल्चर काफी बदल गया। आज भी कुछ जगह हाइब्रिड मोड में काम चल रहा है। आज भी कंपनियों ने एंप्लॉइज को परमानेंट घर से काम करने की सुविधा दे रखी है। हालांकि, कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो फिर से ऑफिस में जाकर काम नहीं करना चाहते हैं। इन लोगों को आप चाहे आलसी कहो या फिर घर से काम करने की आदत हो गई है। आइए आपको बताते हैं कुछ ऐसी नौकरियां जिन्हें आप कर सकते हैं। जहां आपको ऑफिस जाने की जरुरत नहीं है।

शॉपिंग कंसल्टेंट

आमतौर पर शॉपिंग कंसल्टेंट काफी डिमांड में हैं। बता दें कि, इन्हें आप पर्सनल शॉपर भी कहा जाता है। अगर आपको शॉपिंग का शौक है और स्टाइलिंग तो यह जॉब आपके लिए ही है। नामी इंफ्लुएंसर्स, एक्टर्स, एक्ट्रेसेस और बिजनेसमेन मार्केट में पहचाने जाने की वजह से और बिजी लाइफस्टाइल की वजह से खुद शॉपिंग करने नहीं जाते हैं। वह शॉपिंग कंसल्टेंट या पर्सनल शॉपर हायर कर लेते हैं। आप भी कर सकते हैं यह मजेदार जॉब।

मैट्रेस टेस्टर जॉब

सोना तो सभी को पसंद है, अगर आप भी कुंभकरण की तरह सोते हैं, तो यह जॉब आपके लिए है। आपको सोने के पैसे भी मिलेंगे। दरअसल, गद्दे, तकिए बनाने वाली कई कंपनियां मैट्रेस टेस्टर हायर करने लगी हैं। इनका काम होता है गद्दे पर सोकर इसकी क्वालिटी टेस्ट करना और आपको बढ़िया सैलरी भी मिलेगी। वहीं स्लीपिंग पैटर्न पर रिसर्च करने वाले एक्सपर्ट भी लोगों को सोने के बदले लाखों रुपये देते हैं।

बुक रिव्यू जॉब

अगर आप बुक पढ़ने के शौकीन हैं तो आप अपने शौक को अच्छी कमाई में बदल सकते हैं। इस कार्य को आप प्रोफेशनली भी कर सकते हैं। सबसे अच्छी बात है कि आप जहां से चाहें, वहां से बुक्स रिव्यू कर सकते हैं। इसके लिए आपको ऑफिस जाने की जरुरत नहीं है। आप खुद भी लेखकों से टाई अप कर सकते हैं या किसी पब्लिशिंग हाउस से बात कर सकते हैं। आप बुक रिव्यू के ब्लॉग्स भी बना सकते हैं।

फूड क्रिटिक

आप खाना-पीने के शौकीन हैं तो यह जॉब आपके लिए है। शुरुआत में आपको अपना नाम बनाने के लिए थोड़ी मेहनत करनी होगी, फिर आपको रेस्त्रां और कैफे वाले खुद ही इनविटेशन भेजने लगेंगे। फूड क्रिटका काम होता है, खाने-पीने की चीजों का रिव्यू देना। इस कार्य में ईमानदारी होनी चाहिए तभी लोग आपको आपके काम से पहचानेंगे। इस नौकरी में कोई वर्किंग आवर्स निश्चत नहीं होते हैं। आप अपनी मर्जी और शेड्यूल के हिसाब से यह काम कर सकते हैं।

वाइन टेस्टिंग जॉब

अगर आप वाइन पीते हैं तो यह नौकरी आपके लिए है। इसे टेस्ट करने से आप अपना घर चला सकते है । विदेशों की तरह अब भारत में भी टेस्टिंग जॉब्स खूब है। बता दें कि वाइन बनाने वाली कंपानियां और बार आदि में वाइन टेस्टर बुलाए जाते हैं। इन्हें नई वाइन पर अपना फीडबैक देना होता है। फ्रेशर के तौर पर आप 10-20 हजार रुपये कमा सकते हैं। कुछ सालों बाद जब अनुभव हो जाएगा तब आप 50 हजार रुपये कमा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

नौकरी देने से पहले प्रेगनेंसी टेस्ट करा रही हैं कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी वाला देश चीन में इन दिनों अजीब विरोधाभास दिख रहा है। एक तरफ सरकार रेकॉर्ड लो बर्थ रेट को बढ़ाने की कोशिश में लगी है तो दूसरी ओर कुछ कंपनियां गर्भवती महिलाओं को नौकरी देने के लिए तैयार नहीं हैं। सरकारी मीडिया के मुताबिक एक दर्जन से अधिक कंपनियों के खिलाफ जांच चल रही है। इन कंपनियों पर नौकरी के लिए अप्लाई करने वाली महिलाओं को प्रेगनेंसी टेस्ट लेने का आरोप है। अगर ये आरोप सही पाए गए तो इन कंपनियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। चीन के नियमों के मुताबिक कंपनियां महिलाओं को प्रेगनेंसी टेस्ट के लिए



नहीं कह सकती है। साथ ही गर्भवती महिला कामगारों के खिलाफ कोई भेदभाव नहीं कर सकती हैं। चीन के सरकारी मीडिया के मुताबिक पूर्वी प्रांत जियांग्सु के शहर नानतोंग की कंपनियों पर महिलाओं का प्रेगनेंसी टेस्ट कराने का आरोप है। शहर की 16 कंपनियों ने 168 महिलाओं को नौकरी देने से पहले प्रेगनेंसी टेस्ट कराने को कहा था। नानतोंग की कंपनियों के बारे में एक ऑनलाइन पब्लिक लिटेगेशन ग्रुप ने अधिकारियों को बताया था। इसी शिकायत के आधार पर प्रॉसेक्यूटर्स ने जांच शुरू की थी। उन्होंने दो बड़े अस्पतालों और एक मेडिकल एग्जाम सेंटर का भी दौरा किया। रिपोर्ट के मुताबिक एक गर्भवती महिला को नौकरी देने से इन्कार किया गया था।

जापान का व्यापार घाटा पहली छमाही में निर्यात में सुधार से हुआ कम

तोक्यो। जापान में जून महीने में व्यापार अधिशेष सालाना आधार पर पांच गुना बढ़कर 224 अरब येन (1.4 अरब डॉलर) हो गया। वित्त मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष की पहली छमाही में जापान का व्यापार घाटा पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में आधे से अधिक घटकर 3230 अरब येन (21 अरब डॉलर) रह गया।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले येन की कमजोरी ने हाल के महीनों में जापान के निर्यात को बढ़ावा देने में मदद की है। वाहनों तथा कंप्यूटर चिप के बढ़ते निर्यात से जून में व्यापार अधिशेष एक साल पहले की तुलना में पांच गुना बढ़कर 224 अरब येन या 1.4 अरब डॉलर हो गया। कमजोर येन जापान के आयात के लिए नकारात्मक माना जाता है, खास तौर पर मुद्रास्फीति के रुझान और बढ़ती ऊर्जा लागत के बीच...। संसाधन-विहीन जापान अपनी करीब पूर्ण ऊर्जा जरूरत आयात करता है। जापान ने लगातार छह वित्तीय छमाही में व्यापार घाटा दर्ज किया जिसकी शुरुआत 2021 की अंतिम छमाही से हुई। इसका मुख्य कारण कमजोर येन और बढ़ती वैश्विक कीमतें रहीं। जापान एक अप्रैल से 31 मार्च के वित्त वर्ष का अनुसरण करता है। आंकड़ों के अनुसार, जून महीने में आयात तीन प्रतिशत बढ़कर 8980 अरब येन (58 अरब डॉलर) हो गया, जबकि निर्यात पांच प्रतिशत बढ़कर 9200 अरब येन (59 अरब डॉलर) रहा।

कार को टैक्सी बनाएंगे तो बीमा का दावा गंवाएंगे

बचने के लिए इन बातों का ध्यान रखना जरूरी



नई दिल्ली, एजेंसी। बीमा कंपनियां वाहन बीमा दावों की प्रक्रिया सरल बनाने की कोशिश कर रही हैं। एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस ने हाल ही में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के जरिये गाड़ी के निरीक्षण की तकनीक को व्हाट्सऐप चैटबॉट में डाल दिया। इससे ग्राहक 20,000 रुपए तक के मामूली नुकसान के लिए होने वाले दावे तुरंत निपटा लेंगे। पॉलिसीबाजार ने क्लेम एश्योरेंस प्रोग्राम शुरू किया, जिसमें ग्राहकों को उनके दावे के लिए खास क्लेम मैनेजर मिलेगा और गाड़ी को नेटवर्क के गैराज तक ले जाने की सुविधा भी दी जाएगी।

कंपनियां तो यह सब कर रही हैं मगर ग्राहकों को भी कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। उन बातों का ध्यान रखना और उनसे बचना बहुत जरूरी है, जिनकी वजह से उनके दावे खारिज हो सकते हैं।

दावे खारिज होने के बड़े कारण

यदि कोई पॉलिसीधारक अपनी पॉलिसी से बेजा फायदा लेने के लिए फर्जी दावा करता है तो बीमा कंपनी उसे खारिज कर देगी। एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस में निदेशक और चीफ बिजनेस ऑफिसर पार्थनील घोष कहते हैं, 'अगर दावा पॉलिसी की जोखिम अवधि खत्म होने के बाद किया गया है तो कंपनी उसे खारिज कर देगी।' वाहन बीमा वाहनों की खास श्रेणियों के लिए बेचा जाता है। अगर आप निजी कार के लिए बीमा ले रहे हैं तो आपसे निजी इस्तेमाल के हिसाब से ही प्रीमियम वसूला जाएगा। एको इंश्योरेंस के चीफ अंडरराइटिंग ऑफिसर अनिमेष दास समझाते हैं, 'अगर आप अपनी कार को टैक्सी की तरह इस्तेमाल करते है और दुर्घटना के शिकार हो जाते हैं तो आपका दावा नहीं माना जाएगा।' थर्ड पार्टी बीमा के बगैर गाड़ी चलाने पर भी दावे खारिज हो सकते हैं। पॉलिसीबाजार डॉट कॉम में हेड (मोटर इंश्योरेंस रीन्यूअल्स, क्लेम्स ऐंड कस्टमर एक्सपीरिएंस) संदीप सराफ का कहना है, 'मोटर यान अधिनियम के मुताबिक हरेक ग्राहक के पास वैध थर्ड पार्टी बीमा होना चाहिए। अगर ग्राहक उसके बगैर दावा करता है तो खारिज कर दिया जाएगा।' वाहनों को मोटर यान अधिनियम का पालन करते हुए सार्वजनिक सड़कों पर ही चलाया जाना चाहिए। घोष का कहना है, 'अगर रजिस्ट्रेशन के बगैर या शराब पीकर या वैध लाइसेंस के बगैर गाड़ी चलाते हैं तो भी आपका दावा खारिज हो सकता है।'

बरतें एहतियात

यातायात के नियमों का उल्लंघन करने से बचें। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड में हेड (कॉरपोरेट अंडरराइटिंग ऐंड क्लेम्स) गौरव अरोड़ा कहते हैं, 'यातायात को अनदेखा करना, तेज गति में चलाना, ओवरटेक करना, गलत साइड पर गाड़ी चलाना और क्षमता से ज्यादा लोगों को गाड़ी में भरना ऐसी चूक हैं, जिनसे बचना चाहिए।' उनकी सलाह है कि ऐसे किसी व्यक्ति को अपनी गाड़ी न चलाने दें, जिसके पास वैध लाइसेंस नहीं है। सराफ हादसा होते ही हरकत में आने की सलाह देते हैं। वह कहते हैं कि दुर्घटना होने के 24 से 72 घंटों के भीतर इसकी जानकारी बीमा कंपनी को दे देनी चाहिए। अगर आप वाहन में बदलाव करते हैं मसलन उसमें सीएनजी किट लगाते हैं तो बीमा कंपनी को जरूर बता दें। सराफ कहते हैं, 'जो भी बदलाव किए गए हैं, वे गाड़ी के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी) में चढ़वाने चाहिए और बीमा कंपनी को भी इसके बारे में इत्तिला करना चाहिए।' गलत जानकारी देने से भी बचें। गाड़ी को पहले हुए नुकसान का दावा इस बार के नुकसान के साथ करने की कोशिश भी नहीं होनी चाहिए। बीमा कंपनी को बताए बगैर मरम्मत शुरू मत कराइए क्योंकि हो सकता है दावा मंजूर करने से पहले वह किसी को भेजकर दिखवाए कि वाकई आपकी कार को बताया गया नुकसान हुआ है या नहीं। दास कहते हैं कि दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुई कार को चलाकर न ले जाएं। उसके बजाय क्रेन के जरिये उसे सर्विस सेंटर तक पहुंचवाएं। अरोड़ा की राय में कॉम्प्रिहेंसिव वाहन बीमा खरीदना चाहिए और उसके साथ रोड साइड असिस्टेंस, रिटर्न टु इनवॉयस, इंजन प्रोटेक्ट, जीरो डेप्रिसिएशन जैसे ऐड-ऑन जरूर ले लेने चाहिए।

57 लाख लगाए और 111 करोड़ कमाए...



नई दिल्ली, एजेंसी। ई-कॉमर्स फर्म स्नैपडील और निवेश फंड टाइटन कैपिटल के फाउंडर कुणाल बहल और रोहित बंसल की लॉटरी लग गई है। उन्होंने 2015 में होम सर्विसेज प्लेटफॉर्म अर्बन कंपनी में 57 लाख रुपये का निवेश किया था और इस पर उन्हें 200 गुना रिटर्न मिला है। सूत्रों के मुताबिक बहल और बंसल ने अर्बन कंपनी में अपनी पूरी हिस्सेदारी 111 करोड़ रुपये में वी कैपिटल की कंपनी धारणा कैपिटल को बेच दी है। उनके अलावा कंपनी के कुछ कर्मचारियों ने भी सेकेंडरी डील के तहत अपने स्टॉक ऑप्शन बेच दिए हैं।

बहल ने अर्बन कंपनी से बाहर निकलने की पुष्टि की, लेकिन इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। टाइटन कैपिटल ने जिन अन्य निवेशों में 100 गुना या उससे अधिक रिटर्न बनाया है, उनमें ओला कैब्स, ऑफबिजनेस और क्रेडजेनिक्स शामिल हैं। बहल और बंसल ओला कैब्स से पूरी तरह निकल चुके हैं जबकि उन्होंने क्रेडजेनिक्स से आंशिक निकासी की है। ऑफबिजनेस में उनकी हिस्सेदारी बनी हुई है। टाइटन कैपिटल ने एक बयान में कहा कि अर्बन कंपनी अब मजबूत स्थिति में पहुंच चुकी है। हम इसके शुरुआती दिनों से ही इस यात्रा का हिस्सा बनने के लिए भाग्यशाली रहे हैं।

बहल और बंसल ने कहा कि अर्बन कंपनी में हुए मुनाफे से अगली पीढ़ी के फाउंडर्स की मदद की जाएगी। स्नैपडील के फाउंडर्स ने टाइटन कैपिटल के माध्यम से अपनी व्यक्तिगत पूंजी का उपयोग करते हुए 300 स्टार्टअप में एंजल निवेश किया है। पिछले साल, दोनों ने मामाअर्थ की मूल कंपनी होनासा कंज्यूमर के आईपीओ के जरिए लगभग 78 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। 324 रुपये प्रति शेयर के इश्यू प्राइस पर बहल और बंसल ने 3.21 रुपये प्रति शेयर की एक्विजिशन कॉस्ट से 100 गुना से अधिक रिटर्न मिला था। अर्बन कंपनी ने इस साल अप्रैल-जून तिमाही में 282-283 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल किया। कंपनी के इस फाइनेंशियल ईयर में मुनाफे में आने की उम्मीद है।

ग्रामीण बैंकों के डिजिटलीकरण के लिए नाबार्ड व पीएसबी लोन लिमिटेड के बीच समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्तीय समावेशन की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और ऑनलाइन पीएसबी लोन लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया है। यह एमओयू जनसुरक्षा पोर्टल के माध्यम से एक मंच से जुड़े सभी 43 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की जन सुरक्षा योजनाओं के तहत नामांकन और दावा निपटान की प्रक्रिया को सुचारू बनाएगा। नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी के वी और उप प्रबंध निदेशक डॉ. अजय कुमार सूद सभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के प्रमुखों के साथ बैठक के दौरान इस परियोजना की शुरुआत की। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय अंतर को दूर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण साबित होगा। इसके जरिए जन सुरक्षा योजनाओं के निर्बाध नामांकन और कुशल निपटान के लिए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को डिजिटल समाधान मुहैया कराया जाएगा जिससे वे सशक्त बनेंगे। इसके उद्घाटन के मौके शाजी के वी ने कहा कि, इस पहल की शुरुआत ग्रामीण भारत में डिजिटल वित्तीय सेवाओं को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी छलांग है। यह क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के लिए सुलभ कुशल डिजिटल समाधान उपलब्ध कराने में प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की नाबार्ड की प्रतिबद्धता का प्रतीक है ताकि वित्तीय स्थिरता बनाई जा सके और समावेशी विकास को बढ़ावा दिया जा सके। परियोजना का लक्ष्य एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) के माध्यम से जनसुरक्षा पोर्टल को क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के कोर बैंकिंग सॉल्यूशंस (सीबीएस) के साथ जोड़ने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर, बैंकों और उनके ग्राहकों दोनों के लिए परेशानी मुक्त अनुभव सुनिश्चित करना है। जनसुरक्षा पोर्टल, भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) की ओर से शुरू की गई एक पहल है। यह प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के लिए डिजिटल नामांकन और दावा निपटान की सुविधा प्रदान करती है।



जेएसडब्ल्यू मोटर इंडिया के सीईओ ने कहा

यात्री वाहनों पर मौजूदा जीएसटी दर में बदलाव की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के मानद मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राजीव छाबा ने कहा है कि भारत में यात्री वाहनों पर मौजूदा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दर संरचना काफी पुरानी हो चुकी है। इसे मोटर वाहन उद्योग में हो रहे नए घटनाक्रमों के अनुरूप बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार को मोटर वाहन क्षेत्र पर नीतियां बनाते समय वाहनों से होने वाले उत्सर्जन, आयात बिल में कमी, सतत स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला और स्वामित्व की कुल लागत के समग्र परिप्रेक्ष्य पर विचार करना चाहिए।

केंद्रीय बजट से पहले हाइब्रिड वाहनों को कर प्रोत्साहन दिए जाने पर विचार किए जाने की अटकलों के बीच उन्होंने कहा कि केवल मजबूत 'प्लग-इन हाइब्रिड वाहन पर ही ऐसे लाभ के लिए विचार किया जाना चाहिए, जिनमें परंपरागत इंजन से स्वतंत्र बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन के रूप में चलने की क्षमता हो। छाबा ने कहा, ''पहले हमने कहा था कि कार का आकार चार मीटर से कम होगा। हमने कहा था कि 1.2 लीटर इंजन, 1.5 लीटर इंजन होगा और उसके आधार पर हमारे पास जीएसटी संरचना व्यापक थी। मुझे लगता है कि अब यह बीते दिन की बात हो गई है।

वर्तमान में चार मीटर तक लंबे और 1200 सीसी पेट्रोल इंजन वाले हाइब्रिड पीवी या चार मीटर तक लंबे तथा 1,500 सीसी डीजल इंजन वाले हाइब्रिड यात्री वाहन (पीवी) पर बिना किसी उपकर के 28 प्रतिशत जीएसटी दर लागू है। वहीं चार मीटर से अधिक या 1,200 सीसी पेट्रोल इंजन वाले हाइब्रिड पीवी या 1,500 सीसी डीजल इंजन वाले हाइब्रिड पीवी पर 15 प्रतिशत उपकर के साथ 28 प्रतिशत जीएसटी दर लागू है। छाबा ने पूछा, ''क्या हम संपूर्ण नीति निर्माण में क्रांति ला सकते हैं क्या हम देश और उपभोक्ता के लिए जो महत्वपूर्ण है, उससे शुरुआत कर सकते हैं



उन्होंने कहा, ''जीएसटी दरें देश के लिए महत्वपूर्ण चीजों पर आधारित होनी चाहिए जैसे कार की पर्यावरण अनुकूलता, आयात बिल को बचाने के लिए प्रयुक्त प्रौद्योगिकी की क्षमता, स्वतंत्र आपूर्ति श्रृंखला के साथ स्थानीयकरण तथा स्वामित्व की कम कुल लागत। उन्होंने कहा, ''तभी आप नीति बनाते हैं। उस नीति के आधार पर, यदि इलेक्ट्रिक वाहन सर्वश्रेष्ठ है, तो उसपर पांच प्रतिशत जीएसटी लगेगा। उन्होंने कहा कि यदि सीएनजी (संपीड़ित प्राकृतिक गैस) अच्छी है, तो उसे पेट्रोल तथा डीजल पर कुछ वरीयता दी जाएगी।

निर्यात में वृद्धि, स्थानीय मुद्रा में व्यापार, एफटीए से भारत-रूस वाणिज्य को बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। निर्यात बढ़ाने, स्थानीय मुद्रा व्यापार को व्यावहारिक बनाने और यूरेशियन आर्थिक संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता जैसे कदमों से भारत और रूस के बीच व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने बृहस्पतिवार को एक रिपोर्ट में कहा कि भारत को व्यापार घाटे को लेकर चिंतित नहीं होना चाहिए, क्योंकि उसे रूस से बाजार मूल्य से सस्ते दाम पर कच्चा पेट्रोलियम तेल मिल रहा है। इससे भारत का समग्र तेल आयात बिल भी कम हो रहा है। फरवरी 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने तथा अमेरिका द्वारा रूस पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद से भारत और रूस के बीच व्यापार संबंधों में काफी बदलाव आया है। रूस से आयात में तीव्र वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप व्यापार असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया, वित्त वर्ष 2020-21 और 2023-24 में निर्यात 59 प्रतिशत बढ़ा, जबकि आयात में करीब 8,300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। व्यापार घाटा 2020-21 में युद्ध से पहले के 2.8 अरब अमरीकी डॉलर से बढ़कर वर्तमान में 57.2 अरब अमरीकी डॉलर हो गया है। इसमें कहा गया कि आयात में यह वृद्धि भारत द्वारा अनुकूल व्यापार शर्तों से प्रभावित होकर रूस से कच्चे तेल की रणनीतिक खरीद तथा पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच रूस की नए बाजार खोजने की आवश्यकता के कारण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आठ-नौ जुलाई को रूस यात्रा के दौरान भारत और रूस ने 2030 तक 100 अरब डॉलर का महत्वाकांक्षी द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य तय किया है।



1700 के पार जाएगा ड्रोन कंपनी का शेयर

खरीदने की मची लूट, एक्सपर्ट बोले- खरीदो, देगा मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। जेन टेक्नोलॉजीज के शेयर आज गुरुवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज कारोबरा के दौरान 4 प्रतिशत तक चढ़कर 1405 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। इधर, घरेलू ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने इस शेयर पर कवरेज शुरू किया है और इसे खरीदने की सलाह दी है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने जेन टेक्नोलॉजीज के शेयरों पर बाय रेटिंग दी है और 1,775 रुपये प्रति शेयर के टारगेट प्राइस के साथ कवरेज शुरू किया है।

ब्रोकरेज फर्म को उम्मीद है कि कंपनी इंडस्ट्रीज की तुलना में बहुत तेज गति से बढ़ेगी। इस मार्जिन काफी मजबूत रहेगा और अन्य डिफेंस सेक्टर में अपनी कैपासिटीज का विस्तार करेगी। ब्रोकिंग हाउस का यह भी मानना है कि जेन टेक्नोलॉजीज की मौजूदा ऑर्डर बुक हेल्दी रेवेन्यू जेनरेट कर रही है और इसका एसेट-लाइट मॉडल संभावित रूप से मजबूत आरओई और आरओसीई उत्पन्न कर सकता



है। इसका एएमसी कारोबार कुछ सालों में उत्पाद कारोबार के अनुरूप बढ़ने की उम्मीद है। मोतीलाल ओसवाल ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि जेन टेक्नोलॉजीज के आरओई और आरओसीई वित्त वर्ष 27 तक क्रमशः 38 प्रतिशत और 38 प्रतिशत तक सुधर जाएंगे। 1,400 करोड़ की ऑर्डर बुक और अगले तीन सालों में 37 प्रतिशत की संभावित इनफ्लो ष्टत्रक्र के साथ मोतीलाल ओसवाल को उम्मीद है कि कंपनी का राजस्व, इबीआईटीडीए और पीएटी वित्तवर्ष 24-27 से अधिक 63 प्रतिशत, 57 प्रतिशत और 56 प्रतिशत की ष्टत्रक्र को क्लॉक करेगा।

बजटः सीमा शुल्क को युक्तिसंगत बना सकता है केंद्र, घरेलू उद्योगों की रक्षा के लिए लिया जा सकता है फैसला



नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार पूर्ण बजट में देश को वैश्विक विनिर्माणकेंद्र बनाने और घरेलू उद्योगों की रक्षा के लिए इस्पात, सौर बैटरी, एल्युमीनियम और लिथियम सेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में सीमा शुल्क को युक्तिसंगत बना सकती है। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) के अध्यक्ष अमेय प्रभु ने कहा, कच्चे माल पर शुल्क से घरेलू कंपनियों और खासकर डाउनस्ट्रीम इकाइयों पर असर पड़ता है। इसलिए, इन क्षेत्रों में घरेलू उद्योग को बढ़ाने के लिए सुरक्षात्मक उपायों की आवश्यकता है। इन उपायों के जरिये हम घरेलू विनिर्माण को मजबूती से बढ़ावा देकर भारत को वैश्विक केंद्र बना सकते हैं। मिश्रित पेट्रोलियम गैस पर शुल्क 2.5 फीसदी करने की सिफारिश आईसीसी अध्यक्ष ने कहा, मिश्रित पेट्रोलियम गैस पर शुल्क को पांच फीसदी से घटाकर 2.5 फीसदी किया जाना चाहिए। ऐसा कर उलटे शुल्क ढांचे में सुधार लाया जा सकता है। उन्होंने सरकार से लाभांश पर कर नही लगाने की भी सिफारिश की है।

संक्षिप्त समाचार

चीन के मॉल में आग लगने से 16 लोगों की मौत, 75 लोगों को सुरक्षित निकाला बाहर



बीजिंग, एजेंसी। चीन के दक्षिण पश्चिम में स्थित जिगोंग शहर में एक 'शॉपिंग मॉल में आग लगने से 16 लोगों की मौत हो गई। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार बुधवार शाम छह बजे के बाद अग्निशमन और बचाव दल को 14 मंजिला मॉल में आग लगने की सूचना मिली जिसके बाद बचावकर्मी मौके पर पहुंचे और उन्होंने 75 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। बचाव कार्य जारी है। फिलहाल यह पता नहीं चला पाया है कि आग कैसे लगी और घटना के समय मॉल में कितने लोग थे। इस मॉल में एक 'डिपार्टमेंटल स्टोर, कार्यालय, रेस्तरां और एक थियेटर है। घटना के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं जिनमें इमारत के निचले हिस्से से खिड़कियों से धुएं का गुबार उठता दिख रहा है, इसके बाद आग ने पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। दमकल कर्मियों ने आग बुझाने के लिए पानी की बौछारें छोड़ी। स्थानीय मीडिया के अनुसार इस काम में ड्रोन की भी मदद ली गई। राष्ट्रीय अग्निशमन एवं बचाव प्रशासन के प्रवक्ता ली. वानफेंग ने बताया कि चीन में आग लगने की घटनाएं लगातार हो रही हैं। इस साल की शुरूआत से 20 मई तक कुछ ही महीनों में आग लगने की घटनाओं में 947 लोगों की मौत हुई, जो पिछले वर्ष इस अवधि की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है।

बांग्लादेशी पीएम का नौकर निकला अरबपति; हेलीकॉप्टर में करता है सफर

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के नौकर को लेकर बड़ी आश्चर्यजनक खुलासा हुआ है। जानकारी के अनुसार रहे प्रधानमंत्री शेख हसीना का नौकर कोई मामूली इंसान नहीं बल्कि अरबपति निकला जिसकी अकूत संपत्ति की चारों तरफ चर्चा है। जो शख्स कभी घर पर पानी पिलाने का काम किया करता था, आज उसके पास लगभग 3 अरब रुपए की संपत्ति है। पीएम शेख हसीना ने अब उसके खिलाफ एक्शन लिया है। बांग्लादेश में भ्रष्टाचार के मामले में जमकर किरकिरी के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एक्शन लेने की बात कही है। जिन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, उनमें शेख हसीना का पूर्व नौकर भी है, जिसने 3.4 करोड़ डॉलर (लगभग 2.84 अरब भारतीय रुपए) की दौलत जमा की है। यही नहीं, वह अब हेलीकॉप्टर से यात्रा करता है। बांग्लादेश की मीडिया में हसीना के इस नौकर की खूब चर्चा है। अन्य आरोपियों में एक पूर्व सेना प्रमुख, एक पूर्व पुलिस प्रमुख, वरिष्ठ कर अधिकारी और राज्य भर्ती अधिकारी शामिल हैं। हसीना ने कार्रवाई की जानकारी देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार एक पुरानी समस्या है। इन गड़बड़ियों को साफ किया जाना चाहिए। हम कदम उठा रहे हैं। बांग्लादेश की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पीएम शेख हसीना ने जिस नौकर की बात की है, वो कभी उनके यहां निम्न स्तरीय कर्मचारी हुआ करता था। वह सभी के आने पर पानी लेकर जाया करता था। हसीना ने कहा, वह व्यक्ति जो मेरे घर में चपरासी के रूप में काम करता था, अब उसके पास 400,00,00,000 टका (34 मिलियन डॉलर) है। वह हेलीकॉप्टर के बिना नहीं चल सकता। उसने इतना पैसा कैसे कमाया? यह जानने के बाद मैंने तुरंत कार्रवाई की।



नासा की आर्थिक स्थिति बिगड़ी? चंद्र मिशन को झटका, रोवर कार्यक्रम रद्द किया; लागत में वृद्धि का दिया हवाला

वॉशिंगटन, एजेंसी। नासा (नेशनेल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) ने गुरुवार को चंद्रमा पर रोवर उतारने के मिशन को रद्द करने की घोषणा की। इसके लिए अंतरिक्ष एजेंसी ने लागत में वृद्धि और प्रक्षेपण में देरी का हवाला दिया। एजेंसी के चंद्रमा पर खोज के कार्यक्रम के लिए इसे बड़ा झटका माना जा रहा है। नासा के मुताबिक वह इस मिशन के विकास पर अब तक करीब 450 मिलियन डॉलर खर्च कर चुका है। नासा के विज्ञान मिशन निदेशालय के सहयोगी प्रशासक निकी फॉक्स ने कहा, इस तरह के फैसले आसान नहीं होते। लेकिन इस मामले में वीआईपीईआर (वोलाटाइल्स इन्वेस्टिगेटिंग पोलार एक्सप्लोरेशन रोवर) के लिए अनुमानित शेष खर्चों के चलते कई अन्य मिशनों को या तो रद्द करना पड़ता या उन्हें रोकना पड़ता। नासा के आर्टेमिस चंद्र रोवर (वीआईपीईआर) का लक्ष्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ और अन्य संसाधनों का पता लगाना था। रोवर को एस्ट्रोबोटिक टेक्नोलॉजी की ओर से प्रदान किए गए लैंडर पर 2023 में लॉन्च करने की योजना थी। लेकिन, 2022 में नासा ने 2024 के अंत तक लॉन्च में देरी की बात कही, ताकि ग्रिफिन लैंडर व्हीकल के प्रीफ्लाइट टेस्ट के लिए ज्यादा समय मिल सके। इसके बाद लॉन्च की तारीख सितंबर 2025 तक बढ़ा दी गई। जबकि, मिशन की लागत बढ़कर 606.6 मिलियन डॉलर होने का अनुमान लगाया गया।

राष्ट्रपति बाइडेन कोविड 19 से संक्रमित, खुद को किया आइसोलेट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावी सरगर्मियों के बीच जो बाइडेन कोविड-19 संक्रमित हो गए हैं। हालांकि लक्षण हल्के बताए जा रहे हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन पियरे ने बुधवार को एक बयान में कहा, आज लास वेगास में अपने पहले कार्यक्रम के बाद, राष्ट्रपति बाइडेन का कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया। उन्होंने आगे कहा, वो वैक्सिनेटेड हैं और उन्होंने बूस्टर खुराक भी ली है तथा उनमें हल्के लक्षण हैं। कोरोना की वजह से नेवादा में उनका चुनाव प्रचार कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। जिसके बाद राष्ट्रपति अपने गृह राज्य डेलावेयर के लिए रवाना हो गए, जहां वे स्वयं को खुद को सेल्फ क्वारंटीन करेंगे और स्वास्थ्य लाभ लेंगे। बुधवार को बाइडेन की फिर से चुनाव लड़ने की कोशिश को सबसे बड़ी चुनौती प्रतिनिधि सभा में वरिष्ठ डेमोक्रेटिक सदस्य एडम शिफ ने दी। वो अमेरिकी सीनेट के लिए चुनाव लड़ रहे हैं, और राष्ट्रपति को पद से हटाने की मांग करने वाले सबसे नए डेमोक्रेट्स में शामिल हो गए हैं। शिफ पूर्व स्पीकर नैन्सी पेलोसी के बहुत करीबी हैं, जो पार्टी के अन्य नेताओं के साथ मिलकर राष्ट्रपति को बाहर निकालने की कोशिश कर रही हैं। शिफ ने एक बयान में लिखा, जो बाइडेन हमारे देश के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रपतियों में से एक रहे हैं, और सीनेटर, उपराष्ट्रपति और अब राष्ट्रपति के



रूप में उनकी आजीवन सेवा ने हमारे देश को बेहतर बनाया है। लेकिन हमारा देश एक दो राहे पर खड़ा है। ट्रम्प का दूसरा राष्ट्रपति बनना हमारे लोकतंत्र की नींव को कमजोर कर देगा, और मुझे इस बात की फिक्र है कि क्या राष्ट्रपति नवंबर में डोनाल्ड ट्रम्प को हरा पाएंगे? बाइडेन ने पद छोड़ने की किसी भी सलाह को अस्वीकार कर दिया है और दौड़ में बने रहने की कसम खाई है, लेकिन उनकी उम्र को देखते हुए उनका कोविड-19 संक्रमण उनके संकल्प को गंभीर रूप से चुनौती दे सकता है। व्हाइट हाउस के डॉक्टर केविन ओ कॉनर ने जीन-पियरे द्वारा जारी किए गए उसी बयान में कहा, बाइडेन में अभी हल्के लक्षण दिखाई दे रहे हैं, जैसे नाक बहना और खांसी। उन्हें थकान भी महसूस हो रही है। कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट के बाद बाइडेन को एंटी वायरल दवा पैक्सलोविड दी गई है। उन्होंने अपनी पहली खुराक ले ली उन्हें दिन के अपने पहले कार्यक्रम के लिए ठीक लगा, लेकिन यह देखते हुए कि वह बेहतर महसूस नहीं कर रहे थे, एहतियातन कोविड 19 टेस्ट किया गया जो पॉजिटिव आया। डॉक्टर ने कहा, उनके लक्षण हल्के बने हुए हैं। उनका तापमान सामान्य रूप से 97.8 है और उनकी पल्स ऑक्सीमेट्री सामान्य रूप से 97 प्रतिशत है। राष्ट्रपति को पैक्सलोविड की पहली खुराक मिल गई है। वह रेहोबोथ में अपने घर में खुद को अलग रखेंगे।

राष्ट्रपति की रेस से बाहर हो सकते हैं जो बाइडन: अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने हाल ही में एक ऐसी स्थिति का खुलासा किया है जो उन्हें 2024 के राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर कर सकती है। उन्होंने बताया कि यदि उन्हें कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या होती है और डॉक्टर यह बताते हैं कि उनकी स्थिति ठीक नहीं है, तो वह राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर हो सकते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल वह राष्ट्रपति पद की दौड़ में बने रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं और राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी छोड़ने के किसी भी विचार को नकारते हैं।

बाइडन की पार्टी में ही उठ रहे सवाल : डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर बाइडन की उम्मीदवारी पर सवाल उठाए जा रहे हैं। जून में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ बहस के दौरान बाइडन के प्रदर्शन की आलोचना की गई है, जिसके बाद डेमोक्रेट्स ने बाइडन से राष्ट्रपति पद की दौड़ छोड़ने का आग्रह किया है। इसके बावजूद, बाइडन ने स्पष्ट किया है कि उन्होंने राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए एक संक्रमणकालीन भूमिका निभाने का सोचा था, लेकिन देश की वर्तमान स्थिति और विभाजन ने उन्हें इस निर्णय पर विचार करने को मजबूर किया।

मैं राष्ट्रपति के लिए बिलकुल फिट हूं: जो बाइडन : बाइडन ने यह भी कहा कि उम्र के साथ समझदारी बढ़ती है और उन्होंने यह साबित किया है कि वह देश के लिए काम कर सकते हैं, भले ही कई लोग इसका विश्वास नहीं करते थे। वह इस समय और भी काम करने के लिए उत्सुक हैं और इस स्थिति से दूर जाने के लिए तैयार नहीं हैं।

अश्वेत मतदाओं के बीच बढ़ा अविश्वास : हालांकि, बाइडन को लेकर अश्वेत मतदाताओं के बीच उत्साह में कमी देखी जा रही है। 2020 के चुनाव के बाद, प्रमुख स्विंग राज्यों जैसे मिशिगन और पेंसिल्वेनिया में अश्वेत मतदाताओं के समर्थन में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट आई है। बाइडन इस स्थिति को सुधारने के लिए अश्वेत मतदाताओं से समर्थन बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। इन सबके बावजूद, बाइडन का इरादा स्पष्ट है कि वह राष्ट्रपति पद की दौड़ में बने रहना चाहते हैं।

अमेरिका को राजनीतिक हिंसा को खारिज करना चाहिए: उपराष्ट्रपति कमला हैरिस

मिलवाउकी, एजेंसी। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने देशवासियों से राजनीतिक हिंसा को खारिज करने का आह्वान किया और यह भी कहा कि देशवासियों को आगामी राष्ट्रपति चुनाव में क्या दांव पर लगा है, इसके बारे में एक 'स्वस्थ चर्चा को 'स्वीकार करना चाहिए। अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। मिशिगन में बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम में हैरिस ने कहा, अमेरिकी लोकतंत्र की खूबी, किसी भी लोकतंत्र की खूबी विचारों और नीतियों के बीच एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा तथा भविष्य के लिए मजबूत दृष्टिकोण है। जिस तरह हमें राजनीतिक हिंसा को खारिज करना चाहिए, उसी तरह हमें इस चुनाव में क्या दांव पर लगा है, इसके बारे में एक स्वस्थ चर्चा को अपनाना भी चाहिए। हैरिस ने पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर हाल ही में हुए जानलेवा हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, जैसा कि हम सभी जानते हैं, यह एक जघन्य, भयानक और कायरतापूर्ण कृत्य था। मैं और मेरे पति डग (एम्हॉफ) इस बात को लेकर शुक्रगुजार हैं कि वह गंभीर रूप से घायल नहीं हुए। उस दिन, जैसे ही हमने देखा कि क्या हो रहा है, हमने उनकी सलामती के लिए दुआ की। हमारा ध्यान तुरंत मेलानिया (ट्रंप) और उनके परिवार पर चला गया, जिनसे हम मिल चुके हैं। हैरिस ने कहा कि सबसे अहम यह है कि किसी को भी अपने प्रियजन की सुरक्षा को लेकर इसलिए चिंतित नहीं होना चाहिए, क्योंकि वे किसी सार्वजनिक पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने अमेरिकी खुफिया विभाग, प्रवर्तन एजेंसियों और स्थानीय प्राधिकारियों का आभार भी जताया। उपराष्ट्रपति ने कहा, मेरा मानना ??है कि अमेरिका दुनिया का सबसे महान लोकतंत्र है। लेकिन पिछले सप्ताहांत हुई गोलीबारी की घटना के बाद हमारे सामने जो सवाल खड़े हुए हैं, उनमें से एक यह है कि हमें इस अभियान में एक-दूसरे के साथ किस तरह जुड़ना चाहिए।



ट्रंप की हत्या की साजिश से ईरान का इनकार

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने बुधवार को अमेरिकी मीडिया की उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश तेहरान में रची गई थी। सीएनएन ने मंगलवार को दावा किया था कि अमेरिकी अधिकारियों को हाल के सप्ताहों में मानवीय सूत्रों से ट्रंप की हत्या की ईरानी साजिश के बारे में पता चला था जिसके बाद पूर्व राष्ट्रपति के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नासिर कनानी ने आज एक बयान में कहा कि जनवरी 2020 में शीर्ष ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी की हत्या के अपराध में सीधी भागीदारी के कारण ईरान ट्रंप के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन तेहरान ने ट्रंप पर हाल में हुए हमले में किसी प्रकार का हाथ होने या ईरान का ऐसा कोई इरादा होने से साफ-साफ इनकार किया है। कनानी ने कहा कि इस तरह के दावों के पीछे पक्षपात पूर्ण राजनीतिक मंशा है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति पर पेनसिल्वेनिया प्रांत में गत शनिवार को चुनावी रैली के दौरान थॉमस मैथ्यू क्रूक (20) नामक के युवक ने गोली चलाई थी। हमले में ट्रंप बाल-बाल बच गये। गोली उनके कान को छूकर निकल गई। घटना में रैली में मौजूद एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गये।

पुलिस कार से टक्कर लगने के बाद हुई थी भारतीय छात्रा की मौत, मजाक बनाने वाला अधिकारी बर्खास्त

वॉशिंगटन, एजेंसी। इस साल जनवरी में सिएटल में तेज गति से आ रही पुलिस की गश्ती कार की चपेट में आने से भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला की मौत हो गई थी। यह मामला उस समय सामने आया था, जब वहां के पुलिस विभाग ने एक फुटेज जारी की, जिसमें अधिकारी डेनियल ऑडरर को इस हादसे को हंसकर टालते हुए देखा गया था। अब इस मामले में नई कार्रवाई की गई है। पुलिस अधिकारी को बर्खास्त कर दिया गया है।

पुलिस की गाड़ी की टक्कर से हुई थी मौत : जाह्नवी कंडुला को इसी साल 23 जनवरी को सिएटल की एक सड़क पर पुलिस वाहन ने टक्कर मार दी थी, जिससे उसकी मौत हो गई थी। घटना के दौरान पुलिस की कार 119 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ रही थी, जिसने सड़क पार कर रही जाह्नवी को जोरदार टक्कर मार दी थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि जाह्नवी करीब 100 फीट तक उछलकर दूर जाकर गिरी थी और उसकी मौत हो गई। दरअसल, पुलिस अधिकारी केविन डेव एक ड्रग ओवरडोज की आपात सूचना पर मौके पर जा रहे थे और घटनास्थल पर जल्दी पहुंचने के लिए वे तेज गति से वाहन चला रहे थे। इसी दौरान सड़क पार कर रही जाह्नवी कार के सामने आ गई और टक्कर हो गई।

पुलिस अधिकारी के हंसने पर हुआ था हंगामा : घटना के बाद पुलिस विभाग ने बॉडीकैम फुटेज जारी किए थे, जिनमें सिएटल



पुलिस के अधिकारी डेनियल ऑडरर दुर्घटना पर हंसते हुए सुनाई दिए थे, जिसे लेकर खूब हंगामा हुआ था और लोगों ने भारतीय छात्रा की मौत पर हंसने वाले अधिकारी के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की थी। ऑडरर दुर्घटना में शामिल नहीं थे, लेकिन वे हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंचे थे।

इस दौरान ऑडरर ने हंसते हुए कहा था कि वह मर चुकी है, उसकी लिमिटेड वैल्यू थी। ऑडरर के बॉडीकैम का वीडियो सार्वजनिक होने पर सिएटल पुलिस को काफी आलोचना झेलनी पड़ी थी। पुलिस विभाग ने भी ऑडरर के रवैये की आलोचना की थी। कहा था कि इस तरह के व्यवहार से लोगों का सिएटल पुलिस पर विश्वास कम हुआ है। हंगामे के बाद ऑडरर को ऑपरेशनल पॉजिशन से हटा दिया गया था। ....इसलिए नौकरी से निकाला सिएटल पुलिस विभाग में अंतरिम प्रमुख सू राहर ने कहा कि ऑडरर के शब्दों ने कंडुला के परिवार को जो चोट पहुंचाई है, उसे मिटाया नहीं जा सकता है। इस व्यक्तिगत पुलिस अधिकारी की हरकतों ने सिएटल पुलिस विभाग को शर्मसार कर दिया है, जिससे हर पुलिस अधिकारी का काम और मुश्किल हो गया है। राहर ने कहा कि सार्वजनिक विश्वास बनाए रखने के लिए जरूरी मानकों को बरकरार मेरा उनका कर्तव्य है। अधिकारी को हमारे विभाग में बने रहने की अनुमति देने से हमारे विभाग पर और सवाल खड़े होंगे।

रूस के साथ संबंधों को लेकर भारत पर दबाव अनुचित - रूसी विदेश मंत्री

वाशिंगटन, एजेंसी। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने वाली एक महान शक्ति है और मॉस्को के साथ उसके संबंधों को लेकर उस पर पूरी तरह से अनुचित दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, भारत एक महान शक्ति है, अपने राष्ट्रीय हितों को खुद तय करता है, अपने दोस्त खुद चुनता है, और हम जानते हैं कि भारत पर पूरी तरह से अनुचित दबाव डाला जा रहा है। उन्होंने पिछले हफ्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मॉस्को यात्रा की आलोचना के खिलाफ रूस के साथ भारत के संबंधों, विशेष रूप से ऊर्जा सहयोग का बचाव करते हुए कहा, मुझे लगता है कि भारत जो कर रहा है सही कर रहा है। लावरोव ने प्रधानमंत्री मोदी की मॉस्को यात्रा के बारे में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेन्स्की की टिप्पणी को बहुत अपमानजनक कहा। उन्होंने कहा कि भारत ने यूक्रेन के नई दिल्ली स्थित राजदूत ओलेक्सांद्र पोलिशचुक को विदेश मंत्रालय में बुलाया और ज़ेलेंस्की की टिप्पणी पर विरोध जताया था। ज़ेलेंस्की ने एक्स पर पोस्ट किया था, यह शांति प्रयासों के लिए बड़ा



झटका है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता ने मॉस्को में दुनिया के सबसे खूनी अपराधी को ऐसे दिन गले लगाया जब कीव में बच्चों के अस्पताल पर रूसी मिसाइल से हमला हुआ था। भारत के साथ चीन को भी जोड़ते हुए, लावरोव ने एशियाई दिग्गजों की पश्चिमी देशों की ओर से हो रही आलोचना पर हमला किया। उन्होंने कहा, मल्टीपोलर दुनिया एक वास्तविकता है। यह काल्पनिक नहीं है। उन्होंने कहा, यह सच है कि पश्चिम चीन जैसी शक्तियों के प्रति अपनी नाराजगी दिखाता है, यह कूटनीति की विफलता को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा, इस तरह से व्यवहार करना वास्तव में ओछी बात है, खास तौर पर तब जब वे इन दो दिग्गजों से इस तरह से बात कर रहे हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने प्रधानमंत्री मोदी की मास्को यात्रा के दौरान कहा था, हमने भारत के रूस के साथ संबंधों के बारे में अपनी चिंताओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया है। भारत एक रणनीतिक साझेदार है जिसके साथ हम स्पष्ट बातचीत करते हैं, और इसमें रूस के साथ संबंधों के बारे में हमारी चिंताएं भी शामिल हैं। लावरोव ने भारत के विदेश मंत्री द्वारा रूस से ऊर्जा उत्पाद खरीदने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, मेरे सहयोगी सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने पश्चिमी देशों के दौरे के बाद रूस से अधिक तेल खरीदने के सवालों के जवाब में आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा था कि पश्चिमी देश भी रूस से गैस खरीद रहे हैं, प्रतिबंधों के बावजूद। लावरोव ने कहा, और फिर उन्होंने कहा था कि भारत खुद तय करेगा कि उसे किसके साथ व्यापार करना है और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कैसे करनी है।

पेरिस में ओलंपिक से पहले बवाल: 100 सालों से गंदगी के लिए बैन नदी में मेयर ने लगा दी छलांग

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की राजधानी पेरिस में 26 जुलाई से 10 अगस्त तक ओलंपिक खेलों का आयोजन होना वाला है। इस दौरान पूरी दुनिया की नजर राजधानी पर होगी। ओलंपिक शुरू होने से कुछ दिन पहले शहर के बीच बह रही सीन नदी को लेकर बवाल शुरू हो गया है। कुछ समय पहले तक लोग जिस नदी में पेशाब करने की धमकी दे रहे थे, पेरिस की 65 साल की मेयर एने?? हिडाल्गो ने उसी नदी में छलांग लगा दी और लोगों को नया संदेश दिया। जानकारी के मुताबिक पेरिस की सीन नदी काफी सालों से गंदगी को लेकर चर्चा में रही है। गंदगी के कारण ही इस नदी में पिछले 100 सालों से तैराकी पर बैन है। पेरिस ओलंपिक में मैराथन तैराकी और ट्राइथलॉन के इवेंट्स इसी नदी पर होने हैं। के लिए इस नदी को साफ करने के लिए 11 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा रकम खर्च हुई है। इसके बावजूद पेरिस के कई लोगों का मानना है यह कि नदी अब भी इवेंट्स के आयोजन के लिए तैयार नहीं है। 2024 ओलिंपिक के दौरान तैराकी स्पर्धाओं की मेजबानी के मद्देनजर सीन नदी की स्वच्छता दिखाने के लिए मेयर ने बुधवार को इसमें डुबकी लगाई। 'वेटसूट' पहनकर हिडाल्गो ने अपने कार्यालय सिटी हॉल और नोट्रे डेम कैथेड्रल के पास नदी में छलांग लगाई। पेरिस 2024 के प्रमुख टोनी एस्टांगुएट और पेरिस क्षेत्र के शीर्ष सरकारी



अधिकारी मार्क गिलियूम भी उनके साथ शामिल थे। एने हिडाल्गो ने नदी से बाहर निकलते हुए कहा, 'पानी बहुत अच्छा है। थोड़ा ठंडा है, लेकिन इतना खराब नहीं है।' यह 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलिंपिक खेलों से पहले नदी की स्वच्छता दिखाने का प्रयास है जिसमें सीन नदी पर नावों पर खिलाड़ियों की परेड भी शामिल है। जून के शुरू में जल गुणवत्ता जांच में ई कोलाई बैक्टीरिया का असुरक्षित स्तर मिला था जिसके बाद हाल ही में सुधार हुआ। नदी की स्वच्छता के लिए डेढ़ अरब डॉलर का खर्चा किया गया है। सीन नदी के प्रदूषण स्तर को लेकर भी चिंता बनी हुई है जिससे हर दिन नदी के पानी की जांच की जा रही है और हाल में जांच के परिणामों में सुधार दिखा है। उल्लेखनीय है कि इसके आयोजक इन खेलों के जरिए ऐसी विरासत तैयार करना चाहते हैं।

दक्षिण एशिया के प्रवासियों ने अमेरिका को समृद्ध किया-जेडी वैंस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में इस साल पांच नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान होना है। उसके लिए सियासी दलों का चुनाव प्रचार तेज हो गया है। इस बीच, रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वैंस ने गुरुवार को अपनी पत्नी उष चिलुकुरी की प्रशंसा की। इसके साथ ही उन्होंने देश को वास्तव में समृद्ध बनाने में दक्षिण एशिया के प्रवासियों की भूमिका की भी सराहना की। उनकी ओर से यह बयान ऐसे समय में आया है, जब उन्होंने अमेरिका के उप राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के नामांकन आधिकारिक रूप से स्वीकार कर लिया है। यहां रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन के तीसरे दिन अपने भाषण में वैंस ने कहा, मेरी शादी इस देश में आए दक्षिण एशियाई प्रवासियों की बेटी से हुई है। इन लोगों ने वास्तव में देश को कई तरीकों से समृद्ध किया है। उन्होंने कहा कि वह पक्षपाती हैं क्योंकि वह अपनी पत्नी से प्यार करता हूं। वैंस ने कहा कि वह अपनी खूबसूरत पत्नी उषा से येल विश्वविद्यालय में मिले थे। उन्होंने कहा, आज शाम मेरी खूबसूरत पत्नी उषा भी यहां शामिल हुई हैं। वह एक अच्छी वकील और एक बेहतर मां हैं। भारतीय प्रवासियों की बेटी उषा सैन डिएगो के एक उपनगर में पली-बढ़ीं। वह येल विश्वविद्यालय से पढ़ीं हैं। उषा अभी मुंगेर, टॉल्स एंड एलएलपी में नागरिक मुकदमों की वकील हैं। जेडी वैंस और उषा की शादी 2014



में केंटकी में हुई थी। दंपति के तीन बच्चे हैं। जिनमें दो बेटे इवान और विवेक और एक बेटी मीराबेल शामिल हैं।

ट्रंप पर हमले को लेकर कही ये बात : ओहायो से सीनेटर वैंस ने ट्रंप पर हमले को लेक कहा, हम यह नहीं भूल सकते कि यह शाम बहुत अलग हो सकती थी। यह उत्सव के बजाय दर्द और शोक का दिन हो सकता था। पिछले आठ वर्षों से राष्ट्रपति ट्रंप ने हमारे देश के लोगों के लिए लड़ते हुए अपना सब कुछ दिया है। उन्हें राजनीति की जरूरत नहीं थी। बल्कि देश को उनकी जरूरत थी। उन्होंने आसान रास्ता चुनने के बजाय अपमान, बदनामी और उत्पीड़न को सहना चुना। उन्होंने ऐसे इसलिए किया क्योंकि वह इस देश से प्यार करते हैं। वह लोगों की चिंता करते हैं। वह एक पल में एक हत्यारे के खिलाफ लड़ने के लिए खड़े हो सकते हैं।

राष्ट्रपति जो बाइडन पर साधा निशाना : वैंस ने राष्ट्रपति जो बाइडन पर निशाना साधते हुए कहा, जब मैं चौथी कक्षा में था, तब बाइडन नाम के एक राजनेता ने नाफ्टा (उत्तरी अमेरिकी मुक्त व्यापार समझौता) का समर्थन किया। यह एक खराब व्यापार समझौता था, जिसने मेक्सिकों को अनगिनत अच्छी नौकरियां भेजीं। जब मैं हाई स्कूल में था, तब बाइडन नाम के उसी राजनेता ने एक व्यापार सौदा किया, जिससे अमेरिका में विनिर्माण क्षेत्र में मध्य वर्ग का रोजगार नष्ट हो गया।

15 की उम्र में पहला ओलिंपिक गोल्ड, 23 साल में लिया संन्यास

चीनी डाइवर ने किसी को आसपास भी नहीं आने दिया

नईदिल्ली, एजेंसी। चीन ओलिंपिक के सबसे सफल देशों में शामिल है। हर ओलिंपिक में अमेरिका और चीन में सबसे ज्यादा मेडल जीतने की टक्कर होती है। लेकिन क्या आपको पता है कि टीम की सबसे सफल ओलिंपियन कौन है? चीन के लिए 4 खिलाड़ियों ने सबसे ज्यादा 5-5 मेडल जीते हैं। इसमें एक ऐसी भी खिलाड़ी का नाम है, जिसने सिर्फ 23 साल की उम्र में ही खेल से संन्यास ले लिया था। उस खिलाड़ी का नाम है- चेन रुओलिन।



डेब्यू ओलिंपिक में ही दो गोल्ड

डाइविंग की खिलाड़ी चेन रुओलिन ने घरेलू बीजिंग ओलिंपिक में ही डेब्यू किया था। तब उनकी उम्र 15 साल थी। उन्होंने बीजिंग 10 मीटर प्लेटफॉर्म और 10 मीटर सिंक्रो प्लेटफॉर्म में गोल्ड मेडल जीता था। फिर लंदन ओलिंपिक में भी इन दोनों इवेंट में गोल्ड पर कब्जा जमाया।

रियो में एक ही इवेंट में उतरीं- चेन का जन्म जिआंग्सू के नानटोंगमें हुआ था। वह 2016 में हुए रियो ओलिंपिक में सिर्फ सिंग्रो प्लेटफॉर्म इवेंट में ही उतरीं। यहां भी उन्होंने गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। उन्होंने 2014 यूथ ओलंपिक में मशाल प्रज्वलित की थी।

पाकिस्तान बिगाड़ेगा आईपीएल 2025 का खेल...

इस बड़ी टीम के खिलाड़ी हो सकते हैं बाहर

नईदिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम अब अगले अप्रैल 2025 तक काफी व्यस्त रहने वाली है. उन्होंने अपना घरेलू शेड्यूल घोषित कर दिया है. मगर इस शेड्यूल ने इंडियन प्रीमियर लीग को लेकर बीसीसीआई की टेंशन बढ़ा दी है. दरअसल, न्यूजीलैंड क्रिकेट ने ऑफिशियल तौर पर 2024-25 होम



सीजन का ऐलान कर दिया है. इसके तहत उसे अगले साल पाकिस्तान के खिलाफ मार्च-अप्रैल में 5 टी20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है. ऐसे में इस पाकिस्तानी सीरीज ने आईपीएल 2025 को लेकर टेंशन बढ़ा दी है.

ये स्टार खिलाड़ी हो सकते हैं आईपीएल से बाहर - इस सीरीज का आईपीएल से टकराव होगा. ऐसे में न्यूजीलैंड के स्टार खिलाड़ी आईपीएल से बाहर हो सकते हैं. इन स्टार खिलाड़ियों में डेवॉन कॉन्वे, ग्लेन फिलिप्स, केन विलियमसन, मिचेल सेंटनर, रचिन रवींद्र और डेरेल मिचेल शामिल हैं.



पीटी उषा बोली- भारतीय दल को सर्वश्रेष्ठ सुविधा देने का प्रयास कर रहे

...फिर भी हो रही आलोचना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने बुधवार को कहा कि पेरिस ओलंपिक में भाग ले रहे खिलाड़ियों को उनकी पसंद का सहयोगी स्टाफ मुहैया कराने के लिए खेल मंत्रालय, आईओए और राष्ट्रीय महासंघों ने मिलकर बहुत अच्छा काम किया। उन्होंने इस शानदार तालमेल पर गौर नहीं करने के लिए आलोचकों को लताड़ भी लगाई।

खेल मंत्रालय ने 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए 117 खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के 140 सदस्यों को मंजूरी दी है। इनमें निजी कोच, मानसिक ट्रेनर और फिजियोथैरेपिस्ट भी शामिल हैं। आईओए विशेष रूप से प्रसिद्ध खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला के नेतृत्व में गठित 13 सदस्यीय खेल विज्ञान टीम भी दल के साथ भेज रहा है।

उषा ने कहा, 'आईओए में हम एक ऐसे युग में प्रवेश कर चुके हैं, जहां खिलाड़ी हमारी योजना और तैयारियों के केंद्र में हैं। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों के बीच सामान्य 3-1 अनुपात के बजाय हमने इसे 1-1 अनुपात से थोड़ा बेहतर करने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की हर मांग पूरी करने के प्रयासों के बावजूद कुछ रिपोर्टों में काम की नकारात्मक तस्वीर पेश करना निराशाजनक है। उषा ने कहा, 'खेल मंत्रालय और इसकी इकाइयों, राष्ट्रीय खेल महासंघों और कॉर्पोरेट



भागीदारों के साथ मिलकर आईओए ने शानदार टीमवर्क से काम किया है। यह देखकर हैरानी होती है कि कुछ लोगों ने इस तरह के तालमेल को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले छह पहलवानों में से एक अंतिम पंघाल कथित तौर पर अपने चार सदस्यीय सहायक स्टाफ के लिए वीजा का इंतजार कर रही हैं, जिससे उनके अभ्यास में बाधा पड़ रही है। उषा ने कहा कि वह सुनिश्चित करेंगी कि खिलाड़ियों के गैर मान्यता प्राप्त सहयोगी स्टाफ के लिए वीजा में और देरी न हो और वह भारत में फ्रांस के दूतावास के साथ अंतिम के कोच भगत सिंह, फिजियोथेरेपिस्ट हीरा और स्पारिंग पार्टनर विकास का मुद्दा उठाएंगी। उषा ने इसके लिए अब भंग कर दी गई तदर्थ समिति को जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने कहा, 'कुश्ती का संचालन करने वाली (आईओए द्वारा नियुक्त) तदर्थ समिति ने ओलंपिक खेल आयोजन समिति को भेजे गए नामों की लंबी सूची में अंतिम के कोच या फिजियोथेरेपिस्ट का नाम शामिल नहीं करने का फैसला किया। उषा ने कहा, 'यह अजीबोगरीब है कि खिलाड़ियों, कोच और सहयोगी स्टाफ की लंबी सूची को मंजूरी देने वाले जिम्मेदार अधिकारियों ने भगत सिंह या हीरा या विकास को शामिल करने की सिफारिश करना उचित नहीं समझा।

कप्तान रोहित और कोच द्रविड़ के समर्थन ने मुझे प्रेरित रखा: शिवम दुबे

नई दिल्ली, एजेंसी। शिवम दुबे को यूएसए और कैरेबियन में टी20 विश्व कप 2024 में अपने खराब प्रदर्शन के लिए काफी आलोचना का सामना करना पड़ा। क्रिकेट पंडितों ने उन्हें भारत की बल्लेबाजी लाइनअप की सबसे कमजोर कड़ी तक करार दिया। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में, दुबे ने अपनी उपयोगिता साबित की जब भारत 13.3 ओवर के बाद 103-4 पर संकट में था। दबाव में आकर दुबे विराट कोहली से जुड़ गए, जो भी अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने 16 गेंदों में 27 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, जिसमें तीन छक्के और एक चौका लगाया। पांचवें विकेट के लिए कोहली के साथ उनकी 57 रन की साझेदारी पारी को स्थिर करने में महत्वपूर्ण रही। बात करते हुए, हार्ड-हिटिंग बल्लेबाज ने संयुक्त राज्य अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप में अपनी यात्रा साझा की, और कैसे उन्होंने बहुत अधिक गर्मी का सामना करने के बावजूद खुद को शांत रखा।



चामरी अथापथु आगामी महिला एशिया कप में श्रीलंका का नेतृत्व करेंगी

कोलंबो, एजेंसी। बिग-हिट ऑलराउंडर चामरी अथापथु 19 जुलाई से दांबुला में शुरू होने वाले आगामी महिला एशिया कप में 15 सदस्यीय श्रीलंका टीम का नेतृत्व करेंगी। विकेटकीपर अनुष्का संजीवनी, बाएं हाथ की तेज गेंदबाज उदेशिका प्रबोधनी और दाएं हाथ की तेज गेंदबाज अचिनी कुलसुरिया, जो वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रीलंका की घरेलू टी20 सीरीज हार का हिस्सा नहीं थीं, मेहमानों के खिलाफ वनडे चरण में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद खुद को टीम में शामिल पाती हैं। टीम में अन्य परिचित नामों में हर्षिता समरविक्रमा, हसिनी परेरा, कविशा दिलहारी, नीलाक्षी डी सिल्वा के साथ-साथ युवा खिलाड़ी - सलामी बल्लेबाज विशमी गुणरत्ने और बाएं हाथ की कलाई की स्पिनर शशिनी गिम्हानी शामिल हैं। श्रीलंका अपने अभियान की शुरुआत 20 जुलाई को रंगिरी दांबुला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में ग्रुप बी प्रतिद्वंद्वी बांग्लादेश के खिलाफ करेगा, जिसके बाद उसे क्रमशः 22 और 24 जुलाई को मलेशिया और थाईलैंड का सामना करना पड़ेगा। 2022 में महिला एशिया कप के पिछले संस्करण की उपविजेता श्रीलंका इस बार खिताब जीतने के प्रबल दावेदारों में से एक के रूप में टूर्नामेंट में जा रही है, जिसने पिछले 12 महीनों में घर से दूर टी20 श्रृंखला में इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका को हराया है। साथ ही बांग्लादेश में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए भी अपनी जगह पक्की कर ली है।

श्रीलंका टीमः

चामरी अथापथु (कप्तान), विशमी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, हसिनी परेरा, कविशा दिलहारी, नीलाक्षी डी सिल्वा, अनुष्का संजीवनी, सुगंधिका कुमारी, उदेशिका प्रबोधनी, अचिनी कुलसुरिया, इनोशी प्रियदर्शनी, काव्या कविंदी, सचिनी निसानसाला, शशिनी गिम्हानी और अमा कंचना



यशस्वी जायसवाल टेस्ट और टी20 रैंकिंग में भारत के एकमात्र टॉप-10 बल्लेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल आईसीसी टी20 रैंकिंग में छठे नंबर पर हैं। उनके प्रदर्शन की निरंतरता ने उनको टेस्ट मैचों में भी टॉप-10 में जगह दिलाई है। वे टेस्ट क्रिकेट में 8वें स्थान पर मौजूद हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ हालिया टी20 सीरीज में जायसवाल दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। जायसवाल ने शुरुआती दो मैच नहीं खेले थे, वर्ना वह सीरीज के टॉप रन स्कोरर भी बन सकते थे। जायसवाल सीरीज के तीसरे मैच में टीम के साथ जुड़े , और उन्होंने तीन मैचों की तीन पारियों में 70.50 की औसत के साथ 141 रन बनाए।

सीरीज के टॉप स्कोरर शुभमन गिल थे, जिन्होंने 5 मैचों की पांच पारियों में 170 रन बनाए थे। हालांकि गिल की औसत 42.50 रही थी। जायसवाल इस समय इकलौते भारतीय बल्लेबाज हैं, जो टेस्ट और टी0 रैंकिंग में टॉप-10 में शामिल हैं। टी20 मैचों में ऑस्ट्रेलियाई सनसनी ट्रेविस हेड नंबर एक पर हैं। भारत के मिस्टर 360 डिग्री खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव नंबर दो पर हैं। उसके बाद भारतीय बल्लेबाज के तौर पर यशस्वी जायसवाल और ऋतुराज गायकवाड़ टॉप-10 में शामिल हैं। टेस्ट मैचों में न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन नंबर एक पर हैं। दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमशः जो रूट और बाबर आजम हैं।

यशस्वी जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर में 9 मैचों में 68.53 की औसत के साथ 1028 रन बनाए हैं। उन्होंने 20 टी20 मैचों में 37.20 की औसत के साथ 643 रन बनाए हैं। खास बात यह है कि जायसवाल ने अभी तक एक भी वनडे मैच नहीं खेला है। वह दो फॉर्मेट में भारत के लिए खेलते हैं और दोनों में टॉप-10 में हैं।

भारतीय क्रिकेट का अगला दौरा श्रीलंका में है, जहां टीम इंडिया तीन मैचों की टी20 सीरीज के बाद इतने ही मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। ये दौरा 27 जुलाई से शुरू होगा और 7 अगस्त तक चलेगा। फिलहाल टीम इंडिया का चयन होना बाकी है। सीरीज में यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन पर एक बार फिर नजरें रहेंगी।

डोपिंग के संदेह में पोलिश कैनोइस्ट बोरोस्का पेरिस ओलंपिक से चूकेंगी

वारसॉ, एजेंसी। पोलिश कैनो फेडरेशन ने कहा है कि डोपिंग रोधी नियमों के कथित उल्लंघन के कारण स्प्रिंट कैनोइस्ट डोरोटा बोरोस्का को 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए पोलैंड की टीम से वापस ले लिया गया है। 28 वर्षीय ने जून में हंगरी के सेज्ड में 2024 ईसीए कैनो स्प्रिंट यूरोपीय चैंपियनशिप में महिलाओं की सी1 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बोरोस्का को ओलंपिक खेलों में पोलैंड की पदक उम्मीदों में से एक के रूप में देखा गया था। पोलिश कैनो फेडरेशन (पीसीएफ) ने एक बयान में कहा, ÷हम खेल में शुद्धता का समर्थन करते हैं और प्रतिबंधित डोपिंग पदार्थों के उपयोग की कड़ी निंदा करते हैं।

मां की सकारात्मक सोच से बेहतर प्रदर्शन करना चाहती हैं याराजी

संघर्षों को खत्म करने की कोशिश

पेरिस ओलंपिक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय एथलीट ज्योति याराजी पेरिस ओलंपिक में अपना दम दिखाने के लिए तैयार हैं। 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस खेलों में ज्योति 100 मीटर बाधा दौड़ में हिस्सा लेंगी और ऐसा करने वाली देश की पहली खिलाड़ी बन जाएंगी। ज्योति ने कहा कि वह इन खेलों में अपनी मां की सकारात्मक सोच से प्रेरित होकर शानदार प्रदर्शन करना चाहेंगी। ज्योति की मां विशाखापत्तनम में एक स्थानीय अस्पताल में सफाईकर्मी और घरेलू सहायिका के तौर पर काम करती हैं।

अच्छे प्रदर्शन के लिए मां ने किया प्रेरित- विश्व रैंकिंग कोटे से ओलंपिक के लिए क्वालिफाई



करने वाली याराजी की कोशिश अपनी मां कुमारी के अभी तक के सारे संघर्षों को खत्म करने की होगी। याराजी ने कहा, पहले मैं अपनी व्यक्तिगत जिंदगी, अपने परिवार और पृष्ठभूमि को लेकर बहुत ज्यादा चिंतित रहती थी, लेकिन मैंने काफी कुछ सीखा है। कभी कभार मेरी हालत बहुत खराब होती। मेरी मां हमेशा मुझे कहती कि आगे बढ़ते रहो क्योंकि हम वर्तमान, अतीत और भविष्य को नहीं रोक सकते। मेरी मां ने मुझे कहा कि तुम अपने लिए काम करो, कोई भी नतीजा रहे, हम इसे स्वीकार करेंगे।

मेरी मां प्रतियोगिता से पहले मुझे कभी नहीं कहतीं कि पदक जीतो या फिर स्वर्ण पदक जीतो। वह मुझसे कहतीं कि जाओ स्वस्थ रहो और जो भी मैं करूं उसमें संतुष्ट रहूं। इसलिए मैं हमेशा सकारात्मक सोच से आगे बढ़ती हूं। याराजी ने अपने कोच जेम्स हिलियर का जिक्र करते हुए कहा, पहले मेरे पास अच्छी टीम नहीं थी।

अब मेरे साथ बहुत सारे सकारात्मक लोग हैं। इससे मुझे काफी मदद मिल रही है। मैं हमेशा सकारात्मक रहती हूं। मैं सकारात्मक सोच से नकारात्मकता को दूर करती हूं।

याराजी पर रहेगी ओलंपिक पदार्पण का दबाव- याराजी का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 12.78 सेकेंड का है और वह मानती हैं कि ओलंपिक पदार्पण में उन पर काफी दबाव होगा लेकिन वह ध्यान लगाकर शांत बने रहने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा, मुझे ओलंपिक में खेलने का अनुभव नहीं है लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि ये अच्छे रहेंगे।

इन अभिनेत्रियों का अभिनय देख दर्शकों ने पीटा माथा

ओवरएक्टिंग के हर पायदान पर आईं अव्वल

बॉलीवुड हसीनाओं के लाखों-करोड़ों में चाहने वाले होते हैं। इनके फैंस इनकी एक झलक पाने के लिए उत्सुक दिखाई देते हैं। कई लड़कियां इन अभिनेत्रियों के स्टाइल को भी कॉपी करना पसंद करती हैं। ये हसीनाएं फिल्मों में अपने किरदार को रियल दिखाने के लिए कड़ी मेहनत करती हैं. इसके बावजूद भी कई बार फैंस इनके अभिनय को ओवरएक्टिंग का टैग दे देते हैं। इंडस्ट्री में कई मशहूर अभिनेत्रियां, जिनकी एक्टिंग देखकर दर्शकों ने अपना माथा पीट लिया है। इसके चलते कई बार ये ट्रोलर्स के निशाने पर भी आ जाती हैं. तो चलिए जानते हैं इन अभिनेत्रियों के बारे में...

1. करीना कपूर खान

बॉलीवुड में बेबो के नाम से मशहूर करीना कपूर खान की फिल्मों के लोग दीवाने हैं। अपनी शानदार अदाकरी से करीना फैंस के दिलों पर राज करती हैं। हाल में करीना क्रू में नजर आई थीं। मगर दर्शकों ने करीना की भी कई फिल्मों में उनके अभिनय को ओवरएक्टिंग करार दिया है।

2. जान्हवी कपूर

अभिनेत्री जान्हवी कपूर का नाम इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर आता है। जान्हवी कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेर चुकी हैं। अभिनेत्री के फैशन और उनके स्टाइल के लोग दीवाने हैं। मगर अभिनय के में जान्हवी भी कई बार ट्रोल हो चुकी हैं। उनकी कई फिल्मों में दर्शकों ने उनके अभिनय को ओवरएक्टिंग बताया है।

3. सारा अली खान

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान का नाम इस लिस्ट में पहले नंबर पर आता है। सारा ने फिल्म केदारनाथ से बॉलीवुड में कदम रखा था। सारा को भी उनके अभिनय प्रदर्शन के लिए कई बार ट्रोलर्स के निशाने पर आना पड़ गया है। यूजर्स सारा को ओवरएक्टिंग का टैग दे चुके हैं।

4. तारा सुतारिया

अभिनेत्री तारा सुतारिया का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। तारा ने फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड में कदम रखा था। अभिनेत्री की तस्वीरें और स्टाइल फैंस को काफी पसंद आता है। तारा सुतारिया की एक्टिंग के मामले में कई दर्शक ओवरएक्टिंग का टैग दे चुके हैं।

5. अनन्या पांडे

अभिनेत्री अनन्या पांडे भी अपने अभिनय प्रदर्शन को लेकर कई बार ट्रोलर्स के निशाने पर आ चुकी हैं। सोशल मीडिया पर नेटीजन्स उनकी एक्टिंग को ओवरएक्टिंग का बता चुके हैं। वह आखिरी बार फिल्म खो गये हम कहां में नजर आई थीं।



फिर आई हसीन दिलरुबा

नेटफ्लिक्स ने विक्रांत मैसी, तापसी पन्नू और सनी कौशल के पोस्टर जारी किए



फिर आई हसीन दिलरुबा की रिलीज़ डेट की घोषणा करने के बाद, नेटफ्लिक्स ने बुधवार को आगामी फिल्म के दिलचस्प पोस्टर जारी किए। तापसी पन्नू, विक्रांत मैसी और सनी कौशल अभिनीत यह फिल्म 9 अगस्त से प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग शुरू करेगी। कुछ महीने पहले, नेटफ्लिक्स ने प्रशंसकों को इसका पहला टीज़र दिखाया था। पहले पोस्टर में विक्रांत मैसी, तापसी पन्नू और सनी कौशल, तीनों खून की बूंदों के साथ बारिश में भीगते हुए दिखाई दे रहे हैं। और इसमें विक्रांत और तापसी एक छतरी के नीचे भी दिखाई दे रहे हैं, इस बीच, सनी एक हाथ में गुलाब का गुलदस्ता लिए और तापसी का हाथ थामे हुए दिखाई दे रहे हैं। दूसरे पोस्टर में, विक्रांत और सनी की भूमिकाएँ बदल दी गई हैं, जो पूर्व-आवश्यक प्रेम के विषय को जोड़ती हैं।इस हफ़्ते की शुरुआत में, फ़िल्म के निर्माताओं ने इसकी रिलीज़ की तारीख़ की घोषणा की और तीनों मुख्य सितारों की विशेषता वाला एक टीज़र साझा किया। टीज़र में जिमी शेरगिल की एक झलक भी दिखाई गई। नेटफ्लिक्स द्वारा साझा की गई पोस्ट में लिखा गया है, 9 अगस्त की हसीन शाम, दिलरुबा के नाम फिर आई हसीन दिलरुबा, 9 अगस्त को रिलीज़ हो रही है, सिर्फ़ नेटफ्लिक्स पर। यह इशारा करता है कि मूल फ़िल्म वहीं से शुरू होगी जहाँ से फ़िल्म खत्म हुई थी। इस साल फरवरी में, विक्रांत मैसी, तापसी पन्नू और सनी कौशल अभिनीत आगामी थ्रिलर फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा के निर्माताओं ने फिल्म का आधिकारिक टीज़र जारी किया था।

नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर टीज़र शेयर करते हुए कैप्शन दिया, रानी की कहानी में प्यार और पागलपन, दोनो अभी बाकी हैं।

क्या कोरियोग्राफर गीता कपूर ने गुपचुप तरीके से कर ली शादी?

पॉपुलर कोरियोग्राफर गीता कपूर इन दिनों टेरेंस लुईस और करिश्मा कपूर के साथ इंडियाज बेस्ट डांसर 4 को जज कर रही हैं। गीता ने हाल ही में अपनी सीक्रेट मैरिज पर चुप्पी तोड़ी है।



उन्होंने अपनी शादी की अफवाहों को लेकर बात की कहा हम सभी, जो फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं और हम लोगों को अक्सर अपनी नेटवर्थ के बारे में अफवाहों का सामना करना पड़ता है। जैसे मैंने कहीं देखा कि किसी ने लिखा कि मेरे पास करोड़ों की कारें और बंगले हैं। फिर, मैं सोचती हूं कि ये सब कहां हैं।

गीता ने आगे कहा कि, मुझे भी पता होना चाहिए, मुझे लगता है कि ये करोड़ों की गाड़ियां कहां हैं, मैं इन्हें चलाना चाहती हूं, ये करोड़ों के बंगले कहां हैं, मैं वहां रहना चाहती हूं, मेरे पास ये करोड़ों रुपये किस बैंक में हैं, मैं इन्हें खर्च करना चाहती हूं। इसलिए ये अफवाहें मुझे काफी शॉक्ड करती हैं ऐसी सब अफवाहों का नकारा हैं। उन्होंने आगे कहा, मेरे बारे में एक और अफवाह फैली हुई है कि मैं शादीशुदा हूं और मैंने गुपचुप तरीके से शादी कर ली है, जो मैंने नहीं की, अगर मैंने शादी की होती तो मैं बड़े गर्व से कहती कि हां मैं शादीशुदा हूं। मेरे कई बच्चे हैं। ये अफवाह बंद होनी चाहिए। बता दें कि इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 4 का प्रीमियर 13 जुलाई को हुआ है। आपको बता दें कि गीता जब फराह खान के साथ जुड़ीं, उस वक्त उनकी उम्र महज 15 साल थी। सबसे पहले वह तुझे याद न मेरी आई, और गोरी गोरी आदि गानों में बतौर बैकग्राउंड डांसर नजर आई थी। इसके बाद गीता ने कई हिट गानों को कोरियोग्राफ करके अपना नाम शोहरत की बुलंदियों पर पहुंचा दिया।

निरहुआ ने आम्रपाली दुबे को कहा अर्धांगिनी



भोजपुरी के जुबली स्टार और यूट्यूब क्वीन आम्रपाली दुबे की जोड़ी इंडस्ट्री की पॉपुलर जोड़ियों में से एक रही है। फिल्मों में दोनों की केमिस्ट्री अक्सर फैंस का दिल जीत लेती है। फिल्मों के अलावा दोनों स्टार्स को लेकर अक्सर मीडिया में खबरें रही हैं कि वो एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। रिलेशनशिप की चर्चाओं के बीच खबर सामने आ रही है कि निरहुआ ने आम्रपाली दुबे से चोरी-छिपे शादी कर ली है। बताया जा रहा है कि शादीशुदा और दो बच्चों के पिता निरहुआ ने आम्रपाली से दूसरी शादी कर ली है। इस बात का खुलासा उन्होंने खुद किया है। उनका एक वीडियो भी सामने आया है।

दरअसल, निरहुआ और आम्रपाली दुबे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक्टर अपनी शादी की पोल खुद खोलते हुए नजर आ रहे हैं। उनका ये वीडियो अयोध्या में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के दिन का है। दोनों एक्टर्स साथ में इस इवेंट में पहुंचे थे। इस दौरान इस कपल ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य से मुलाकात की थी। उनसे बातों ही बातों में ये साफ हो गया था कि आम्रपाली निरहुआ की 'अर्धांगिनी' हैं। वीडियो में देखने के लिए मिल रहा है कि जब निरहुआ रामभद्राचार्य से मिले तो आम्रपाली भी उनके साथ थीं और उनके पड़ोस में ही बैठी थीं। रामभद्राचार्य ने निरहुआ को कहा, 'ये इतना बदमाश है।'

इसके बाद वो पास में बैठीं आम्रपाली की तरफ इशारा कर कहते हैं, 'ये तुम्हारी बहन है?' इस पर भोजपुरी एक्ट्रेस मुंह छिपाकर हंसने लगती हैं। रामभद्राचार्य के सवाल के जवाब में निरहुआ उन्हें कहते हैं, 'वो अब अर्धांगिनी बन गई हैं। सिस्टर कहां रहीं।' रामभद्राचार्य फिर कहते हैं, 'ऐसा क्यों किया तुमने गड़बड़ हो गई क्या? ये तो कह रहा है कि अर्धांगिनी बन गई।' इस पर निरहुआ, आम्रपाली से करते हैं, 'झूठ क्यों बोल रह हो बताओ। गुरुजी से झूठ नहीं बोलना चाहिए।'



संगीत मेरा जीवन है, इसके बिना मैं नहीं चल सकता: आयुष्मान

युवा बॉलिवूड स्टार आयुष्मान खुराना ने खुलासा किया है कि वह अपने जीवन में संगीत के बिना नहीं रह सकते। अभिनेता-कलाकार के सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए वीडियो में, हिट-मेकिंग संगीतकार ने अपने जीवन में संगीत के महत्व के बारे में बात की है। वह कहते हैं, संगीत मेरा जीवन है। मैं संगीत के बिना काम नहीं कर सकता। मैं फिल्मों के बिना रह सकता हूं लेकिन संगीत के बिना नहीं। आयुष्मान, जिन्होंने अभी-अभी रेह जा नामक एक आत्मीय ट्रैक रिलीज़ किया है, जो वर्तमान में ट्रेंडिंग है, कहते हैं, जीवन छोटे-छोटे क्षणों के बारे में है। मैं वास्तव में छोटे-छोटे क्षणों और जीवन की छोटी-छोटी चीज़ों की सुंदरता को संजोता हूं। मैं छोटी-छोटी चीज़ों से परेशान हो जाता हूं और छोटी-छोटी चीज़ों से खुश भी हो जाता हूं। मैं ऐसा ही हूं।

शरवरी ने आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पाया प्रथम स्थान

शरवरी ने इस सप्ताह आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पहला स्थान हासिल किया है! इस सप्ताह की आईएमडीबी लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में बॉलीवुड की उभरती हुई स्टार शरवरी शीर्ष स्थान पर हैं। उनके मनमोहक अभिनय ने मुंजा नामक हॉरर कॉमेडी फिल्म में बेला की भूमिका निभाई और महाराज में उनके शानदार विशेष उपस्थिति ने पर्दे पर चमक बिखेरी।

उर्वशी का बाथरूम वीडियो हुआ लीक

उर्वशी रौतेला अक्सर ही किसी ना किसी कॉन्ट्रोवर्सी के चलते सुर्खियों में रहती हैं। अब अभिनेत्री एक बार फिर सुर्खियों में हैं और इस बार उनके चर्चा में होने की वजह बना है एक वीडियो। जी हां, उर्वशी अब एक वीडियो को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसे देखने के बाद इंटरनेट यूजर्स ने एक्ट्रेस को निशाने पर ले लिया है। सोशल मीडिया पर उर्वशी रौतेला का एक बाथरूम वीडियो लीक हो गया है, जिसमें वह अभिनेत्री अपना कुर्ता उतार रही हैं।



ये वीडियो जैसे ही सामने आया, अभिनेत्री एक बार फिर नेटिजन्स के निशाने पर आ गईं। मशहूर पैपराजी सहित कई सोशल मीडिया यूजर्स ने उर्वशी का ये प्राइवेट वीडियो शेयर किया है, जिसके बाद एक्ट्रेस विवादों में घिर गई हैं। सेलिब्रिटी पैपराजी मानव मंगलानी ने भी अपने इंस्टा अकाउंट पर उर्वशी रौतेला का ये वीडियो शेयर किया है। वीडियो में उर्वशी सूट पहने नजर आ रही हैं, उनके गले में मंगलसूत्र भी दिखाई दे रहा है। अभिनेत्री बाथरूम में एंटर करती हैं, टॉवल टांगती हैं और अपने कपड़े उतारने लगती हैं और तभी ये वीडियो खत्म भी हो जाता है। इस वीडियो को देखने के बाद यूजर एक्ट्रेस से फिर नाराज हो गए हैं और अभिनेत्री की सोशल मीडिया पर ही क्लास लगाना शुरू कर दिया है।



टली होती दिखीं उर्फी जावेद

लोगों ने लगाई क्लास

एक्ट्रेस उर्फी जावेद हमेशा ही अपनी अतरंगी ड्रेस की वजह से वायरल होती रहती हैं। इनकी ड्रेस देख लोग तरह-तरह के कमेंट्स भी करते हैं, जिससे वह सोशल मीडिया पर छाई रहती है। उनका एक नया वीडियो सामने आया जिसमें वह टली होती दिखी वह येलो ड्रेस पहनी हुई है ,ढंग से चल भी नहीं पा रही । तस्वीरों में देखा जा सकता है की उर्फी की आंखें भी नहीं खुल रही उनके साथ उनकी बहन और एक महिला ने पकड़ा हुआ है लोग इसे देखने के बाद खूब ट्रोल कर रहे हैं वहीं एक ने लिखा आजकल ज्यादा ही पीने लगी है। बता दें , उर्फी पहले भी पब में ड्रक होती देखी गयी थी और उस वक्त भी उनका वीडियो खूब वायरल हुआ था अब उर्फी का एक नया वीडियो सामने आया हैं जिसे देखने के बाद उनके फैंस ने खूब ट्रोल किया।

-साभार एजेंसी